मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.6	21.2
जमशेदपुर	31.9	19.2
डालटनगंज	32.7	16.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार, 31 अक्टूबर 2023 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 03, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 1, अंक : 194

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

पलामू प्रमण्डलीय
रोजगार मेला
(ऑफर लेटर वितरण)

लगभग
5132
युवाओं को मिलेगा ऑफर लेटर

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री, संसदीय कार्य, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड

श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर
माननीय मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड

श्री सुनील कुमार सिंह
माननीय सांसद, चतरा

श्री विष्णु दयाल राम
माननीय सांसद, पलामू

सम्मानित अतिथि

श्री आलोक कुमार चौरसिया
माननीय विधायक, डालटनगंज

श्री रामचन्द्र सिंह
माननीय विधायक, मनिका

श्री वैद्यनाथ राम
माननीय विधायक, लातेहार

श्री कुशवाहा शशि भूषण मेहता
माननीय विधायक, पांकी

श्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी
माननीय विधायक, विश्रामपुर

श्रीमती पुष्पा देवी
माननीय विधायक, छत्तरपुर

श्री कमलेश कुमार सिंह
माननीय विधायक, हुसैनाबाद

श्री भानु प्रताप शाही
माननीय विधायक, भवनाथपुर

दिनांक : 31.10.2023 | समय : अपराह्न 1 बजे
स्थान : पुलिस लाईन मैदान, डालटनगंज (पलामू)

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ओडिसी नर्तक के नृत्य में दिखी डार्विन थ्योरी की झलक

मन, शरीर व आत्मा को साधने की कला है नृत्य : कृष्णेन्दु साहा

संवाददाता। बोकारो

डीपीएस बोकारो में सोमवार को सीबीएसई की ओर से निर्देशित आर्ट इंटीग्रेशन सीरीज के अंतर्गत पंचतत्व संस्था के सहयोग से नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर राष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त ओडिसी नर्तक कृष्णेंदु साहा ने नृत्य के माध्यम से मनुष्य के क्रमिक विकास को भगवान विष्णु के दशावतार से जोड़कर बखूबी पेश किया. अपनी प्रस्तुति में जहां उन्होंने भारत के पौराणिक व सांस्कृतिक मूल्यों एवं शास्त्रीय नृत्य की महत्ता रेखांकित की. वहीं दूसरी तरफ बच्चों के पाठ्यक्रम में शामिल मनुष्य के क्रमिक विकास से संबंधित डार्विन के सिद्धांत को भी जीवंत रूप में प्रस्तुत किया. उन्होंने अपनी गुरु शर्मिला विश्वास की खास कोरियोग्राफी में तैयार अपनी इस प्रस्तुति की शुरुआत मंगलाचरण एवं आवाहन-नृत्य से की.

मनुष्य के विकास को भगवान विष्णु के दशावतार से जोड़कर किया गया पेश

कृष्णेन्दु साहा ने इसके बाद मनुष्य के क्रमिक विकास में क्रमश: शिकार करने, समाज-निर्माण, कृषि-कार्य, बौद्धिक विकास व अन्य अवस्थाओं को भगवान के अलग-अलग अवतारों में कूर्मावतार, मत्स्यावतार, वराहावतार, नरहरि अवतार, वानमावतार, परशुरामावतार, रामावतार, बुद्धावतार आदि से जोड़कर प्रस्तुत किया. समापन कल्कि अवतार प्रस्तुति से की, जिसमें उन्होंने पंचतत्वों के माध्यम से जीव-जगत पर आनेवाली विभिन्न आपदाओं की स्थिति को वर्णित किया. इस दौरान श्री साहा ने कहा कि नृत्य मन, शरीर और आत्मा को साधने की एक कला है. शास्त्रीय नृत्य वैज्ञानिक रूप से अपनी महत्ता रखता है. विज्ञान जिन चीजों के बारे में आज बता रहा है, वो हमारे पुराणों में आदिकाल से है. विद्यालय के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने इस कार्यशाला को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पढ़ाई में कला को समावेशित करना विद्यार्थियों के शैक्षणिक व बौद्धिक विकास में सहायक है.

आपकी बात

> इस दौर में नशा एक फैशन बन गया है, जो युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है

नाम - डॉ त्रिभुवन कुमार साही
पेशा – अध्यापन
निवास – रांची

रांची के चौड़ा गांव के रहने वाले डॉ त्रिभुवन साही की प्रारंभिक पढ़ाई गांव से 10 किलोमीटर दूर सरस्वती शिशु मंदिर बीजूपाड़ा में हुई. 2001 में मैट्रिक पास करने के बाद संत जेवियर कॉलेज से आईएससी की पढ़ाई की. फिर, डोमिसाइल आंदोलन में अपनी भूमिका देने के कारण 3 वर्षों की पढ़ाई अधूरी रह गई रह गई. उसके बाद पीपीके कॉलेज बुंडू से बीए और रांची यूनिवर्सिटी से एमए की पढ़ाई पूरी की. 2011 में रांची यूनिवर्सिटी से पीएचडी एंट्रेंस पीएचडी एंट्रेंस की परीक्षा पास की 2012 में बीएड की डिग्री रांची कॉलेज रांची से ली. जून 2012 में नेट की परीक्षा में भी सफलता हासिल की हासिल किया और सबसे पहले डोरंडा कॉलेज में इंटर के शिक्षक के रूप में 2 वर्ष योगदान दिया दिया. बाद रांची कॉलेज रांची में बीबीए डिपार्टमेंट में हिंदी की कक्षा ली. 2018 से लेकर अब तक डॉ त्रिभुवन सहायक अध्यापक के रूप में सहायक प्राध्यापक के रूप में रांची यूनिवर्सिटी रांची के एस एस मेमोरियल कॉलेज में सहयाक शिक्षक के रूप में अपना योगदाने दे रहे हैं. त्रिभुवन बताते हैं कि गांव से निकलकर गरीबी में पल-बढ़कर इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं रहा. फिर भी इन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पीछे मुड़कर नहीं देखा. इन्हें सबसे बड़ा डर ये सता रहा था कि अगर ये वापस गांव चले गये तो फिर कभी कोई अपने बच्चों को रांची पढ़ने नहीं भेजेगा. डॉ त्रिभुवन ड्रैगन फ्रूट और स्ट्राबेरी की खेती के साथ-साथ मछली पालन भी कर रहे हैं. युवाओं के लिए इनका संदेश है कि नशे से दूर रहें. आधुनिकता के इस दौर में नशा एक फैशन बन गया है, जो युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है. इसलिए मन लगाकर पढ़ाई करें क्योंकि बिना पढ़े कुछ भी हासिल नहीं होगा.

ब्रीफ खबरें

पूर्व छात्र नेताओं ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

बहरागोड़ा। सोमवार को बहरागोड़ा कॉलेज के पूर्व छात्र संघ नेता अभिजीत बाग के नेतृत्व में कॉलेज के प्राचार्य बालकृष्ण बेहरा को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें कुछ दिनों से बहरागोड़ा कॉलेज में बाहरी तत्वों का अनाधिकार प्रवेश कर कॉलेज के शैक्षणिक परिवेश को प्रभावित करने के उद्देश्य को रोकने की मांग की गई. साथ ही सभी विद्यार्थियों का ड्रेस कोड अनिवार्य किया जाए. इस मौके पर कॉलेज के पूर्व छात्र नेता बिलु मन्ना, देव मंडल, अक्षय आदि उपस्थित थे.

शिक्षा विभाग के कार्यों की हुई समीक्षा

साहिबगंज। सोमवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त राम निवास यादव ने जिला शिक्षा अधीक्षक व अन्य पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. इस दौरान प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी से उनके प्रखंडों में विद्यालयों की संख्या, छात्रों की संख्या एवं वर्तमान में शिक्षकों की संख्या आदि की जानकारी ली. उन्होंने वैसे विद्यालय जहां बच्चों की उपस्थिति कम है इसका कारण जाना और संबंधित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को इसमें प्रगति लाने के निर्देश दिये.

सेंट जेवियर्स स्कूल में खेल महोत्सव की हुई शुरुआत

धनबाद। सेंट जेवियर्स इंटरनेशनल स्कूल, धनबाद में 30 अक्टूबर को दो दिवसीय खेल महोत्सव 'शौर्य' का शुभारंभ सीआईएसएफ के डीआईजी विनय काजला ने मशाल जलाकर किया. खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खेल का जीवन में बहुत महत्व है. उन्होंने कहा कि हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में सहभागिता है. विद्यार्थियों को विद्यालय के निदेशक अमरेन्द्र कुमार सिंह और संयुक्त निदेशक अनुप सिंह ने भी शुभकामनाएं दी. इसके बाद स्कूल के चारों सदनों के कप्तानों ने मशाल मार्च किया.

बीएस कॉलेज में खादी महोत्सव का आयोजन

लातेहार। शहर के बनवारी साहु महाविद्यालय में सोमवार को खादी महोत्सव का आयोजन किया गया. महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी नवल किशोर प्रसाद के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अपने जीवन में खादी का ज्यादा प्रयोग करने का संकल्प लिया. प्रसाद ने कहा कि हमें खादी के कपड़ों का अधिक प्रयोग करने पर जोर देना चाहिए. उन्होंने कहा कि खादी हमारी राष्ट्रीयता से जुड़ा है. देश की आजादी में हस्तकरघा व खादी का भी विशेष योगदान था.

सड़क हादसे में पब्लिक स्कूल के प्राचार्य की मौत

कतरास। कतरास थाना क्षेत्र के श्यामडीह मोड़ के समीप सोमवार को सड़क हादसे में स्थानीय कॉम्पिटिशन पब्लिक स्कूल के प्राचार्य प्रणव झा (40) की मौत हो गई. घटना से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई. प्रणव झा कॉम्पिटिशन पब्लिक स्कूल के निदेशक महेश झा के छोटे बेटे हैं. जानकारी के अनुसार प्रणव झा अपनी स्कूटी से किसी काम से श्यामडीह मोड़ की तरफ जा रहे थे. तभी सड़क पर किसी मवेशी के आने के कारण वे स्कूटी समेत गिरकर बेहोश हो गए. उन्हें तत्काल आसपास के लोगों ने उठाकर समीप के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

डीएवी पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय एक्सपो का हुआ उद्घाटन

विकास योजनाओं को सभी लोगों तक पहुंचाने का हो प्रयास : एसपी

सुकेश कुमार। चाईबासा

सूरजमल जैन डीएवी पब्लिक स्कूल में देश के महान वैज्ञानिक, पद्मभूषण डॉक्टर होमी जहांगीर भाभा की जयंती के अवसर पर 'क्रिएटिव सोशियो साइंटिफिक एक्सपो' का उद्घाटन सोमवार को किया गया.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर व बतौर सम्मानित अतिथि उनकी पत्नी डॉक्टर प्रियंका सिंह उपस्थित थी. पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने कहा कि हमें तकनीक में निरंतर हो रहे बदलावों का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए. बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न संस्थाओं में शैक्षिक भ्रमण पर भी उन्होंने जोर दिया. उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आखिरी पायदान पर (हाशिए) खड़े व्यक्ति तक विकास योजनाओं को पहुंचने के लिए प्रयासरत है. प्राचार्या रेखा कुमारी ने विविध विषयों में प्रदर्शनी की उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए. पद्मभूषण डॉक्टर होमी जहांगीर भाभा की उपलब्धियों पर छात्रा राय बनर्जी ने विचार व्यक्त किए.

शिक्षिका मनीषा सिन्हा ने महान वैज्ञानिक के जीवन की उपलब्धियां पर प्रकाश डाला. कक्षा सातवीं की छात्राओं द्वारा पारंपरिक नृत्य, विज्ञान गीत व रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किया गया. इस अवसर पर प्रिंसिपल डीएवी नोवामुण्डी पी के भुइयां, प्रिंसिपल डीएवी चिड़िया एस के झा, प्रिंसिपल डीएवी झींकपानी एसके पाठक व प्रिंसिपल जे एन वी जे करपग माला उपस्थित थी. मौके पर एलएमसी सदस्य अभिषेक दोदराजका सहित काफी तादाद में अभिभावक उपस्थित थे. निर्णायक मंडली के सदस्यों में मानस रंजन मिश्रा, विश्वजीत कुमार सतपथी, उत्तम कुमार घोष, संजय कुमार गोराई, अशोक कुमार कुंटिया, दीप्ति सिन्हा, प्रसन्न कुमार आचार्या विनोद कुमार ओझा व विश्वनाथ लकड़ा उपस्थित थे.

प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

मझगांव। प्लस टू उच्च विद्यालय मझगांव में साक्षरता विभाग की ओर प्रखंड के सर्वेक्षणकर्ताओं व स्वयंसेवकों, शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया. प्रशिक्षक रत्नाकर नायक व बीपीओ बलराज कपूर ने कहा कि प्रंखड़ के शिक्षक, शिक्षिकाओ को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 15 वर्ष से ऊपर के निरक्षर महिला-पुरुष का सर्वे करके चिह्नित करेंगे और जीवन में होने वाली जरूरत पर आधारित शिक्षा प्रदान करेंगे. जैसे नाम लिखना, जोड़ व घटाव आदि की जानकारी ऐसे लोगों को दी जानी है. स्वयंसेवक निरक्षरों को साक्षर करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हमारे आसपास के महिला व पुरुष अपने जीवन में कभी हस्ताक्षर करने के बदले अंगूठा का निशान नहीं लगाए.

वर्कर्स कॉलेज में विदाई समारोह आयोजित

जमशेदपुर। जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज के कॉमर्स विभाग के स्नातकोत्तर सेमेस्टर चार छात्रों के लिए सोमवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य डॉ सत्यप्रिय महालिक उपस्थित थे. मौके पर प्राचार्य ने छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी साथ ही जीवन में सफलता के लिए प्रेरणादायक सुझाव दिए. इक दौरान कई छात्रों ने भी कॉलेज में बिताए समय को याद करते हुए अपने अनुभव साझा किया व कॉलेज के शिक्षकों का आभार प्रकट किया. मौके पर छात्र छात्रओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया. इस अवसर पर कॉमर्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वी. के. मिश्रा, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. ए. सी. पाठक, डॉ. मोनी दीपा दास, डॉ संजू, डॉ मीतू आहूजा, मालिका हेजाब एवं अन्य उपस्थित थे.

जागरूक होने से रुकेगी घरेलू हिंसा : प्रो अमरेश

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज धनबाद में पूर्ववर्ती छात्र संगठन जीएनसी एल्यूमिनी एसोसिएशन के द्वारा दहेज प्रथा एवं घरेलू हिंसा पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया. जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में लॉ कॉलेज धनबाद के प्राचार्य प्रो (डॉ) अमरेश चौधरी ने भाग लिया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने दहेज प्रथा व घरेलू हिंसा जैसे बढ़ते अपराधों पर चिंता जताई. कहा कि ऐसे अपराध समाज के विकास में बाधक हैं, इन पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है. उन्होंने छात्राओं व महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनने की अपील की. उन्होंने उपस्थित महिलाओं व छात्राओं को इस संबंध में बने कानूनों से अवगत कराया. कार्यक्रम को प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद और प्रो इंचार्ज रंजना दास ने संबोधित किया. मंच संचालन प्रो दलजीत सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो संजय सिन्हा ने किया.

एग्यारकुंड मध्य विद्यालय में हुआ स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता। मैथन

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सोमवार को एग्यारकुंड मध्य विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. डॉ. सार्थक दास और डॉ. जयंत कुमार टुडू के नेतृत्व में कक्षा छह, सात और आठ के छात्र-छात्राओं की जांच की गयी. मौके पर डॉ. सार्थक दास ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का लक्ष्य 18 साल से कम उम्र के बच्चों के जन्म दोष, कमियां, बीमारियां, विकास में होने वाले विलंब के साथ आसक्तता का समय से पहले पहचान कर समुचित इलाज करना है.

बाल विकास का लक्ष्य : बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास सामान्य हो : डॉ. जयंत कुमार टुडू ने कहा कि बाल स्वास्थ्य का अर्थ गर्भधारण से जन्म और उसके बाद 5 साल की उम्र तक देखभाल है. 5 साल की उम्र के बाद बच्चों के स्वास्थ्य पर स्कूल स्वास्थ्य प्रोग्रामर टीम नजर रखती है. विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार झा ने कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सरकार की ओर से मुक्त इलाज और चेकअप करवाया जाता है. इसी के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर लगाकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई. कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सहायक शिक्षक विदन मंडल, प्रमोद राव, कुमारी सोना दास आदि का सराहनीय सहयोग रहा.

जेंडर सेंसिटिविटी पर शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

संवाददाता। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर की आसनतलिया स्थित मधुसूदन पब्लिक स्कूल में सोमवार को सीबीएसई के निर्देशानुसार एक दिवसीय जेंडर सेंसिटिविटी इन स्कूल विषय पर शिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य के.नागराजू, उप प्राचार्या आरती कोड़वार, परीक्षा नियंत्रक सह एसटीएनसी दिनेश कुमार चक्रवर्ती, रिसोर्स पर्सन मंतोष कुमार महतो व एम. सुनीता द्वारा दीप जलाकर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया. इस कार्यक्रम में एमपीएस के कुल 61 प्रतिभागियों को 'जेंडर सेंसटिविटी इन स्कूल' विषय पर 13 समूह में बांटकर चार मॉड्यूल में प्रशिक्षण दिया गया. सत्र में शामिल प्रतिभागियों ने कहा कि ट्रेनिंग में सीखी गई बातों को अपने शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में लाया जाए. वहीं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया. विद्यालय की उप प्राचार्या आरती ने रिसोर्स पर्सन मंतोष कुमार महतो व एम. सुनीता को पौधा देकर सम्मानित भी किया.

डीबीएमएस कॉलेज में स्टूडेंट्स का परिचय सत्र आयोजित

संवाददाता। जमशेदपुर

डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सोमवार को बीएड सत्र 23 -25 के विद्यार्थियों का दो दिवसीय परिचय सत्र का आयोजन किया गया. मौके पर कॉलेज के अध्यक्ष बी चंद्रशेखर ने छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता है और उनमें सीखने की इच्छा जीवन पर्यन्त होनी चाहिए. शिक्षक को सतत ज्ञानवर्धन की इच्छा होनी चाहिए. कॉलेज की सचिव श्रीप्रिया धर्मराजन ने कहा कि डीबीएमएस कॉलेज उत्तम शिक्षा के लिए जाना जाता है. आप पढ़ने और सीखने का प्रयास करें ताकि आपके ज्ञान की उपयोगिता समाज को मिले. कॉलेज के गवर्निंग बॉडी के सचिव सतीश सिंह ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप विद्यार्थी नहीं बल्कि भावी शिक्षक है. वहीं प्राचार्य डॉ जूही समर्पिता ने कॉलेज के उद्देश्य, मिशन और विजन के बारे में छात्रों को बताया. उप प्राचार्या डॉ मोनिका उप्पल ने छात्रों को कॉलेज के नियम कायदे कानून के विषय में विस्तृत जानकारी दी. सहायक प्राध्यापिका पामेला घोष दत्ता ने कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन किया. इस दौरान कॉलेज की सभी शिक्षिकाओं ने अपने-अपने विषयों के बारे में संक्षिप्त जानकारी छात्रों को दी. इस अवसर पर कॉलेज की सहसचिव उषा रामनाथन, तमिल बालाकृष्णन, गीता नटराजन, डॉ सुरीना भुल्लर, अर्चना कुमारी, पूनम कुमारी, मौसमी दत्ता, कंचन तिवारी, गायत्री कुमारी और अमृता चौधरी उपस्थित थी. कार्यक्रम को सफल बनाने में निक्की सिंह, अंजलि गणेशन व अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

अवसर

697 पदों के लिए किया जाना है अभ्यर्थियों का चयन

नियोजनालय में भर्ती कैंप का आयोजन

संवाददाता। चांडिल

शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर है. अब बेरोजगार युवाओं का नौकरी का सपना पूरा हो सकता है. चांडिल स्थित नियोजनालय सह मॉडल करियर सेंटर में सोमवार को सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक एक दिवसीय भर्ती शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में विभिन्न पदों के लिए कुल 697 अभ्यर्थियों का चयन किया जाना है. इस संबंध में नियोजन पदाधिकारी चांडिल ने बताया कि रिक्तियों के विरुद्ध चयनित अभ्यर्थियों का कार्य स्थल जमशेदपुर, रांची, हजारीबाग, बोकारो, धनबाद, डालटनगंज, आसनसोल, रामगढ़, पेटरवार, गोमिया, फुसरो और बेंगलुरु होगा. इसमें आठवीं पास से लेकर इंजीनियर डिग्री वाले अभ्यार्थियों का चयन किया जाना है.

राज्य के किसी भी नियोजनालय में निबंधन कराने वाले हो सकते हैं शामिल : इच्छुक उम्मीदवार जो पूर्व में किसी भी नियोजनालय में निबंधित नहीं हैं, वे झारखंड के किसी भी नियोजनालय में अपना निबंधन कराते हुए उक्त शिविर में नियोजक या नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों व उसकी छायाप्रति, पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ, नियोजनालय का मूल वैध निबंधन कार्ड और बायोडाटा के साथ निर्धारित तिथि को शामिल हो सकते हैं. इसके लिए पुरुष और महिला दोनों ही भर्ती कैंप का हिस्सा बन सकते है. उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होगा. चयन प्रक्रिया निजी क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों का था, इसमें नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता की भूमिका में है. इसके लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा.

खास बातें

- अब बेरोजगार युवाओं का नौकरी का सपना होगा पूरा
- चयन प्रक्रिया निजी क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों का था

एनएसयूआई ने की छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग

धनबाद। एनएसयूआई छात्र संगठन ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलपति प्रो पवन पोदार से मिलकर 16 सूत्री मांग रखी. जिसमें छात्र संघ चुनाव करवाने, विश्वविद्यालय परिसर तथा सभी कॉलेजों में गर्ल्स कॉमन रूम तथा सेनेटरी मशीन की व्यवस्था करने, सभी कॉलेजों में सभी विषयों में फैकल्टी नियुक्त करने, बीबीएमकेयू परिसर में छात्रों द्वारा लिफ्ट का इस्तेमाल, लाइब्रेरी, बस की सुविधा, साइंस लैब, कंप्यूटर लैब की सुविधा शुरू करने, विश्वविद्यालय परिसर को वाई-फाई जोन बनाने, इंटर की पढ़ाई पुनः शुरु करने, पीजी की पढ़ाई विश्वविद्यालय के अलावा एसएसएलएनटी, आरएसपी, बीएसके मैथन, सिंदरी कॉलेज, कतरास कॉलेज, बीएस सिटी कॉलेज, चास कॉलेज में शुरू करने सहित अन्य की मांग की.

एबीवीपी ने महान राजनीतिज्ञ कार्तिक उरांव की जयंती मनाई

संवाददाता। लातेहार

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), लातेहार नगर के तत्वावधान में कार्तिक उरांव की जयंती मनायी गयी. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमलेश उरांव मौजूद रहे. मौके पर उन्होंने कहा कि कार्तिक उरांव सामाजिक समरसता के पुरोधा थे. वे एक महान राजनीतिज्ञ थे. बिहार राज्य (अब झारखंड) की लोहरदगा लोकसभा सीट से संसद सदस्य थे. कार्तिक उरांव ने 1947 के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया था. कार्तिक उरांव ने अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद का भी गठन किया गया था और आम आदमी की समस्याओं को सड़क से संसद तक उठाया था. कमलेश उरांव ने कहा कि हमें उनके आदर्शों को अपनाने की जरूरत है. नगर मंत्री मुकेश ने भी कार्तिक उरांव को एक महान राजनीतिज्ञ व गरीबों का मसीहा बताया.

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.6	21.2
जमशेदपुर	31.9	19.2
डालटनगंज	32.7	16.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार, 31 अक्टूबर 2023 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 03, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 194

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

www.lagatar.in

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- इजराइली सेना गाजा के अंदरुनी इलाकों तक पहुंची
- एक नवंबर से अवैध प्रवासियों को निकालेगा पाकिस्तान
- जर्मनी में निर्माण स्थल पर मचान से गिरने से 5 की मौत
- न्यूयॉर्क के कॉर्नेल विवि के यहूदी केंद्र में बढ़ी सुरक्षा

नेशनल
- पुलवामा में आतंकियों ने यूपी के श्रमिक की हत्या की
- कांग्रेस की सीईसी ने राजस्थान में उम्मीदवारों पर चर्चा की
- गाजियाबाद में कुख्यात अपराधी पुलिस मुठभेड़ में ढेर
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उद्यान उत्सव का किया उद्घाटन

स्टेट
- कोल्हान में पुलिस दबिश से घबराकर सारंडा आ रहे नक्सली
- आदिवासी विरोधी नेताओं का होगा बहिष्कार : बिरुली
- बिसरा स्टेशन पर नौ घंटे से रेल चक्का जाम समाप्त
- मैस्कॉट जूही को देखने बेतला पहुंच रहे लोग

स्पोर्ट्स
- लियोन फुटबॉल टीम की बस पर हमले के बाद फ्रेंच लीग स्थगित
- हार्दिक की वापसी से अंतिम एकादश से बाहर हो सकते हैं अय्यर
- एशियाई निशानेबाजी में अनीश ने जीता कांस्य
- झारखंड की महिला हॉकी टीम ने गोवा को हराया

किसने क्या कहा

- दादी और पिता की हत्या के बाद भी देश के प्रति विश्वास कभी नहीं डिगा
  प्रियंका गांधी वाड्रा
- शांति निकेतन से टैगोर का नाम मिटाना अपमानजनक व अहंकारीपूर्ण प्रदर्शन है
  ममता बनर्जी
- गरीबों और जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए सरकार वचनबद्ध
  हेमंत सोरेन
- विपक्ष के विधायक अपनी ही सरकार को भ्रष्ट और दलालों से घिरी बता रहे हैं
  प्रतुल शाहदेव

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,000
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

सोना हो सकता है 62 हजार के पार!

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क से लेकर नई दिल्ली तक सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है. इसका कारण माना जा रहा है इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जंग. इससे निवेशकों का रुख गोल्ड जैसे सेफ हैवन की ओर चला गया है. भारत के वायदा बाजार में गोल्ड की कीमत 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गई है. अब दिवाली दूर दिखाई दे रही है. करवाचौथ तक ही गोल्ड के दाम 62 हजार पार सकते हैं. मतलब गोल्ड की कीमत में बुधवार तक 2 हजार से ज्यादा का इजाफा देखने को मिलेगा.

आंध्र ट्रेन हादसे में अब तक 14 की मौत

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश में हावड़ा-चेन्नई रेल लाइन पर रविवार रात दो यात्री ट्रेनों की टक्कर में मरने वालों की संख्या बढ़ कर 14 और घायलों की संख्या 50 हो गई है. अधिकारियों ने बताया, 13 लोगों की मौत मौके पर ही हो गयी और एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हुई. आंध्र के सीएम वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने विजयनगरम में गवर्नमेंट हॉस्पिटल में ट्रेन हादसे के पीड़ितों से मुलाकात की.

ममता को बड़ा झटका टाटा को दें 766 करोड़

कोलकाता। टाटा मोटर्स के लिए बड़ी राहत की खबर है. टाटा को बंगाल के सिंगूर में नैनो कार के उत्पादन के लिए लगाये गए प्लांट के बंद होने के बाद हुए नुकसान के तौर पर ब्याज के साथ 766 करोड़ रुपए मिलेंगे. 3 सदस्यीय न्यायाधिकरण ने टाटा के हक में ये फैसला सुनाया है. टाटा मोटर्स ने बताया कि उसके और बंगाल के बीच सिंगूर में कार प्लांट पर किए गए निवेश पर पूंजी की क्षति को ले डब्ल्युबीआईडीसी से टाटा के मुआवजा के क्लेम को ले मध्यस्थ न्यायाधिकरण में सुनवाई चल रही थी. तीन सदस्यीय मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने 30 अक्टूबर को सर्वसम्मति के साथ टाटा मोटर्स के हक में फैसला सुनाया है.

गाजा में हमास के 600 ठिकाने ध्वस्त

तेल अवीव। गाजा पट्टी में हमास और इजरायल के बीच चल रही जंग अपने चरम पर है. जबरदस्त हवाई हमलों के बाद इजरायली सेना ने जमीनी जंग में हमास के आतंकियों के छक्के छुड़ा दिए हैं. गाजा में अब तक 8 हजार लोगों की मौत हो चुकी है. इतना ही नहीं 600 से ज्यादा हमास के आतंकी ठिकाने ध्वस्त कर दिए गए हैं. इजरायली सेना गाजा के मुख्य शहर में पहुंच चुकी है. वहां दोतफा हमला किया जा रहा है. हमास के चार बड़े कमांडर भी मार गए हैं.

राजनीतिक दलों को मिले चंदे की जानकारी पर सुप्रीम कोर्ट में बोली केंद्र सरकार

आपका अधिकार नहीं

अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने कहा- राजनीतिक दलों को अनुदान देने के लिए बनाई गई यह व्यवस्था एक नीतिगत विषय है

एजेंसियां। नई दिल्ली

राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए बनाई गई इलेक्टोरल बॉन्ड व्यवस्था को चुनौती पर सुनवाई से पहले अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया है. केंद्र सरकार के सबसे बड़े वकील ने कहा है कि किसी राजनीतिक दल को मिलने वाले चंदे की जानकारी पाना नागरिकों का मौलिक अधिकार नहीं है. इसलिए इलेक्टोरल बॉन्ड की व्यवस्था को यह कह कर नहीं खारिज किया जा सकता कि उससे दिए गए चंदे की जानकारी लोगों को नहीं मिल पाती. बता दें कि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संविधान पीठ मंगलवार से इस मामले पर सुनवाई शुरू करेगा. सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से मामले में अपनी राय देने को कहा था.

चंदे की जानकारी पाने का अधिकार नहीं : अटॉर्नी जनरल ने कहा, राजनीतिक दलों को अनुदान देने के लिए बनाई गई यह व्यवस्था एक नीतिगत विषय है. सुप्रीम कोर्ट किसी कानून में तभी दखल देता है, जब वह नागरिकों के मौलिक या कानूनी अधिकारों का उल्लंघन कर रहा हो. इस मामले में ऐसा नहीं कहा जा सकता.

उल्टे संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(सी) के तहत संगठन बनाना और उसे चलाना एक मौलिक अधिकार है, जिसके तहत राजनीतिक दलों को भी अधिकार हासिल है. वेंकटरमनी ने कहा है कि चुनावी हलफनामे के जरिए उम्मीदवार अपने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी वोटर को देता है. इसका आदेश सुप्रीम कोर्ट ने 2003 के पीपुल्स यूनियन फ़ॉर सिविल लिबर्टी बनाम भारत सरकार फैसले में दिया था. पर राजनीतिक चंदे की जानकारी का कोई अधिकार फिलहाल लोगों को नहीं है. अगर कोर्ट किसी अधिकार को नए सिरे से परिभाषित भी करता है, तो उसके आधार पर सीधे किसी मौजूदा कानून को निरस्त नहीं किया जा सकता.

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की संविधान पीठ आज से शुरू करेगी मामले की सुनवाई

2017 में केंद्र सरकार ने राजनीतिक चंदे की प्रक्रिया को साफ-सुथरा बनाने के नाम पर चुनावी बॉन्ड का कानून बनाया था.

चुनाव आयोग और केंद्र का रुख

इसी मामले में पहले चुनाव आयोग ने भी अपनी राय दी थी. चुनाव आयोग ने कहा था कि इलेक्टोरल बॉन्ड व्यवस्था में कोई पारदर्शिता नहीं होती है. इससे काले धन को बढ़ावा मिलने की आशंका है. विदेशी कंपनियों से भी चंदा लेने की छूट से सरकारी नीतियों पर विदेशी कंपनियों के प्रभाव का भी अंदेशा बना रहेगा. हालांकि, सरकार ने दावा किया है कि इलेक्टोरल बॉन्ड से राजनीतिक चंदे की प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है.

क्या है इलेक्टोरल बॉन्ड

2017 में केंद्र सरकार ने राजनीतिक चंदे की प्रक्रिया को साफ-सुथरा बनाने के नाम पर चुनावी बॉन्ड का कानून बनाया. इसके तहत स्टेट बैंक की चुनिंदा ब्रांच से हर तिमाही के शुरुआती 10 दिनों में बॉन्ड खरीदने और उसे राजनीतिक पार्टी को बतौर चंदा देने का प्रावधान है. कहा गया कि इससे कैश में मिलने वाले चंदे में कमी आएगी. बैंक के पास बॉन्ड खरीदने वाले ग्राहक की पूरी जानकारी होगी. इससे पारदर्शिता बढ़ेगी.

क्या है याचिका में

एसोसिएशन फ़ॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने कहा है कि इस व्यवस्था में पारदर्शिता नहीं है. बैंक से बॉन्ड किसने खरीदे, उसे किस पार्टी को दिया, इसे गोपनीय रखे जाने का प्रावधान है. यहां तक कि चुनाव आयोग को भी ये जानकारी नहीं दी जाती. यानी सरकार से फायदा लेने वाली कोई कंपनी बॉन्ड के ज़रिए सत्ताधारी पार्टी को अगर चंदा दे, तो किसी को पता ही नहीं चलेगा. इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा. इतना ही नहीं, विदेशी कंपनियों को भी बॉन्ड खरीदने की इजाज़त दी गई है. जबकि, पहले विदेशी कंपनी से चंदा लेने पर रोक थी. एडीआर की तरफ से यह भी कहा गया है कि अलग-अलग ऑडिट रिपोर्ट और इनकम टैक्स विभाग को पार्टियों की तरफ से दी गई जानकारी से ये पता चला है कि चुनावी बॉन्ड के ज़रिए लगभग 95 फीसदी चंदा भाजपा को मिला है. साफ है कि ये दरअसल सत्ताधारी पार्टी को फायदा पहुंचाने का जरिया बन कर रह गया है. लोकसभा चुनाव के दौरान ऐसा और भी ज़्यादा होने की आशंका है. इसलिए, सुप्रीम कोर्ट तुरंत बॉन्ड के ज़रिए चंदे पर रोक लगाए.

सीएम ने मयूराक्षी नदी पर राज्य के सबसे लंबे पुल का किया उद्घाटन

मयूराक्षी नदी पर बना पुल

नाम होगा शिबू सोरेन सेतु : सीएम हेमंत

- बोले- सड़क और पुल विकास की अहम कड़ी, कनेक्टिविटी का फायदा इलाके को मिलेगा
- दुमका को 23 सड़क परियोजनाओं की सौगात भी दी, गांव सीधे जिला मुख्यालय से जुड़ेंगे

कौशल आनंद। रांची/दुमका

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मयूराक्षी नदी पर निर्मित राज्य के सबसे लंबे पुल का उदघाटन सोमवार को दुमका जिले के कुमड़ाबाद में किया. उन्होंने इसके साथ ही 23 नयी सड़क परियोजनाओं की भी सौगात दी. इस मौके पर हेमंत सोरेन ने घोषणा की कि जनमानस की भावनाओं को देखते हुए पुल का नामकरण दिशोम गुरु शिबू सोरेन सेतु करने की सरकारी प्रक्रिया जल्द पूरी होगी. उन्होंने कहा कि सड़क और पुल विकास की अहम कड़ी होती है. इससे बहुआयामी विकास का रास्ता खुलता है.

कनेक्टिविटी जितनी बेहतर होगी. उतना ही फायदा उसे इलाके के रहने वालों को होता है. मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 3 अरब 91 करोड 41 लाख की लागत से 11 सड़कों का उद्घाटन और 1 अरब 43 करोड़ 26 लाख 5 हज़ार 500 रुपए की लागत से 12 सड़कों का शिलान्यास किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि मयूराक्षी नदी पर बने इस पुल से विकास को एक नई दिशा मिलेगी. इससे आवागमन सुलभ और आसान हो जाएगा. कई गांव का दुमका जिला मुख्यालय से सीधा संपर्क होगा. लोगों को आने-जाने में समय की बचत होगी. शिक्षा, रोजगार और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा. इलाके का सामाजिक- आर्थिक उत्थान होगा और पर्यटन के लिहाज से मील का पत्थर साबित होगा.

दुमका के लोगों को मिली पार्क की सौगात

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को दुमकावासियों को दुमका- बंदरजोरी जैव-विविधता पार्क की भी सौगात दी है. इस मौके पर उन्होंने लोगों से कहा कि यह पार्क आपका है. आप सपरिवार यहां नियमित रूप से आते रहें और पूरा मनोरंजन और आनंद लें. लेकिन, स्वच्छता के साथ इसकी खूबसूरती बनी रहे, इसमें पूरा सहयोग करें. आपके सहयोग से ही पार्क का रख-रखाव बेहतर तरीके से संभव हो पाएगा. उन्होंने कहा कि इस पार्क में जल्द कई और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी. मुख्यमंत्री ने पार्क में बच्चों के साथ सेल्फी भी ली. इस मौके पर कृषि मंत्री बादल, राजमहल सांसद विजय हांसदा, विधायक नलिन सोरेन, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे और दुमका जिले के उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे.

देवघर-गोड्डा में जमीन-शराब कारोबारियों से जुड़े 24 ठिकानों पर आईटी की छापेमारी

सौरभ सिंह। रांची

देवघर और गोड्डा जिले के 24 ठिकानों पर आईटी (इनकम टैक्स) की टीम ने सोमवार सुबह एकसाथ छापेमारी की, जो देर रात तक जारी रही. मामला चारुशिला ट्रस्ट और फलेरिया कोठी की जमीन खरीद-बिक्री के साथ शराब कारोबार से जुड़ा है.धनबाद और पटना इनकम टैक्स टीम ने जमीन और शराब कारोबार से जुड़े लोगों के देवघर व गोड्डा के ठिकानों पर एकसाथ दबिश दी.

स्टांप ड्यूटी में कम रकम दर्शा अधिक कमाई का पता चला : जानकारी के मुताबिक इनकम टैक्स विभाग को जमीन बिक्री मामले में सरकार को स्टांप ड्यूटी में कम रकम दर्शाते हुए अधिक पैसे कमाने के बारे में पता चला है. बिक्री योग्य जमीन के साथ-साथ बिना बिक्री वाली जमीन की खरीदारी में भी अधिक संपत्ति अर्जित करने को लेकर छापेमारी चल रही है.

देवघर में जमीन व रियल एस्टेट कारोबारी के ठिकाने

देवघर में जमीन कारोबारी बृजेश राय के जसीडीह स्थित तीन ठिकाने सियाराम हॉस्पिटल, संत फ्रांसिस हॉस्पिटल वाली गली स्थित राय के आवास और उसके सिमरिया स्थित आवास पर टीम ने रेड की है. इस मामले में देवघर के पूर्व मेयर बबलू खवाड़े, उमाशंकर सिंह, कारोबारी संजय मालवीय के कई ठिकानों पर भी छापेमारी हुई है. जिन ठिकानों को आईटी टीम खंगाल रही है, उनमें बबलू खवाड़े के होटल व अन्य ठिकाने भी शामिल हैं. संजय के होटल और उनके अपार्टमेंट में रेड हो रही है. मिले कागजात की जांच की जा रही है.

झामुमो नेता व कांट्रेक्टर मुकेश बजाज के ठिकानों पर भी दबिश

कोलकाता के सीए माखन सतनालीवाला के महेश मिश्रा के आवास बंपास टाउन में भी छापेमारी चल रही है. इसके अलावा गोड्डा के कांट्रेक्टर मुकेश बजाज के आवास के अलावा उनकी दुकान में भी छापेमारी के लिए टीम पहुंची है. झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता नंदकिशोर दास के यहां भी आईटी टीम ने छापेमारी की है. इन ठिकानों से आईटी टीम को कुछ दस्तावेज मिलने की पुष्टि हुई है.

पूछताछ में योगेंद्र तिवारी ने किए हैं कई खुलासे

ईडी की रिमांड में योगेंद्र तिवारी से पूछताछ में जो सूचनाएं मिली हैं, उसी के आधार पर उनसे जुड़े लोगों के यहां रेड हो रही है. रेड को योगेंद्र तिवारी से जोड़कर देखा जा रहा है. देवघर के नौलखा स्थित चारुशिला ट्रस्ट की जमीन और फलेरिया कोठी के पास की जमीन के अलावा शराब कारोबार से जुड़े लोगों के यहां रेड हो रही,जिसमें करोड़ों का लेनदेन हुआ. रेड में अवैध लेनदेन का पता चला, तो बाद में केस को ईडी भी टेकओवर कर सकती है.

ऊर्जा विभाग ने वित्त विभाग के अफसर के कारनामे पर उठाया कदम, दिया आदेश

परिजनों के नाम बना लाइसेंस होगा निरस्त

शुभम संदेश इंपैक्ट

विशेष संवाददाता। रांची

शुभम संदेश में 28 अक्टूबर को छपी खबर 'नियमों को ताक पर रखकर वित्त विभाग के अफसर ने पत्नी-मां के नाम से लाइसेंस रिन्यूअल कराया' का असर हुआ है.

ऊर्जा विभाग ने मुख्य विद्युत अभियंता अगम प्रसाद को पत्र लिख कर जनता इलेक्ट्रिकल्स के नाम से लाइसेंस रिन्यूअल एवं डाली गई निविदा को निरस्त करने का आदेश दिया है. विभाग के उपसचिव विनोद एक्का ने मुख्य अभियंता को लिखे पत्र में कहा है कि पार्टनरशिप फर्म मेसर्स जनता इलेक्ट्रिकल वर्क्स को निबंधन के लिए पूर्व में प्रोपराइटरशिप फर्म मेसर्स जनता इलेक्ट्रिकल वर्क्स के अनुभव प्रमाण पत्र की मान्यता पर विधि परामर्श के लिए अनुरोध किया गया है. मालूम हो कि विद्युत ठेकेदार सूचीकरण नियमावली 2008 के नियम-8 (ख) 6 के अनुसार दूसरी श्रेणी में सूचीकरण के लिए इच्छुक ठेकेदारों को किसी भी सरकारी में विद्युतीकरण कार्य का तीन लगातार वित्तीय वर्ष में कम से कम संतोषजनक 50 लाख रुपए का कार्य संपादन किए जाने का अनुभव प्रमाण पत्र देना होता है. इसके साथ ही किसी भी फर्म में किसी पार्टनर के एक्जिट होने अथवा नए पार्टनर की इंट्री होने के क्रम में रजिस्ट्रेशन ऑफ फर्म्स के कार्यालय के विहित प्रपत्र में आवेदन देना आवश्यक है.

रघुवर दास आज लेंगे राज्यपाल पद की शपथ

पुरी। मनोनीत राज्यपाल रघुवर दास सोमवार को ओडिशा पहुंचे और एक दिन बाद होने वाले शपथग्रहण समारोह से पहले पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में दर्शन किए. मंदिर में दर्शन करने के बाद दास ने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे ओडिशा के लोगों की सेवा करने का मौका मिला है. मैंने भगवान जगन्नाथ से वंचितों की सेवा करने की शक्ति देने का आशीर्वाद मांगा. राज्य का विकास प्राथमिकता है. ओडिशा का राजभवन 24 घंटे लोगों के लिए खुला रहेगा. ओडिशा के 26वें राज्यपाल के रूप में शपथ लेने से पहले वह मंगलवार सुबह लिंगराज मंदिर भी जाएंगे. शपथग्रहण समारोह पूर्वाह्न 11. 45 बजे पर शुरू होगा.

नया दौर घर की जिम्मेदारियां उठाने के साथ अपने सपने पूरे करने का भी रखा है लक्ष्य

एक युवा ने खोल दी आंख, जिसमें जोश के साथ खुद्दारी भी है

सीए शुभम अग्रवाल
चार्टर्ड अकाउंटेंट, मुंबई

आज का युवा खुद्दार ही नहीं स्वाभिमानी भी है. वह अपनी तमाम जिम्मेदारियां निभाते हुए अपने करियर और सपने को पूरा करने में जुटा है. मुंबई के चार्टर्ड अकांउटेंट शुभम अग्रवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर इसी तरह के एक युवक की एक प्रेरणादायी पोस्ट डाली है, जो खुद भी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के लिए पढ़ाई कर रहा है. इसे पढ़ कर बहुत लोग उस युवक की मदद के लिए आगे आए हैं. शुभम अग्रवाल की पोस्ट से साभार शुभम संदेश आपके लिए उनके लेख को हूबहू प्रकाशित कर रहा है. **आप भी अवश्य पढ़ें.**

मैंने आज एक एयरटेल सिम ऑर्डर किया और यह मेरे लिए सबसे प्रेरणादायक क्षणों में से एक बन गया. तो बात कुछ इस तरह है. मैंने सुबह ऑर्डर किया और लगभग 3 बजे, एयरटेल का एक युवा डिलीवरी एक्जीक्यूटिव आया!

उसने बहुत धैर्यपूर्वक मेरी सारी जानकारियां लीं और वेतनभोगी के रूप में मेरे रोजगार का विवरण भरते हुए मुझसे पूछा, आप-क्या करते हो सर ? जब मैंने उसे बताया कि मैं एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हूं, तो उसकी आंखें चमक उठीं! गर्व की भावना और थोड़ी घबराहट के साथ उसने कहा- सर मैं भी सीए कर रहा हूं, अभी फाउंडेशन (पहला प्रयास) होगा, आईपीसीसी के लिए भी तैयारी कर रहा हूं.

सच कहूं, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं किसी सीए छात्र से इस तरह मिलूंगा! यह पूरी तरह से भूल कर कि वह यहां किसलिए आया है, हमने उसकी परीक्षा और तैयारियों पर एक छोटी-सी खुल कर बातचीत की. मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ कि उसकी परीक्षा नवंबर 2023 में होने वाली है, इसका मतलब है कि उसकी परीक्षा के लिए मुश्किल से 3 दिन बचे हैं और वह अपनी नौकरी नहीं छोड़ सकता. मैंने उसकी आंखों में देखा, वह अब घबराया हुआ लग रहा था. उससे पूछा कि इतने व्यस्त शेड्यूल में पढ़ाई कैसे मैनेज कर रहे हो. थोड़ी मुस्कुराहट और बेबसी के साथ उसने कहा, सर वास्तव में थोड़े वित्तीय मुद्दे हैं, घर में मम्मी-पापा और छोटा भाई है तो ये काम नहीं छोड़ सकता, मुद्दा है पढ़ाई, तो मैं रात में जितना खींच पाता हूं उतना पढ़ लेता हूं. उसकी बात ने मुझे बहुत प्रभावित किया. यहां हम रोते रहते हैं कि हमें पढ़ाई के लिए समय नहीं मिल पाता है, यहां तक कि हम लोग तो पूरे 3 महीने की अध्ययन छुट्टी पर चले जाते हैं. और इस आदमी को तब भी काम करना पड़ रहा है, जब परीक्षाएं केवल 3 दिन दूर हैं.

मैं सचमुच थोड़ा भावुक हो गया और मेरा नंबर सेव कर लो, कुछ भी लगे तो कॉल करना के अलावा उससे कुछ भी नहीं कह सका.

जब मैं यह अभी लिख रहा हूं, तो सचमुच भावुक, आभारी और थोड़ा आत्मनिरीक्षणी हो गया हूं. आभारी महसूस कर रहा हूं कि पिछले 3 महीनों के दौरान मुझे परीक्षा के अलावा किसी और चीज की परवाह नहीं करनी पड़ी, और थोड़ा आत्मनिरीक्षण भी कर रहा हूं कि क्या मैं इस समय सभी संसाधनों के साथ अपने जीवन में पर्याप्त काम कर रहा हूं.

इस वास्तविक जीवन की कहानी को यहां रखने का विचार हमें अपने विशेषाधिकारों और समय के महत्व को समझने में मदद करना है. ताकि हम अपने विशेषाधिकारों और समय का सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करने के लिए अपने सभी प्रयासों को सही दिशा में लगा सकें.

-शेष पेज 10 पर

मराठा आंदोलन हुआ हिंसक दो विधायकों का घर फूंका

एजेंसी। मुंबई

भारी तोड़फोड़

- आरक्षण समर्थकों ने नपा भवन को भी आग लगाई
- दो विधायकों के घर और ऑफिस को निशाना बनाया

महाराष्ट्र के बीड जिले के माजलगाव से एनसीपी विधायक प्रकाश सोलंकी के आवास को आग के हवाले करने के शीघ्र बाद, मराठा आरक्षण कार्यकर्ताओं के एक समूह ने नगरपालिका भवन को आग लगा दी और तोड़फोड़ की.

पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटना में, आरक्षण समर्थकों ने संभाजी नगर के गंगापुर में भाजपा विधायक प्रशांत बांबे के दफ्तर में तोड़फोड़ की. इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. विधायक सोलंकी के घर को आग के हवाले करने के बाद, कार्यकर्ताओं का समूह माजलगाव नप परिषद भवन गया, वहां तोड़फोड़ की. घटना मुंबई से 400 किमी दूर माजलगांव में हुई है. उपद्रवी भवन की पहली मंजिल पर गए और उसे आग के हवाले कर दिया तथा वहां मौजूद फर्नीचर जला दिया. पुलिस इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि भवन को आग के हवाले करने वालों की पहचान हो सके. मामला दर्ज करने की प्रक्रिया भी जारी है. पुलिस ने बताया कि मराठा आरक्षण समर्थकों ने भाजपा विधायक बांबे के घर में फर्नीचर और खिड़कियों के कांच तोड़ डाले. हिंसा की ये घटनाएं ऐसे वक्त हुई, जब कार्यकर्ता मनोज जरांगे 25 अक्टूबर से आमरण अनशन कर रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

बीडीओ युनिका शर्मा को मिला सीओ का प्रभार

घाटशिला। प्रखंड विकास पदाधिकारी घाटशिला युनिका शर्मा को अंचल अधिकारी घाटशिला का अतिरिक्त प्रभार मिला है. रविवार को ही अंचलाधिकारी राजीव कुमार ने पदभार सौंप दिया था. राजीव कुमार को डीसीएलआर के रूप पदोन्नति करते हुए स्थानांतरण किया गया है. प्रखंड विकास पदाधिकारी युनिका शर्मा से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी का प्रभार मिला है. प्राथमिकता के आधार परकार्यों का निष्पादन करने का प्रयास करेंगे.

नगर निगम के नये प्रशासक ने दिया योगदान

आदित्यपुर। आदित्यपुर नगर निगम के नये प्रशासक आलोक कुमार ने सोमवार को अपराह्न 2 बजे नगर निगम में योगदान दिया. उनका पुराने प्रशासक गिरिजा शंकर प्रसाद ने स्वागत कर पदभार सौंपा. मौके पर नगर निगम के सभी सहायक प्रशासक, नगर प्रबंधक एवं कर्मी मौजूद रहे. पदभार ग्रहण करते ही प्रशासक आलोक कुमार ने मीडिया कर्मियों से कहा कि यहां उनकी पहली प्राथमिकता लंबित सरकारी योजनाओं को पूरा करना होगा.

पक्का नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास

मुसाबनी। मुसाबनी प्रखंड प्रमुख रामदेव हेंब्रम ने सोमवार को पंचायत प्रतिनिधियों के साथ गोहला पंचायत अंतर्गत फुलझरी गांव के खड़ियासाई टोला में पक्का नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास नारियल फोड़कर किया. गांव के नायके बाबा ने पूजा अर्चना किया. पंचायत समिति निधि से 249000 से नाला का निर्माण किया जायेगा. शिलान्यास कार्यक्रम में पंचायत समिति सदस्य वंदना पाल, मुखिया पर्वत हांसदा, पूर्व पंचायत समिति हरीपदो पाल, उप मुखिया इंद्रजीत भगत, वार्ड सदस्य हीरो बारी, निरंजन पाल उपस्थित थे.

व्यवहार न्यायालय का एसपी ने किया निरीक्षण

घाटशिला। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग द्वारा सोमवार को बार एसोसिएशन व न्यायिक दंडाधिकारी तथा जज के आवासीय कॉलोनी का निरीक्षण किया. उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. इस दौरान उनके साथ एसडीजेएम अमित आल्डा, घाटशिला थाना प्रभारी विमल किंडो, बार एसोसिएशन के महासचिव बबलू मुखर्जी सहित कई न्यायालय के कर्मचारी व अधिवक्ता ने सुरक्षा की दृष्टि से कई जानकारी अवगत कराया.

पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना का मिला लाभ

महुआडांड़ (लातेहार)। भारतीय स्टेट बैंक, महुआडांड़ के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ लाभुक को दिया गया. लिली आजीविका सखी_मंडल से जुड़ी स्वाति कुजूर की बीमारी से मौत हो गई थी. मृत्यु के बाद उसके पति सिलबियानुस कुजूर को बीमा क्लेम सेटलमेंट के तहत दो लाख रुपये राशि प्रदान किया गया. स्वाति टोप्पो का बीमा बैंक सखी द्वारा करवाया गया था. पत्नी की असमय मृत्यु के बाद तकनीकी कारणों से बार - बार बीमा दावा रिजेक्ट हो जा रहा था.

अधिवक्ता के परिजनों को संघ ने सौंपी राशि

लातेहार। व्यवहार न्यायालय, लातेहार में प्रैक्टिसरत अधिवक्ता सूरजदेव दुबे का निधन बीते दिनों हो गया था. उनके निधन पर जिला अधिवक्ता संघ ने उनकी पत्नी पूनम देवी को एक लाख रूपये की नगद राशि प्रदान की. सोमवार को अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अधिवक्ता राजमणि प्रसाद व सचिव वृंद कुमार ने उनके डुडंगी स्थित आवास में पहुंच कर श्रीमती देवी को नगद राशि प्रदान किया. उन्होंने सूरजदेव दुबे के निधन पर शोक प्रकट किया. मौके पर अनिल प्रजापति समेत दिवंगत अधिवक्ता के परिजन उपस्थित थे.

सिरका ग्राम में विभिन्न मुद्दों को लेकर ग्रामसभा

मनोहरपुर। मनोहरपुर प्रखंड के कोलपोटका पंचायत अंतर्गत ग्राम सिरका में मुंडा विजय तांती की अध्यक्षता में ग्राम सभा की बैठक हुई. जिसमें गांव की विभिन्न समस्याओं समेत निम्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया. बैठक में विशेष रूप से गांव में मोबाइल टावर स्थापित करने के अलावा स्वास्थ्य सेवा,स्कूली बच्चों का ऑनलाइन पढ़ाई लिखाई, शिक्षकों का अटेंडेंस, पीडीएस से संबंधित व आंगनबाडी.केंद्र द्वारा टीकाकरण, स्वास्थ्य सेवा, 108 एंबुलेंस सेवा आदि विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई.

टाटा मोटर्स के कर्मचारियों की बढ़ सकती है परेशानी, आवास को घोषित किया गया असुरक्षित

क्वार्टर खाली करने का मिला नोटिस, मचा हड़कंप

संवाददाता।जमशेदपुर

टाटा मोटर्स प्रबंधन ने टेल्को कॉलोनी स्थित आजाद मार्केट के आसपास के कंपनी के 150 क्वार्टरों को तोड़ने को लेकर कर्मचारियों को क्वार्टर को खाली करने के लिए नोटिस जारी किया है. नोटिस में कहा गया कि पुराना क्वार्टर होने की वजह से प्लास्टर, कंक्रीट अचानक गिरने की आशंका को देखते हुए इन आवास को असुरक्षित घोषित किया गया है. वहीं दिवाली व छठ पूजा के बीच टाउन प्रशासन द्वारा जारी किए गए नोटिस से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है. हाल ही में दूसरी जगह से यहां शिफ्ट करने वाले कर्मचारी ज्यादा परेशान दिख रहे हैं. छठ पूजा को लेकर जिन कर्मचारियों ने अपने घर की रंगाई-पुताई कराई है, अब वे क्वार्टर छोड़ने में परेशानी महसूस कर रहे हैं. प्रबंधन द्वारा इन क्वार्टरों को रहने के लिए खरतनाक बताया है. सुरक्षा के दृष्टिकोण से कर्मचारियों को क्वार्टर खाली करने को कहा गया है. इन क्वार्टरों को प्रबंधन ने चिह्नित कर तोड़ने की योजना बनाई है. नोटिस में कर्मचारियों को सात दिन में दूसरी जगह वैकल्पिक आवास का चयन करने के लिए नगर प्रशासन विभाग से संपर्क करने के लिए कहा गया है. प्रबंधन ने कर्मचारियों को 30 दिन के अंदर आवास खाली करने को कहा है.

टाटा मोटर्स का सांकेतिक फोटो.

खास बातें

- आजाद मार्केट के पास कंपनी के 150 क्वार्टरों को जाएगा तोड़ा
- पर्वों के बीच टाउन प्रशासन द्वारा जारी किए गए नोटिस

प्रबंधन ने कहा- क्वार्टर काफी पुराने व असुरक्षित हैं

इस संबंध में कंपनी प्रबंधन ने बताया कि ये क्वार्टर काफी पुराने है व रहने के लिए असुरक्षित है. वहीं टाटा मोटर्स में कर्मचारियों के कम होने के कारण इस क्षेत्र में कई क्वार्टर खाली पड़े हुए हैं. जहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है. इसलिए इन क्वार्टरों को सुरक्षा के दृष्टि से खतरनाक घोषित करते हुए तोड़ने का निर्णय लिया गया है. वहीं इन क्वार्टरों में रहने वालों कर्मचारियों को इससे बड़े क्वार्टर दिया जा रहा है. यह कंपनी का रुटीन कार्य है. इसमें कुछ भी नया नहीं है.

आओ जानें

समान्य ज्ञान

हमजैन साहित्य के अनुसार कितने जैन तीर्थंकरों को पारसनाथ की पहाड़ी से मोक्ष की प्राप्ति हुई थी ?

– 20

सम्मेद शिखरजी पहाड़ी झारखंड के किस जिले में स्थित है ?

– गिरीडीह

किस इतिहासकार के अनुसार झारखंड क्षेत्र चन्द्रगुप्त मौर्य के साम्राज्य में शामिल था ?

– आर. रामशास्त्री

अशोक के किस शिलालेख में झारखंड क्षेत्र का उल्लेख है ?

– 13 वें

किस साहित्य में झारखंड क्षेत्र के लिए कुकुरदेश शब्द का प्रयोग किया गया है ?

– अर्थशास्त्र

झारखंड राज्य किस क्षेत्र से इंडोसीथियम सिक्के प्राप्त हुए हैं ?

– चाईबासा

किस गुप्त शासक ने झारखंड क्षेत्र में अपना विजय अभियान चलाया था ?

– समुद्रगुप्त

ह्वेनसांग के अनुसार किसने संपूर्ण झारखंड क्षेत्र पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया था ?

– शशांक

ड्यूटी घंटा बढ़ाने का विरोध, ओवरटाइम व नाइट ड्यूटी के आदेश में विरोधाभास

लोको पायलट का प्रदर्शन

प्रदर्शन करते लोको पायलट.

संवाददाता। जमशेदपुर

रेलवे सेफ्टी नियम के खिलाफ ड्यूटी का घंटा बढ़ाने से आक्रोशित लोको पायलटों ने सोमवार को टाटानगर स्टेशन परिसर स्थित गार्ड व क्रू लॉबी के बाहर जमकर प्रदर्शन किया. लोको पायलट ड्यूटी का घंटा बढ़ाने का विरोध कर रहे थे. ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने बताया कि रेलवे दिनों दिन मनमानी कर रही है. ड्यूटी समय में बदलाव से मालगाड़ियों और एक्सप्रेस ट्रेनों में ड्यूटी करने वाले लोको पायलट के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. ओवरटाइम व नाइट ड्यूटी सभी तरह के आदेश में विरोधाभास है. रेलवे को तत्काल व्यवस्था में सुधार करना चाहिए. मालूम हो कि रेल चक्रधरपुर मंडल रेल मुख्यालय से कुछ दिनों पूर्व रनिंग कर्मचारियों के लिए नयी गाइडलाइन जारी हुई थी, जिसको लेकर लोको पायलट में आक्रोश है.

खास बातें

- ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन है नाराज
- कुछ दिनों पूर्व रनिंग कर्मचारियों के लिए नयी गाइडलाइन जारी

बिसरा स्टेशन पर आंदोलन को लेकर कई ट्रेनों का रूट डायवर्ट

जमशेदपुर। चक्रधरपुर रेल मंडल के बिसरा स्टेशन पर यात्री ट्रेनों के ठहराव को लेकर सुबह से ही आंदोलन किया गया. इसको लेकर रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द करने का फैसला लिया है. वहीं कई ट्रेनों के रूट में बदलाव और कई को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है. रेलवे ने ट्रेन नंबर 18109 टाटा–ईतवारी एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 08107/08108 राउरकेला–चक्रधरपुर–राउरकेला पैसेंजर और ट्रेन नंबर 08163/08164 चक्रधरपुर–राउरकेला–चक्रधरपुर को रद्द कर दिया है. वहीं ट्रेन नंबर 18110 ईतवारी–टाटा एक्सप्रेस को शॉर्ट टर्मिनेट कर दिया गया है. ट्रेन नंबर 22862 को राउरकेला में शॉर्ट टर्मिनेट कर दिया गया है. यह ट्रेन राउरकेला से पैसेंजर बनकर टिटलागढ़ तक जाएगी. इसके अलावा ट्रेन नंबर 12871 हावड़ा–टिटलागढ़ इस्पात एक्सप्रेस चक्रधरपुर में शॉर्ट टर्मिनेट की गई. यह ट्रेन नंबर 22862 बनकर चक्रधरपुर से वापस हावड़ा के लिए चलेगी.

इन ट्रेनों के रूट में बदलावः रेलवे ने ट्रेन नंबर 12833 अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस के रूट में बदलाव किया गया है. यह ट्रेन राउरकेला से डायवर्ड होकर हाटिया, मुरी, पुरुलिया, चांडिल होते हुए टाटानगर पहुंचेगी. वहीं ट्रेन नंबर 12859 मुंबई-हावड़ा गीतांजलि एक्सप्रेस भी राउरकेला से डायवर्ड होकर हटिया, मुरी, पुरुलिया, चांडिल होते हुए टाटा पहुंची. ट्रेन नंबर 18477 पुरी-ऋषिकेष उत्कल एक्सप्रेस राजखरसावां-जरौली-नयागढ़-झारसुगुड़ा होते हुए चली. इसके अलावा ट्रेन नंबर 18478 ऋषिकेष-पुरी उत्कल एक्सप्रेस राउरकेला-हाटिया-मुरी-पुरुलिया-चांडिल होते हुए टाटा पहुंचेगी.

अब रेलवे कर्मचारियों को प्राइवेट मेडिकल सर्टिफिकेट पर नहीं मिलेगी छुट्टी

जमशेदपुर। त्योहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी है. ऐसे में रेलवे के कई कर्मचारी छुट्टी के लिए अर्जी देते हैं. पर अब रेलवे कर्मचारी प्राइवेट मेडिकल सर्टिफिकेट पर छुट्टी नहीं ले सकते. इसको लेकर चक्रधरपुर मंडल के असिस्टेंट पर्सनल ऑफिसर ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है. जिन्हें छुट्टी मिली वे परिवार के साथ त्योहार मनाते हैं, लेकिन जिन्हें छुट्टी नहीं मिली, वे छुट्टी पर जाने के लिए दूसरा उपाय अपनाते हैं. रेल प्रशासन ने आदेश जारी करते हुए 31 दिसंबर 2023 तक ऐसी सभी प्राइवेट मेडिकल सर्टिफिकेट पर रोक लगा दी है. अब यदि संबंधित अवधि के अंदर कोई कर्मचारी बीमार होते हैं, तो उन्हें रेलवे अस्पताल में जाकर इलाज कराना होगा और रेल अस्पताल के डॉक्टर की सलाह को ही मानना होगा. चक्रधरपुर मंडल में लगभग 5200 कर्मचारी हैं जिन पर उक्त आदेश प्रभावी रहेगा.

नौ घंटे बाद रेल चक्का जाम समाप्त

संवाददाता। मनोहरपुर

चक्रधरपुर रेलमंडल के हावड़ा-मुंबई मुख्य रेल मार्ग पर बिसरा स्टेशन पर ग्रामीणों ने सोमवार सुबह 6:45 से रेल चक्का जाम कर दिया. रेल चक्का जाम नौ घंटे तक जारी रहा. दोपहर 3:30 बजे रेल अधिकारियों से वार्ता के बाद खत्म हुआ. नौ घंटे के बाद पुनः हावड़ा-मुंबई मुख्य रेल मार्ग पर रेल परिचालन शुरू किया गया. बिसरा स्टेशन पर कोरोना काल से बंद एक्सप्रेस, पैसेंजर यात्री ट्रेनों के ठहराव को लेकर रेल चक्का जाम कर किया गया.

ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर रेलवे ट्रैक पर बैठ गए. नेतृत्वकर्ताओं से रेल प्रशासन के अधिकारियों की वार्ता हुई. रेल अधिकारियों ने मांग को गंभीरता से लिया है. अधिकारियों ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए डेढ़ माह का समय लिया है. इस आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने रेल चक्का जाम धरना-प्रदर्शन खत्म कर दिया. रेल चक्का जाम करने वाले नेतृत्वकर्त्ताओं ने कहा कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो पुनः रेल चक्का जाम किया जाएगा. इसके बाद साउथ इस्टर्न रेल जोन रूट में रेल यातायात परिचालन पुनः शुरू किया गया. रेल चक्का जाम खत्म होने के बावजूद विधिव्यवस्था को लेकर रेल सुरक्षा बल के जवान वहां मौजूद हैं. रेल चक्का जाम के कारण रेलवे को कई ट्रेनों का रूट डायवर्ट करना पड़ा और कई को शॉर्ट टर्मिनेट करना पड़ा.

दक्षिण भारत के कई धार्मिक स्थलों का दर्शन कराएगा रेलवे

रोहित कुमार।जमशेदपुर

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) लोगों को 11 से 22 दिसंबर तक तिरुपति और रामेश्वरम के साथ दक्षिण भारत के विभिन्न धार्मिक स्थलों का दर्शन कराएगी. यह ट्रेन तिरुपति, मीनाक्षी मंदिर, रामेश्वरम, कन्या कुमारी, त्रिवेंद्रम और मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का भ्रमण कराएगी. यह ट्रेन 11 दिसंबर को मालदा टाउन से धनबाद, रांची, बोकारो व राउरकेला होकर चलेगी. यात्री इन स्टेशनों से ट्रेन में चढ़ सकते हैं. आईआरसीटीसी के अनुसार टाटानगर के तीर्थ यात्री राउरकेला से भारत गौरव ट्रेन पर सवार हो सकते हैं. भारत गौरव ट्रेन की तीन श्रेणियों के कोच में 600 यात्री सवार हो सकते हैं. यात्रा के दौरान बेहतर खानपान व रहने के साथ चिकित्सीय सुविधा भी यात्रियों को आईआरसीटीसी मुहैया कराएगी.

टिकट को तीन क्लास में बांटा गया है : इस ट्रेन के लिए टिकट को तीन क्लास में बांटा गया है. इकोनॉमी, जिसमें स्लीपर क्लास से यात्रा होगी. इसके लिए 22,750 रुपये प्रति व्यक्ति किराया लगेगा. स्टैंडर्ड, जिसमें थर्ड एसी क्लास में यात्रा होगी और इसका किराया 36,100 रुपये प्रति व्यक्ति होगा, जबकि कंफर्ट के लिए 39,500 रुपये प्रति व्यक्ति देने होंगे. यह ट्रेन 22 दिसंबर को वापस होगी. बुकिंग के लिए आरआरसीटीसी टूरिज्म की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं.

एडीआरएम ने किया दुर्घटना राहत यान का निरीक्षण

गोमो। धनबाद रेल मंडल के एडीआरएम विनीत कुमार ने सोमवार को गोमो रेलवे के सिक लाइन यार्ड में दुर्घटना राहत यान का निरीक्षण किया. उन्होंने यान के भीतर रखी तकनीकी मशीनों का बारी-बारी से निरीक्षण कर उसकी गुणवत्ता व उसके रखरखाव की जानकारी ली. संबंधित कर्मचारियों से मशीनों की कार्य प्रणाली से अवगत हुए. दुर्घटना कार्य में सभी मशीन के सही तरीके से कार्य करने में सक्षम होने की बात बताई गयी. मशीनों की पड़ताल कर उनकी गुणवत्ता से अवगत हुए. जेनरेटर की मेंटेनेंस की क्या स्थिति है, इससे भी अवगत हुए. मौके पर एडीआरएम विनीत कुमार ने कहा कि रूटीन निरीक्षण है. मौके पर धनबाद रेल मंडल के डीएसओ अभिनव सिद्धार्थ, एईएन गोमो शुभम पटेल, गोमो आरपीएफ इंस्पेक्टर संतोष कुमार झा, विद्युत फोरमैन अजय कुमार साह सहित अन्य रेलवे के अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

सीओ ने श्याम फ्यूल्स व सक्षम उद्योग रिफैक्ट्री का लिया जायजा

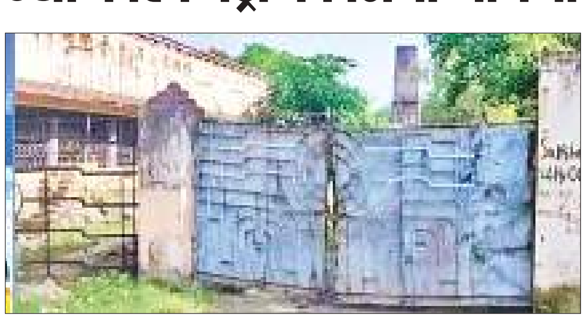

संवाददाता।निरसा

निरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत मुगमा स्टेशन रोड स्थित श्याम फ्यूल्स व सक्षम उद्योग रिफैक्ट्री का सोमवार को एग्यारकुंड के सीओ कृष्ण कुमार मरांडी ने निरीक्षण किया. इस संबंध में मीडिया को जानकारी देते हुए सीओ कृष्ण कुमार मरांडी ने बताया कि वरीय पदाधिकारी द्वारा मुगमा स्थित श्याम फ्यूल्स और सक्षम उद्योग रिफैक्ट्री की जांच का आदेश आया था. इसमें सूचना मिली थी कि इन दोनों रिफैक्ट्री में अवैध कोयले का संचालन कारोबार चल रहा है, जिसके आलोक में जांच की गई है. जांच में फिलहाल वैसा कुछ नहीं पाया गया है. रिपोर्ट वरीय पदाधिकारी को सौंपी जाएगी. सीओ ने कहा कि अगर क्षेत्र में किसी भी तरह के अवैध कोयले का कारोबार या अवैध कोयला से भट्ठा का संचालन हो रहा है तो सूचना मिलने पर वैसे रिफैक्ट्री और मालिक पर कार्रवाई की जाएगी. क्षेत्र में किसी भी हाल में अवैध कोयले का खेल नहीं चलने दिया जाएगा.

20 आदिवासी युवक-युवतियां जम्मू-कश्मीर के लिए हुए रवाना

गिरिडीह। 15वीं जनजाति युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की सातवीं बटालियन के तत्वाधान में 20 युवक-युवतियों के तीसरे बैच को जम्मू-कश्मीर भेजा गया. इसमें 10 युवक व 10 युवतियां शामिल हैं. केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल व नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम 2 से 8 नवंबर तक जम्मू में चलेगा. कार्यक्रम के तहत नक्सल प्रभावित राज्यों के आदिवासी युवक व युवतियों को देश के चुनिंदा शहरों में भ्रमण कराकर कला व संस्कृति की जानकारी दी जाती है. 15वीं जनजाति युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि युवक-युवतियों का ध्यान विभिन्न विकास गतिविधियों, कौशल विकास, शैक्षिक और रोजगार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करना है. साथ ही देश के विभिन्न राज्यों में हो रही तकनीकी और औद्योगिक उन्नति को आदिवासी युवक व युवतियों के समक्ष उजागर करना है.

प्रोजेक्ट का कार्य 40 फीसदी पर अटका, रद्द हो सकते हैं लाभुकों के आवंटन

निर्माणाधीन पीएम आवास प्रोजेक्ट्स का कार्य रुका

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर के काशीडीह में निर्माणाधीन पीएम आवास प्रोजेक्ट्स का कार्य रुका पड़ा है. इसकी वजह पीएम आवास के लाभुकों द्वारा अपना अंशदान जमा नहीं करना है. इसकी जानकारी देते हुए पीएम आवास (शहरी) के नोडल अधिकारी सह नगर प्रबंधक कुलदीप सिंह ने बताया कि यह योजना लाभुकों के अंशदान से ही पूरे होने हैं, लेकिन कुल 780 लाभुकों में से अब तक महज 78 लाभुकों ने ही रजिस्ट्रेशन के 5 हजार और आवंटन के 20 हजार रुपये के साथ अंशदान की पहली किश्त 90 हजार रुपये जमा किए हैं. उन्होंने बताया कि लाभुकों ने जितनी राशि जमा की है, उससे कहीं अधिक कार्य संपन्न हुए हैं.

उन्होंने बताया कि पिछले दिनों दशहरा के समय ही प्रोजेक्ट का जायजा लेने दिल्ली से केंद्रीय टीम आई थी, जिन्होंने प्रोजेक्ट की प्रगति पर चिंता प्रकट करते हुए अब लाभुकों के प्रति सख्ती दिखाने के साथ उन्हें नोटिस जारी करने और नोटिस के बावजूद अंशदान नहीं देने पर उनके जमा राशि जब्त करते हुए आवंटन रद्द करने का निर्देश दिया है. उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट का अभी करीब कार्य 40 फीसदी कार्य हुआ है, लेकिन पैसे के अभाव में संवेदक ने कार्य रोक दिए हैं. बता दें कि आदित्यपुर में दो चरणों में बेघरों के लिए 6000 आवास पीएम आवास योजना के तहत बनने हैं, लेकिन लाभुकों की उदासीन रवैये की वजह से पहले चरण में मात्र 780 आवास बनाए जा रहे हैं.

निर्माणाधीन पीएम आवास और निरीक्षण करती केंद्रीय टीम.

खास बातें

- कई लाभुक जमा नहीं कर रहे हैं अंशदान
- पिछले दिनों केंद्रीय टीम ने दिए थे सख्त निर्देश

आक्रोश | क्षेत्र में अवैध शराब का धंधा भी फल-फूल रहा, बेगुनाहों को भी किया जा रहा तंग

ग्रामीणों का आरोप : उत्पाद विभाग करा रहा अवैध वसूली

सुनील कुमार।लातेहार

उत्पाद विभाग दलालों के माध्यम से जिला मुख्यालय में अवैध वसूली करा रहा है. यह आरोप कई ग्रामीणों ने लगाया है. ग्रामीणों का कहना है जिला मुख्यालय में उत्पाद विभाग ने कई युवकों को वसूली में कमीशन देने की बात पर बहाल किया है. कमीशन के लालच में युवक क्षेत्र में घूम-घूम कर अवैध शराब बेचने वालों की सूची तैयार कर रहे हैं. विभाग उसी सूची के आधार पर कार्रवाई कर रहा है. लोगों का कहना है कि जो कभी शराब के अवैध धंधे में नहीं रहे हैं, उन्हें भी उत्पाद विभाग इन युवकों के कहने पर परेशान किया जा रहा है.

उत्पाद अधीक्षक प्रदीप कु. सिन्हा.

खास बातें

- उत्पाद अधीक्षक ने सभी आरोपों को किया खारिज
- कहा– फर्जी लोगों को पकड़कर थाना को करें सुपुर्द
- कमीशन के लालच में युवक क्षेत्र में घूमकर कर रहे काम

क्या कहते हैं उत्पाद अधीक्षक

उत्पाद अधीक्षक प्रदीप कुमार सिन्हा से इस संबंध में पूछे जाने पर कहा कि यह फर्जी लोगों का काम है. ग्रामीणों को वैसे फर्जी लोगों को, जो अपने को उत्पाद विभाग का कर्मी या सहयोगी बताकर अवैध वसूली कर रहे हैं, पकड़ कर विभाग को या थाना को सुपुर्द करना चाहिए. सिन्हा ने कहा कि जब तक क्षेत्र में जागरुकता नहीं आयेगी, तब तक दलालों की ऐसी हरकत जारी रहेगी. उन्होंने कहा कि वे उत्पाद विभाग के अपने मातहत अधिकारियों कर्मचारियों को सचेत कर चुके हैं. वैसे युवकों को चिन्हित कर उन पर कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दे चुके हैं.

अवैध शराब का धंधा नहीं करने वाले को भी डराया-धमकाया जाता

ग्रामीणों का आरोप है कि दलाली के लिए रखे गये युवक लोगों को डरा धमकाकर अवैध वसूली कर विभागीय अधिकारियों को मोटी रकम पहुंचा रहे हैं. बताया जाता है कि उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने दलालों को टारगेट फिक्स कर दिया है. ये लोग प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों में घूम कर लोगों की सूची बनाकर विभागीय अधिकारियों को भेजते हैं. जो पैसा देने से इनकार करते हैं उनकी दुकानों में छापेमारी कराई जाती है. जो इस धंधे में नहीं हैं, उन्हें भी डराया धमकाया जाता है कि पैसा दें, अन्यथा उसे भी अवैध शराब के मुकदमे में फंसा दिया जायेगा. बता दें कि क्षेत्र में कई स्थानों पर कुछ लोग अवैध शराब बेचने का धंधा करते हैं.

नगर पंचायत कार्यालय की शोभा बढ़ा रही है नाव

संवाददाता। चाकुलिया

चाकुलिया नगर पंचायत के कमरीगोड़ा के पास स्थित पक्का घाट तालाब में नौका विहार के लिए नगर पंचायत प्रशासन द्वारा खरीदी गई दो नाव शोभा की वस्तु बन कर रह गई है. एक नाव नगर पंचायत कार्यालय के बाहर पड़ी हुई है तो दूसरी पक्का घाट तालाब में डूबी पड़ी है. नगर पंचायत की लापरवाही से पक्का घाट तालाब में नौका परिचालन शुरू नहीं हो सका है.

जानकारी के मुताबिक नगर पंचायत के तहत 60 लाख की लागत से पक्का घाट तालाब का सौंदर्यीकरण हुआ था. विगत 31 दिसंबर को स्थानीय विधायक समीर कुमार मोहंती ने पक्का घाट तालाब में नाव पर चढ़कर नौका विहार का उद्घाटन किया था. उसके बाद से दोनों नाव बेकार पड़ी हुई है. विगत 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दोनों नाव पक्का घाट तालाब ले जायी गईं और विधायक ने नाव पर चढ़कर तालाब के बीच राष्ट्रीय ध्वज फहराया था. इसके कुछ दिनों बाद एक नाव तालाब में डूब गई और दूसरी नगर पंचायत कार्यालय परिसर में लाकर रख दी गई है. इसके पूर्व दोनों नाव टाउन हॉल परिसर में पड़ी हुई थीं.नगर पंचायत प्रशासन पक्का घाट तालाब में नाव परिचालन शुरू करने की दिशा में उचित पहल नहीं कर रहा है.

ब्रीफ खबरें

विभिन्न मुद्दों को लेकर की गई ग्राम सभा

मनोहरपुर । मनोहरपुर प्रखंड के कोलपोटका पंचायत अंतर्गत ग्राम सिरका में मुंडा विजय तांती की अध्यक्षता में ग्राम सभा की बैठक हुई. जिसमें गांव की विभिन्न समस्याओं समेत निम्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया.बैठक में विशेष रूप से गांव में मोबाइल टावर स्थापित करने के अलावा स्वास्थ्य सेवा, स्कूली बच्चों का ऑनलाइन पढ़ाई लिखाई, शिक्षकों का अटेंडेंस, पीडीएस से संबधित एवं आंगनबाडी. केंद्र के द्वारा टिकाकरण. स्वास्थ्य सेवा,108 एंबुलेंस सेवा आदि विभिन्न विंदुओं पर चर्चा हुई.

झामुमो का प्रशिक्षण शिविर 5 नवंबर को

चाईबासा । सदर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत झींकपानी प्रखंड के चांदीपी फुटबाल मैदान में 5 नवंबर को झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी का प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण शिविर सह सदस्यता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. झामुमो प्रखंड समिति ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है. कार्यक्रम का सफल आयोजन के लिए सोमवार को झींकपानी स्थित झामुमो कार्यालय में विधायक दीपक बिरुवा की उपस्थिति में तैयारी समिति की बैठक हुई. बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई.

कॉलेज खुलने की मांग की , आजसू का धरना

लातेहार । लातेहार में डिग्री कॉलेज भवन का उद्घाटन होने के बावजूद भी पढ़ाई चालू नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है. यह छात्रों के साथ धोखा है. उक्त बातें आजसू जिला अध्यक्ष अमीत कुमार पांडेय ने आजसू जिला कार्यालय में आयोजित एक बैठक में कही. उन्होंने कहा कि फरवरी 0में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लातेहार में एक डिग्री कॉलेज और एक महिला डिग्री कॉलेज के भवन का दो दिवसीय दौरे के क्रम में उद्घाटन किया था. लेकिन उद्घाटन के आठ माह बीत जाने के बाद भी कॉलेज में पढ़ाई शुरू नहीं हो पायी.

भड़क गए विधायक नहीं किया शिलान्यास

घाटशिला । घाटशिला प्रखंड अंतर्गत बांकी पंचायत में 15वें वित्त आयोग मद से स्वास्थ्य प्रक्षेत्र द्वारा स्वीकृत स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य का सोमवार को शिलान्यास करने पहुंचे विधायक रामदास सोरेन ने शीला पट पर अंकित जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू का नाम देखते भड़क उठे. वे इतना नाराज हुए कि बिना शिलान्यास किया ही वापस लौट गए. वहां उपस्थित कार्यकर्ता एवं संवेदक के लोग उनकी नाराजगी को देखते रह गए. नाराजगी के संबंध में उनसे पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि संवेदक तथा विभाग के द्वारा पोटोकॉल का पालन नहीं किया है.

आंबेडकराइड पार्टी की प्रखंड कमेटी गठित

चांडिल । आंबेडकराइड पार्टी ऑफ इंडिया के सरायकेला-खरसावां जिलाध्यक्ष रूपाय माझी की अध्यक्षता में सोमवार को संगठन की बैठक नीमडीह प्रखंड के आदरडीह सामुदायिक भवन में हुई. बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के झारखंड प्रदेश सचिव लाल माझी, विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रदेश सह सचिव विश्व विजय माझी व सम्मानित अतिथि के रुप में पश्चिम सिंहभूम लोकसभा प्रभारी राम हरि गोप उपस्थित थे. मौके पर पार्टी के नीति-सिद्धांत के साथ आगामी लोकसभा और विधान सभा चुनाव पर चर्चा कर प्रखंड कमेटी का गठन किया गया.

विधायक ने किया पुल का शिलान्यास

संवाददाता । बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र की सलैया पंचायत और प्लस टू हाई स्कूल बरकट्ठा को जोड़ने वाली मानसिंघा नदी पर पुल की आधारशिला सोमवार को विधायक अमित कुमार यादव ने रखी. इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग की ओर से मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत बरसोती नदी पर पुल का निर्माण किया जाएगा. इस पुल के निर्माण से दर्जनों गांवों के लोगों को भी आवागमन में काफी सहूलियत होगी. साथ ही एनएच-33 जीटी रोड सीधे जुड़ जाएगा. इससे बरकट्ठा साप्ताहिक बाजार में ट्रैफिक जाम और प्रदूषण समस्या से भी लोगों को राहत मिलेगी.

खोरीमहुआ स्थित बरजो पार्टी कार्यालय में भाजपा नेता ने कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

बहुमत की सरकार बनानी है, तैयारी में जुट जाएं: लक्ष्मण सिंह

संवाददाता । खोरीमहुआ (गिरिडीह)

भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने कार्यकर्ताओं से अभी से ही आगामी चुनाव की तैयारी में जुट जाने को कहा. उन्होंने कहा कि चुनाव में अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं. इसलिए अभी से ही सबको मिलकर मेहनत करनी होगी. प्रदेश में इस बार बहुमत की सरकारी बनानी है, जिसके लिए सबको कड़ी मेहनत करनी होगी. केंद्र सरकार की योजनाओं से लोगों को अवगत कराएं. भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह सोमवार को खोरीमहुआ के बरजो स्थित पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही. उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारी को लेकर जगह-जगह बैठक करनी होगी. ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी के उद्देश्यों से अवगत कराना होगा. बैठक के बाद श्री सिंह ने लोगों की कार्यकर्ताओं की समस्याओं को भी गंभीरता से सुना और उसे दूर करने का आश्वासन दिया.

खास बातें

- लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं से अवगत कराएं
- लोगों की समस्याएं सुनें और दूर कराने का प्रयास करें
- हेमंत सरकार की गलतियों से लोगों को अवगत कराएं

लोगों की शिकायतें सुनी

इस दौरान धनवार प्रखंड की एक महिला ने ससुराल से निकाले जाने की शिकायत की. कहा गया कि चार वर्ष पूर्व उसकी शादी चतरा के ईटखोरी में हुई थी. एक साल बाद ही उसके पति ने उसे घर से बाहर निकाल दिया. अपनी बेटी के साथ वह अपने मायके में रह रही है. उसे बहुत सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

वहीं कोड़ाडीह की एक युवती ने अपनी समस्या रखते हुए कहा कि एक माह पूर्व कॉलेज से घर लौटने के दौरान एक बाइक सवार ने उसे धक्का मार दिया था. दुर्घटना के बाद उसके एक पैर का कुछ भाग डॉक्टर ने काट दिया. धक्का मारनेवाले ने इलाज का खर्च देने की बात कही थी, मगर वह अब मुकर गया. लक्ष्मण सिंह ने शिकायत सुनने के बाद इस मामले को गंभीरता से लेने का आश्वासन दिया. बैठक में अशोक राम, सरफराज अहमद, अरविंद सिंह, श्याम सिंह, सूरज कुमार, वीरेंद्र राम, अभिषेक मिश्रा समेत कई अन्य मौजूद थे.

आओ जानें

चक्रधरपुर सीट से झारखंड विधानसभा पहुंचने वाले विधायक

वर्ष	राजनीतिक दल	दल
2000	चुमनू उरांव	भाजपा
2005	सुखराम उरांव	झामुमो
2009	लक्ष्मण गिलुवा	भाजपा
2014	शशिभूषण सामाड़	झामुमो
2019	सुखराम उरांव	झामुमो

मुख्यमंत्री ने मयूराक्षी नदी पर नवनिर्मित पुल का किया उद्घाटन

सबको पूरे मान-सम्मान के साथ हक देंगे : हेमंत

विशेष संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को दुमका जिले के कुमड़ाबाद में मयूराक्षी नदी पर नवनिर्मित राज्य के सबसे लंबे पुल का उद्घाटन किया. इसके साथ ही उन्होंने 23 नई सड़क परियोजनाओं की भी सौगात दी. उन्होंने कहा कि पुल विकास की अहम कड़ी होती है. इससे बहुआयामी विकास का रास्ता खुलता है. कनेक्टिविटी जितनी बेहतर होगी, उतना ही फायदा उस इलाके के रहने वालों को होता है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को उनका हक और अधिकार पूरे मान-सम्मान के साथ देने के लिए सरकार संकल्पित है. इस कड़ी में एक बार फिर आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का तीसरा चरण शुरू होने जा रहा है. अधिकारी आपके दरवाजे पर आएंगे. पंचायत में शिविर लगेंगे. यहां आपकी समस्याओं का समाधान भी होगा और सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा. समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है. इस मौके पर कृषि मंत्री बादल, सांसद विजय हांसदा, विधायक नलिन सोरेन, सीता सोरेन, जॉयस बेसरा, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, पथ निर्माण सचिव सुनील कुमार, प्रमंडलीय आयुक्त लालचंद दादेल, पुलिस उपमहानिरीक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल और जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे.

खास बातें

- नवनिर्मत पुल राज्य का सबसे लंबा पुल है
- 23 सड़क परियोजनाओं की सौगात भी दी
- पंचायत शिविर में समस्याओं का समाधान होगा

आप अपने बच्चे- बच्चियों को पढ़ाएं, खर्च सरकार देगी

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से कहा कि वे अपने बच्चे बच्चियों को अच्छे से पढ़ाएं. उनका भविष्य संवारें. पढ़ाई पर होने वाले खर्च की चिंता नहीं करें. सरकार इस खर्च को वहन करेगी. मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं से लोगों को अवगत कराया. कहा कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी से लेकर मेडिकल, इंजीनियरिंग और लॉ जैसे कोर्सेज के लिए सरकार आर्थिक मदद दे रही है. वहीं, विदेश में पढ़ाई के लिए शत प्रतिशत स्कॉलरशिप दे रही है. बच्चियां पढ़ाई से जुड़ी रहें, इसके लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी सावित्री योजना चलाई जा रही है. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगों को दी और उसका लाभ लेने को कहा.

सभी को मिलेगी पेंशन

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी गरीबों और जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए सरकार वचनबद्ध है. इसी कड़ी में सरकार में यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लागू की गई है. इस योजना के तहत सभी बुजुर्ग, विधवा, परित्यक्ता और दिव्यांगों को पेंशन दी जा रही है. अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं कि कोई भी योग्य पात्र इस योजना से वंचित न रहे. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कोई परिवार बेघर नहीं रहेगा. सभी बेघरों के अपने आशियाना का सपना पूरा होगा. इसके लिए अबुआ आवास योजना की शुरुआत हो रही है. इस योजना के तहत आठ लाख परिवारों को आवास उपलब्ध कराया जाएगा.

विकास को मिलेगी नई दिशा

मुख्यमंत्री ने कहा कि मयूराक्षी नदी पर बने इस पुल से विकास को एक नई दिशा मिलेगी. इससे आवागमन सुलभ और आसान हो जाएगा. कई गांव का दुमका जिला मुख्यालय से सीधा संपर्क होगा. लोगों को आने-जाने में समय की बचत होगी. शिक्षा, रोजगार और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा. इलाके का सामाजिक- आर्थिक उत्थान होगा और पर्यटन के लिहाज से मील का पत्थर साबित होगा.

शहीदों व आंदोलनकारियों के योगदान को नहीं भूल सकते

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने अमर वीर- शहीदों और झारखंड आंदोलनकारियों को कभी भूल नहीं सकते हैं. उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा. हम उनका सम्मान करते आए हैं और करते रहेंगे. मुख्यमंत्री ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि यहां की जनता मयूराक्षी नदी पर नवनिर्मित पुल का नामकरण दिशोम गुरु शिबू सोरेन सेतु करने की पक्षधर है. ऐसे में मयूराक्षी नदी पुल का नामकरण दिशोम गुरु शिबू सोरेन सेतु करने की सरकारी प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी.

रोजगार व स्वरोजगार पर विशेष फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है. इस कड़ी में सरकारी विभागों के खाली पदों पर बड़े पैमाने पर नियुक्तियां हो रही हैं, तो रोजगार मेला के जरिए हजारों युवाओं को निजी कंपनियों और संस्थानों में जॉब दिलाने का काम कर रहे हैं. इतना ही नहीं, जो भी व्यक्ति स्वरोजगार करना चाहता है, उसे मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के माध्यम से सरकार मदद कर रही है.

राजनीतिक गलियारों में सुर्खियां बटोर रहा है पोस्टर का फाड़ा जाना

फटा पोस्टर, झामुमो नेता गायब

संवाददाता । चाकुलिया

थाने में शिकायत करते झामुमो नेता.

"फटा पोस्टर और निकला हीरो" तो आपने सुना ही होगा. मगर चाकुलिया में फटा पोस्टर तो झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता आदित्य प्रधान गायब,की चर्चा राजनीतिक गलियारों में सुर्खियां बटोर रही है. पार्टी के प्रखंड कोषाध्यक्ष मंगल हांसदा ने सोमवार को इसकी शिकायत थाना प्रभारी वरुण कुमार यादव को आवेदन सौंप कर की है. पोस्टर फाड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है.

मालूम हो कि चाकुलिया नगर पंचायत के नया बाजार स्थित नेताजी सुभाष चौक के पास बहरागोड़ा प्रखंड निवासी झामुमो के केंद्रीय सदस्य सह क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के सदस्य आदित्य प्रधान ने दुर्गा पूजा के पूर्व दुर्गा पूजा, दीपावली, काली पूजा,छठ पर्व के अवसर पर जनता को बधाई देने के लिए लगवाया था. उक्त पोस्टर से आदित्य प्रधान की तस्वीर को असामाजिक तत्वों ने फाड़ दिया है. इसको लेकर झामुमो समर्थकों में आक्रोश है. इस संबंध में झामुमो के प्रखंड कोषाध्यक्ष मंगल हांसदा ने थाना प्रभारी वरुण कुमार यादव को सोमवार को आवेदन सौंप कर कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि उक्त पोस्टर को 26 अक्टूबर की रात अज्ञात लोगों द्वारा फाड़ दिया गया. इससे पार्टी के वरिष्ठ नेता आदित्य प्रधान और पार्टी के सम्मान पर ठेस पहुंची है. मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए. इधर, आदित्य प्रधान ने इस

घटना की निंदा की है. उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन मामले की छानबीन कर ऐसे असामाजिक तत्वों पर कठोर कार्रवाई करें.

भाजपा नेता ने बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा उठाया

बेरमो । भाजपा नेता प्रकाश कुमार सिंह ने सोमवार को डीएवी पब्लिक स्कूल भंडारीदह में पढ़ने वाले तीन गरीब बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने का जिम्मा लिया. तीनों विद्यार्थी बेरमो विधान सभा क्षेत्र के चंद्रपुरा, टुपकाडीह और कुरपनिया इलाके के रहने वाले हैं. इनमें से एक बच्चे के पिता का निधन कुछ माह पूर्व सडक हादसे मे हो गया था. जबकि दो बच्चे अत्यंत गरीब परिवार से हैं. इस बात की जानकारी मिलने के बाद प्रकाश कुमार सिंह ने डीएवी भंडारीदह, बेरमो के प्रिंसिपल राजेश कुमार सिह से मुलाकात की और अपने निजी मद से एक लाख का चेक सौपा.

मुख्यमंत्री आज मेदिनीनगर में युवाओं को सौंपेंगे ऑफर लेटर

संवाददाता । मेदिनीनगर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को मेदिनीनगर के पुलिस लाइन स्टेडियम में पहुंचेंगे. यहां वह पलामू प्रमंडलीय रोजगार मेले में युवाओं के बीच ऑफर लेटर का वितरण करेंगे. उनके साथ ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, महिला बाल एवं सुरक्षा मंत्री जोबा मांझी, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख एवं पेयजल मंत्री मिथिलेश ठाकुर भी पहुंचेंगे. प्रमंडलीय रोजगार मेला में युवाओं को यह नौकरी सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों में दिया जाना है. राज्य सरकार के श्रम नियोजन विभाग ने इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली है.

5000 युवाओं को नियुक्ति पत्र : प्रमंडल स्तरीय रोजगार मेला में कई प्राइवेट कंपनी में नौकरी के लिए 5000 युवाओं को नियुक्ति पत्र दी जाएगी. रोजगार मेला में मैट्रिक की शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले युवाओं को भी अवसर मिलेगा. प्रोफेशनल कोर्स करने वाले युवाओं को सीधे बड़े कंपनियों में नौकरी मिलेगी.

भाजपा प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री सोरेन को निशाने पर लिया, कहा-

झामुमो विधायकों को जवाब दें हेमंत

विशेष संवाददाता । रांची

भाजपा ने झामुमो विधायक के बहाने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को निशाने पर लिया है. भाजपा ने मुख्यमंत्री से कहा कि केवल विपक्ष ही नहीं, उनके खुद की पार्टी के विधायक अपनी ही सरकार को भ्रष्ट और दलालों से घिरा बता रहे हैं. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि अब विपक्ष के साथ-साथ सत्ताधारी दल के विधायक ही उनकी सरकार पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं.

विधायक लोबिन हेंब्रम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर युवाओं के सपनों को तोड़ने का आरोप लगाया है. कहा गया कि स्थानीयता के नाम पर उन्होंने अर्जुन मुंडा की सरकार से समर्थन वापस लिया था. लेकिन 4 वर्ष तक झुनझुना बजाते रहे.

लोबिन, सीता लगाते रहे हैं आरोप : प्रतुल शाहदेव ने कहा कि लोबिन हेंब्रम का यह कहना बिल्कुल जायज है कि यह सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है. इससे पहले भी झामुमो की विधायिका सीता सोरेन अपनी सरकार के कार्यकाल में ही संथाल परगना में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में अवैध खनन के रैकेट चलाने का आरोप लगा चुकी है. जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, जनता के साथ-साथ अब सत्ताधारी दल के विधायकों को भी पता चल रहा है कि इस भ्रष्ट और निकम्मी सरकार का जाना तय है. प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री और पूरा झारखंड मुक्ति मोर्चा का लोबिन हेंब्रम के आरोपों पर मौन धारण कर लेना सारी सच्चाई बयां कर रहा है.

खास बातें

- विधायक लोबिन का युवाओं के सपने तोड़ने का आरोप
- सीता सोरेन ने भी खनन मामले में लगाया है आरोप

चाईबासा कोल्हान आदिवासी एकता मंच ने कुड़मी पर जेपी नड्डा के बयान की निंदा की

आदिवासी विरोधी नेताओं का होगा विरोध : बिरुली

संवाददाता । चाईबासा

कोल्हान आदिवासी एकता मंच के सचिव बीर सिंह बिरुली ने सोमवार को यहां कहा कि आदिवासी विरोधी नेताओं का विरोध किया जाएगा. उन्होंने कहा कि भाजपा की संकल्प यात्रा के समापन समारोह के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा कुरमी/कुड़मी को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की मांग का समर्थन किए जाने का आदिवासी समाज विरोध करता है. साथ ही नड्डा के इस तरह के बयान की निंदा भी करता है. उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज नड्डा, मुंडा सहित उन सभी आदिवासी विरोधी नेताओं का विरोध करेगा. मालूम हो कि रांची एयरपोर्ट में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की उपस्थिति में कुरमी/कुड़मी समाज का प्रतिनिधिमंडल जेपी नड्डा से मिल कर कुड़मी/महतो को आदिवासी बनाने की मांग रखी थी. जिस पर नड्डा ने केन्द्रीय नेताओं से मिलकर विचार करने की बात कही थी.

मुंडा ने इनकार कर दिया

प्रतिनिधिमंडल द्वारा बताया गया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने 23 नवंबर 2004 को छोटानागपुर की कुरमी/कुड़मी/महतो को आदिवासी की सूची में शामिल करने के लिए भारत सरकार को अनुशंसा की थी. लेकिन विगत दिनों जमशेदपुर में केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा के द्वारा उनके विभाग में इससे संबंधित मांग या लंबित फाइल होने से साफ इंकार कर दिया गया. भाजपा आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दोनों समुदाय का इस्तेमाल करती नजर आ रही है. पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने भी कुरमी/कुड़मी को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को अनुशंसा पत्र प्रेषित की है. दूसरी तरफ कोलकाता उच्च न्यायालय ने इस मांग को सिरे से खारिज कर चुकी है. एक तरफ कुड़मियों के कद्दावर नेता गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने सुप्रीम कोर्ट में झारखंड सरकार के खिलाफ अवमाननावाद याचिका दायर की है तथा खुद को कुड़मियों का हितैषी बताते हुए उन्होंने नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण की मांग की वकालत की है.

जातीय हिंसा को अंजाम देने की साजिश

बीर सिंह बिरुली ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि झारखंड में षड्यंत्र के तहत जातीय हिंसा को अंजाम देने की साजिश हो रही है. विगत 28 मार्च 2018 को कोल्हान में जिस प्रकार आदिवासी विरोधी विधायक,सांसद और मंत्रियों की शवयात्रा निकाल कर आक्रोश रैली के माध्यम से विरोध प्रदर्शन किया गया था .उसी तरह यदि भाजपा कुड़मियों को आदिवासी बनाने की मांग का समर्थन करती है तो कोल्हान के कई आदिवासी विधायक, सांसद को विरोध का सामना करना पड़ेगा.

2024 में इंडिया की जीत होगी : इरफान अंसारी

संवाददाता । जमशेदपुर

भाजपा को स्थानीय नेताओं पर भरोसा नहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत होगी. उक्त बातें जामताड़ा के विधायक इरफान अंसारी ने सोमवार को जमशेदपुर पहुंचने पर मीडिया से बात करते हुए कही. उन्होंने कहा कि भाजपा से लोगों का मोह भंग हो गया है. भाजपा को अपने स्थानीय नेताओं पर भरोसा ही नहीं है. भाजपा बाहरी नेताओं के भरोसे चुनाव जीतना चाहती है. लेकिन जनता इस बार मन बना चुकी है और झारखंड में लोकसभा की 14 में 12 सीट पर इंडिया गठबंधन की जीत तय है. एक सवाल के जवाब में अंसारी ने कहा कि बाबूलाल मरांडी को लोगों ने नकार दिया है. उनकी सभाओं में लोग नहीं आ रहे हैं.

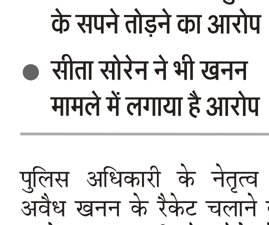

रघुवर आउट व अंसारी इन

रघुवर दास के राज्यपाल बनाए जाने के सवाल पर अंसारी ने कहा कि झारखंड को वर्षों बाद रघुवर दास से छुटकारा मिला. चुटकी लेते हुए कहा कि जमशेदपुर से रघुवर आउट और अंसारी इन. उन्होंने रघुवर दास को राज्यपाल बनाए जाने पर उनकी नई पारी के लिए बधाई दी.

ब्रीफ खबरें

वार्षिणी प्लस 2 स्कूल में चोरी के 3 आरोपी धराए

आदित्यपुर । सरायकेला के सीनी थाना अंतर्गत वार्षिणी प्लस 2 हाई स्कूल में विगत 17 जुलाई 2023 को स्कूल में चोरी की घटना हुई थी. जिसमें सैमसंग कंपनी का टैब, एलसीडी मॉनिटर, स्टेबिलाइजर आदि चोरी गया था. इस चोरी की घटना का अब सीनी पुलिस ने उद्भेदन किया है. एसपी डॉ विनोद कुमार ने बताया कि इस चोरी के घटना में संलिप्त तीनों आरोपी चोरी के समान के साथ पकड़े गए हैं. गिरफ्तार तीनों आरोपियों में शम्भू गोराई, विजय मुखी, विजय सरदार शामिल हैं.

स्कॉर्पियो-टाटा मैजिक में हुई जोरदार टक्कर

तोपचांची । थाना क्षेत्र के रेलवे ओवरब्रिज में सोमवार को अज्ञात स्कार्पियो और टाटा मैजिक के बीच जोरदार टक्कर हो गई. जिसमें टाटा मैजिक के चालक विजय किस्कू गंभीर रूप से जख्मी होकर गाड़ी के भीतर स्टेयरिंग में पैर फंसा रहा. स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से उसे बाहर निकाला गया. जिसके बाद प्राथमिकी उपचार के लिए सीएचसी अस्पताल तोपचांची भेज दिया. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टाटा मैजिक सही दिशा से जा रहा था.

बाथरूम में गिरे युवक की हुई मौत

घाटशिला । मऊभंडार ओपी क्षेत्र अंतर्गत ए ब्लॉक निवासी 43 साल के लिंगेश्वरन मुदलियार सोमवार को बाथरूम में स्नान करने के दौरान अचानक गिर गया. परिवार वाले उसे लेकर अनुमंडल अस्पताल पहुंचे. जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के संबंध में चचेरे भाई भास्करन मुदलियार ने बताया कि घर के बाथरूम में स्नान करने गया था. अचानक क्या हुआ किसी को कुछ जानकारी नहीं है. बाथरूम में गिरने की आवाज सुनकर पत्नी तथा दो बच्चे दौड़कर पहुंचे.

नशे में घुत दो युवकों ने छात्राओं को छेड़ा

बेरमो । नशे में घुत दो युवकों ने आज सोमवार को हाई स्कूल की छात्राओं के साथ बीच रास्ते में छेड़खानी की. यह घटना गोमिया थाना क्षेत्र के की है, जब छात्राएं सुबह स्कूल जा रही थी. तो उनके साथ दो युवकों ने छेड़खानी शुरू कर दी. इसके बाद छात्राओं ने शोर मचाना शुरू किया. हल्ला सुनकर आस-पास के लोग और छात्र-छात्राएं वहां पहुंच गये और दोनों युवकों की जमकर धुनाई की. लोगों ने घटना की जानकारी गोमिया पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची.

इंटर के छात्र ने फंदे से लटक कर दी जान

गुमला । गुमला जिला के कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र स्थित कुकरूंजा ग्राम निवासी आकाश उरांव, पिता - जगदीश उरांव ने रविवार की रात अपने घर में पंखे से झूल कर आत्महत्या कर ली. वह संत पॉल कॉलेज रांची में इंटर की पढ़ाई करता था. परिजनों ने बताया कि आकाश उरांव दुर्गा पूजा में अपने घर आया था. उसने आत्महत्या क्यों की, इस संबंध में परिजनों को कोई जानकारी नहीं है. घटना की सूचना मिलते ही घाघरा थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया.

हादसे में महिला व बच्ची की हुई मौत

गोविंदपुर । गोविंदपुर थाना अंतर्गत जीटी रोड एसबीआई क्रॉसिंग पार करने के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार एक महिला व बच्ची की एक वाहन की चपेट में आने से मौत हो गयी. हादसे में बासव चंद्र सेन (55) , उनकी समधिन शेफाली रक्षित (50) व नतनी पलक रक्षित (11) वाहन की चपेट में आ गए. घटना में बासव घायल हो गए. सूचना मिलते ही पुलिस इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार व एएसआई कामेश्वर महतो दलबल के साथ पहुंचे .

पुलिस ने दो चोरी के आरोपी को पकड़ा

बेरमो । गोमिया पुलिस ने चोरी करने के आरोप में दो चोर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. बता दें कि गोमिया थाना क्षेत्र अंतर्गत हजारी मोड़ स्थित ओवल प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के स्टोर में 17 अगस्त की अहले सुबह लाखों रुपये का सामान लूट कर ले गए थे. इस दौरान स्टोर में तैनात गार्ड की पिटाई भी की गई थी. इसी संबंध में सब इंस्पेक्टर अनुज प्रसाद ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर दो आरोपी को गिरफ्तार किया है.

बब्बर खालसा का है पीएलएफआई से कनेक्शन!

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

सौरभ सिंह। रांची

होगी जांच

- एनआईए रांची शाखा ने इसका केस दर्ज किया है
- बीकेआई द्वारा हथियार मुहैया कराने की है जानकारी

झारखंड में सक्रिय उग्रवादी संगठन पीएलएफआई द्वारा लेवी वसूली और आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से कनेक्शन मामले की एनआईए जांच करेगी. एनआईए ने अपनी रांची शाखा में (आरसी-04/2023/एनआइए/रांची) केस दर्ज किया है. मिली जानकारी के मुताबिक आतंकी संगठन बीकेआई के माध्यम से पीएलएफआई को हथियार मुहैया कराए जाने की जानकारी एनआईए को मिली है. इसके बाद इसकी जांच शुरू की गई है. इससे पहले एनआईए जांच में लोहरदगा-लातेहार सीमा पर बुलबुल जंगल में भारी मात्रा में हथियार बरामदगी मामले में बीकेआई ग्रुप का झारखंड के नक्सलियों से कनेक्शन का मामला सामने आ चुका है.

दिनेश गोप युवाओं को देता था फ्रेंचाइजी

बता दें कि पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को एनआईए ने 21 मई 2023 को गिरफ्तार किया था. जांच में पता चला कि दिनेश गोप अपने प्रभाव क्षेत्र वाले कई जिलों में रंगदारी वसूलता था. इसके लिए गोप ने आपराधिक छवि के युवाओं को पीएलएफआई की फ्रेंचाइजी दे रखी थी .हथियार और संगठन में एरिया कमांडर जैसे पद देकर वह युवाओं को रंगदारी वसूली का टारगेट भी देता था.

क्या है बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई)

बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) भारत में सक्रिय खालिस्तानी संगठन है. भारतीय और ब्रिटिश सरकार सिख स्वतंत्र राज्य के निर्माण की मांग के कारण बब्बर खालसा इंटरनेशनल को एक आतंकवादी समूह मानता है, जबकि इसके समर्थक इसे यह प्रतिरोधक आंदोलनकारी संगठन मानते हैं. बब्बर खालसा इंटरनेशनल 1978 में बना था. कई सिख निहारकर संप्रदाय के साथ संघर्ष में मारे जाने के बाद 80 के दशक में पंजाब विद्रोह में सक्रिय था.

आओ जानें

जानें किस वर्ष कितने नक्सल मामले हुए दर्ज

वर्ष	मामले दर्ज	वर्ष	मामले दर्ज
2000	24	2013	219
2001	106	2014	244
2002	72	2015	196
2003	113	2016	266
2004	88	2017	258
2005	118	2018	165
2006	108	2019	133
2007	122	2020	110
2008	147	2021	137
2009	321	2022	197
2010	257	2023	111
2011	302	कुल	4033
2012	219		

डीसी के बॉडीगार्ड की दुर्घटना में मौत

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा डीसी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण के बॉडीगार्ड मरियानुष किंडो की सड़क हादसे में मौत हो गयी. यह घटना सोमवार सुबह सदर थाना क्षेत्र के पावरगंज चौक के पास घटी. जानकारी के अनुसार, मरियानुष किंडो बाइक से जा रहे थे, तभी स्कूल बस ने टक्कर मार दी.

घायल अवस्था में उन्हें लोहरदगा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. सदर थाना पुलिस ने स्कूल बस को अपने कब्जे में ले लिया है. हालांकि बस ड्राइवर मौके से फरार हो गया. पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है. बॉडीगार्ड मरियानुष किंडो मूल रूप से गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र स्थित पुंटो तिलसरी के रहने वाले थे. लेकिन लोहरदगाके मधुबन आनंदपुर मिशन कंपाउंड में पत्नी और दो बच्चों के साथ रह रहे थे. घटना की सूचना मिलने के बाद लोहरदगा डीसी, एसडीओ सहित जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी सदर अस्पताल पहुंचे हैं.

सड़क हादसे में स्कूल के प्राचार्य की मौत

कतरास । थाना क्षेत्र के श्यामडीह मोड़ के समीप सोमवार के दिन हुए सड़क हादसे में स्थानीय कॉम्पिटिशन पब्लिक स्कूल के निदेशक महेश झा के छोटे पुत्र तथा उक्त विद्यालय के प्राचार्य प्रणव झा (उम्र 40) की मृत्यु से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई. घटनाक्रम के अनुसार प्रणव झा अपनी स्कूटी गाड़ी लेकर किसी काम से श्यामडीह मोड़ की तरफ जा रहे थे. तभी सड़क पर किसी मवेशी के आने के कारण वे स्कूटी समेत सड़क पर गिर कर बेहोश हो गए. उन्हें तत्काल आसपास के लोगो ने उठाकर समीप के एक निजी अस्पताल ले गए. जहां जांच के दौरान चिकित्स्कों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृतक शादीशुदा बताए जाते हैं. उन्हें एक पुत्र भी है. उनकी पत्नी उसी विद्यालय में ही पढ़ाती है. घटना के बाद उक्त विद्यालय में बच्चों की छुट्टी कर दी गई.

ट्रेन की चपेट में आकर बीसीसीएल कर्मी की मौत

बोकारो । जिले के सियालजोरी थाना क्षेत्र स्थित बूढ़ी बिनोर गांव निवासी व बीसीसीएल कर्मी सुकर महतो (39 वर्षीय) की आज सोमवार सुबह ट्रेन की चपेट आकर मौत हो गयी. यह घटना आद्रा रेल मंडल के टीटी लाइन में पोल संख्या 329 टीटी7 और 329 टीटी9 के बीच घटी है. जानकारी के अनुसार, सुकर महतो तलगड़िया से बांधडीह रेलवे लाइन के बीच मवेशी चरा रहे थे.

इसी बीच वो ट्रेन की चपेट आ गये और उनकी मौके पर ही मौत हो गयी. सूचना के बाद सुकर महतो के परिजन व ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे. सुकर महतो के बेटे रवींद्रनाथ महतो ने सियालजोरी थाना प्रभारी प्रशांत कुमार को लिखित आवेदन दिया. इसके बाद आद्रा रेल मंडल के बोकारो आरपीएफ की पुलिस बल सहित स्थानीय सियालजोरी थाना प्रशासन पहुंची और पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चास अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया. इधर घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

चाकुलिया में सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

चाकुलिया । चाकुलिया-माटीहाना मुख्य सड़क पर लोधाशोली के पांच माइल मोड़ के पास विगत रविवार की देर रात को किसी अज्ञात वाहन के धक्के से बाइक सवार रसपाल के पाड़शोली निवासी लखन हेंब्रम (26) की मौत हो गयी. वहीं बाइक पर सवार सुराय किस्कू (20) गंभीर रूप से घायल हो गया. 108 एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. डॉ नरेश बास्के ने लखन हेंब्रम को मृत घोषित कर दिया. सुराय किस्कू की हालत गंभीर देखते हुए उसे पश्चिम बंगाल के झारग्राम में बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया. सूचना पाकर रात में विधायक समीर कुमार महंती भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे. पुलिस भी रात में ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और मामले की छानबीन की. जानकारी के मुताबिक उक्त दोनों युवक बहरागोड़ा के जुरकी से मेला देख कर बाइक से अपने घर जा रहे रहे थे.

न्यूज अपडेट

निरंजन महतो की हृदय गति रुकने से मौत

घाटशिला । गालूडीह थाना क्षेत्र के बड़ाखुर्सी पंचायत अंतर्गत बांधडीह गांव निवासी 53 वर्षीय निरंजन महतो की सोमवार को हृदय गति रुकने से मौत हो गई. उन्हें सीने में तेज दर्द, बार-बार हिचकी तथा मुंह से झाग आता देख परिजन अस्पताल लेकर जा ही रहे थे कि रास्ते में उसकी मौत हो गई. गालूडीह थाना को इसकी सूचना मिलते ही पुलिस पदाधिकारी तथा जवान घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली. मृतक के चचेरे भाई मोतीलाल महतो ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बड़े भाई अपनी बाइक लेकर बिटिया की शादी के लिए कार्ड छपवाने तथा अन्य काम से पिपल गांव गए थे. वहां से वापस लौट के बाद घर पहुंचते ही उनके सीने में तेज दर्द यह जोर-जोर से हिचकी आने लगी. परिवार वालों ने स्थिति खराब देख अस्पताल ले ही जा रहे थे कि रास्ते मौत हो गई. मोतीलाल महतो ने पुलिस से आग्रह किया कि हम सब पोस्टमार्टम नहीं करना चाहते हैं हमें शव घर ले जाने की अनुमति दी जाए. समाचार लिखे जाने तक पुलिस अनुमंडल अस्पताल से शव ले जाने नहीं दी है.

कोलकर्मियों से अपराधियों ने की जमकर लूटपाट

पुटकी । पुटकी कच्छीबलिहारी कोलियरी में बीती रात दर्जनों अपराधियों ने हथियार के बल पर कोलकर्मियों को बंधक बनाकर जमकर लूटपाट की. वर्षों से हो रही चोरी पर पुलिस-प्रशासन चुप है. बताया जाता है कि दर्जनों की संख्या में आए अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया. वहीं कोलयरी अभियंता रमन शर्मा ने बताया कि अपराधियों ने कोलियरी परिसर में रखे कीमती पार्ट पूर्जा गैस कटर से काटकर ले गए. अभी कितने के सामान की चोरी हुई है, उसका आंकलन नहीं किया गया. नाम न छापने की शर्त पर एक कोलकर्मी ने बताया कि कच्छीबलिहारी कोलयरी में आए दिन लूटपाट की जा रही है. हम लोगों ने कई बार बीसीसीएल प्रबंधन से सुरक्षा की मांग की है, मगर अबतक सुरक्षा मुहैया नहीं कराई गई है. पहले सीआईएसएफ की तैनाती रहती थी, मगर जब से सीआईएसएफ की कंपनी हटी है, तब से लूटपाट की घटना में वृद्धि हुई है. उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन से सुरक्षा की मांग की.

रेलवे साइडिंग में अपराधियों ने की बमबाजी

केंदुआ । केंदुआ थाना क्षेत्र के कुसुंडा रेलवे साइडिंग में सोमवार की सुबह अज्ञात अपराधियों ने बमबाजी कर दहशत फैलाने का प्रयास किया. बम कुसुंडा रेलवे साइडिंग में लगे हाइवा वाहन पर लगा, जिससे हाइवा का शीशा टूट गया है. गनीमत रही कि इस बमबाज़ी में कोई हताहत नहीं हुआ. बमबाजी की घटना से साइडिंग में कार्यरत कर्मियों में भय का माहौल है. घटनास्थल से कुछ दूरी पर सीआईएसएफ के जवान भी मौजूद थे, फिर भी अपराधियों ने दुस्साहस दिखाते हुए घटना को अंजाम दिया. मौके पर मौजूद लोडिंग बाबू बिपिन कुमार ने बताया कि कुछ अज्ञात लोग आए और दहशत फैलने की नीयत से बमबाजी की. वहीं घटना के संबंध में सीआईएसएफ और पुलिस कुछ भी बोलने से परहेज कर रही है. बताया जाता है कि साइडिंग में वर्चस्व कायम करने को लेकर बमबाजी की गई है.

मिल्क वैन चालकों से अपराधियों ने की लूटपाट

लातेहार । रविवार की रात अज्ञात अपराधियों ने मेघा दूध केंद्र, लातेहार के दो वाहनों के चालकों से लूटपाट व मारपीट की. घटना सदर थाना क्षेत्र के उदयपूरा से बालूमाथ जाने वाली सड़क में सबानो के पास घटी है. अपराधियों ने दो वाहनों के चालक बबलू यादव (आरागुंडी), निरंजन भुइयां (लोहरदगा) व अवधेश कुमार (छपरा) के साथ मारपीट भी की है. चालकों ने बताया कि बनहरदी ग्राम से दूध का वाहन लेकर बालूमाथ जा रहे थे. रात के एक बजे सबानो घाटी के पास पहले से एक दूध वाहन को रोक कर अपराधियों ने मारपीट की थी. इसके बाद दूध का दूसरा वाहन पहुंचने पर उसे भी रोका और चालक के साथ जमकर मारपीट की गयी. अपराधियों ने 800 रुपए नगद व मोबाइल का सिम लूट लिया. लूटपाट के दौरान एक बाइक सवार उसी रास्ते से जा रहा था, लेकिन लूटपाट की घटना को देख कर बाइक सवार भी पीछे भागने लगा. इसके बाद अपराधियों ने उसपर फायरिंग भी की है. घटना के बाद सभी अपराधी जंगल की ओर भाग गये. मेघा दूध केंद्र के मैनेजर राजीव रंजन ने बताया कि चालक के साथ मारपीट की गई. इस मामले में थाना को प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया गया है.

धोखाधड़ी का आरोपी चकमा देकर हुआ फरार

मैथन । रांची के लालपुर पुलिस ने सोमवार सुबह चिरकुंडा पुलिस के सहयोग से धोखाधड़ी के आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए उसके तालडांगा नेहरू रोड स्थित आवास एवं उसके साले के मेडिकल दुकान में छापा मारा. लेकिन धोखाधड़ी के आरोपी शारवेन्दु दत्ता ने पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया. इस संबंध में लालपुर थाना प्रभारी मनोज सोरेन ने बताया कि शारवेन्दु दत्ता एवं उसका साला रोहित धोखाधड़ी व ठगी के एक मामले में मुख्य आरोपी है. रोहित को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है. लेकिन शारवेन्दु काफी दिनों से फरार चल रहा है. सूचना मिली थी कि वह अपने आवास पर है. बताया कि शारवेन्दु दत्ता ने अपने साला रोहित के साथ मिलकर चाईबासा निवासी नीतेश कुमार दास से धोखाधड़ी कर 20 लाख रुपये ठग लिया है. नीतेश कुमार दास ने लालपुर थाना में इन दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है.

ट्रैक्टर चोरी के आरोप में 4 गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

मामला दर्ज

- राजधानी के ओरमांझी थाने का है ट्रैक्टर चोरी का मामला
- इसमें शामिल चारो आरोपी ने अपराधा स्वीकार किया

राजधानी के ओरमांझी थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर चोरी का मामला सामने आया है. जिसमें ट्रैक्टर के मालिक सुनील कुमार ने सूचना दी कि ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच02एई-1536 ट्रैक्टर के चालक सौरभ रजवार 26 तारीख समय करीब 12 बजे दोपहर में अज्ञात व्यक्ति के साथ ओरमांझी से सीमेंट और करकेट शीट लाने हेतु ट्रैक्टर लेकर गया था. इसके बाद से ट्रैक्टर ड्राइवर और भाड़ा बुक करने वाले व्यक्ति का मोबाइल स्विच ऑफ है. ऐसा लगता है कि ड्राइवर और गाड़ी बुक करने वाले ने मेरा ट्रैक्टर चोरी कर लिया. जिसके आधार पर ओरमांझी थाना में कांड 114/23, धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया गया है.
वहीं अनुसंधान के क्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना पर ग्रामीण एसपी निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है. टीम द्वारा छापेमारी के क्रम में ट्रैक्टर चालक सौरभ रजवार को रामगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया और इस कांड में शामिल चारों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया. इस कांड में चारों अपराधियों ने अपराध स्वीकार किया है.

गिरफ्तार आरोपी

- रॉबिन एंथोनी- कोल कंपनी भदानी नगर रामगढ़ का रहने वाला है.
- करण कुमार राम कोल कंपनी भदानी नगर रामगढ़ का रहने वाला है
- रंथु उरांव हरचंद थाना ओरमांझी का रहने वाला है.
- गोविंद कुमार सिकिदिरी का रहने वाला है.

1944 बोतलों के साथ शराब तस्कर गिरफ्तार

जब्त शराब के साथ पुलिस टीम

संवाददाता। चतरा

जिले के सदर थाना क्षेत्र स्थित जतराहीबाग के पास से पुलिस ने 1944 बोतल अवैध शराब लदे पिकअप वैन जब्त किये हैं. साथ ही पुलिस ने एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया है. एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना मिली थी कि सब्जी की आड़ में शराब तस्कर अवैध शराब की बड़ी खेप लेकर जाने वाले हैं. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया. पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए 81 पेटी में 1944 बोतल अवैध शराब जब्त किये. साथ ही एक तस्कर को गिरफ्तार किया है. शराब तस्कर जितेंद्र कुमार ठाकुर इटखोरी थाना क्षेत्र का रहने वाला है.

अभियान बाल विवाह मुक्त भारत के तहत जगन्नाथपुर व पुंदाग ओपी परिसर में कार्यक्रम का आयोजन

पुलिसकर्मियों ने ली बाल विवाह मुक्त अभियान की शपथ

संवाददाता। रांची

बाल विवाह मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत जगन्नाथपुर और पुंदाग ओपी परिसर में सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान थाना प्रभारी बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत सभी पुलिसकर्मियों और समाजसेवियों को शपथ दिलवायी गयी. सभी ने शपथ लिया कि वो अपने क्षेत्र को बाल विवाह मुक्त बनाने का कार्य करेंगे.

इस कार्यक्रम का आयोजन सत्यार्थी फाउंडेशन और चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन रांची के सहयोग से किया गया. गौरतलब है कि झारखंड के पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ दिलवाने में सहयोग करने का निर्देश दिया है. इसे लेकर सीआईडी ने सभी जिलों के एसएसपी व एसपी को पत्र लिखा है. लिखे पत्र में कहा गया है कि कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन के तहत पूरे भारत में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम निर्धारित किया गया है. इस अभियान के तहत झारखंड में चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन की ओर से जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है. पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहयोग देने का अनुरोध किया है. अपने-अपने जिलों में पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को जागरुकता कार्यक्रम में सहयोग करने का आदेश दें, ताकि इसका सफल आयोजन हो सके.

अपने क्षेत्र को बाल विवाह मुक्त बनाने का कार्य करने के लिए सभी ने शपथ ली

गौरतलब है कि झारखंड के पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ दिलवाने में सहयोग करने का निर्देश दिया है. इसे लेकर सीआईडी ने सभी जिलों के एसएसपी व एसपी को पत्र लिखा है.

अनियंत्रित कार के धक्के से एक बच्ची समेत पांच घायल

संवाददाता। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के बांझीकुसुम टोकलो मुख्य सड़क के जरकी गांव के समीप एक अनियंत्रित तेज रफ्तार सूमो कार के धक्के से एक बच्ची समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया जाता है कि जरकी गांव निवासी कोकिल मुखी,अमित मुखी, रानी मुखी सड़क किनारे अपने घर के बाहर आंगन में बैठकर बात कर रहे थे.

वहीं एक सात साल की चांदनी मुखी बच्ची खेल रही थी. इसी दौरान बांझीकुसुम से केरा गांव की ओर जा रही एक तेज रफ्तार अनियंत्रित सूमो गाड़ी ने आंगन में बैठे सभी लोगों को अपने चपेट में ले लिया. साथ ही इस बीच गाड़ी एक पेड़ से टकराकर रुक गई. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने गाड़ी से चालक को उतारकर पिटाई कर दी. वहीं गाड़ी में बैठा एक व्यक्ति भागने में सफल रहा. जबकि चालक व एक व्यक्ति को ग्रामीणों ने थाना को सूचित कर पुलिस के हवाले कर दिया. वहीं इस घटना में सभी घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस से चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया. इस घटना में गंभीर रूप से घायल कोकिल मुखी नामक व्यक्ति को अनुमंडल अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए चाईबासा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष — चंद्रमा उच्च के हैं. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है. शिव पूजन करें और चंद्रमा को अर्घ दें.

वृषभ — समय लाभ का मौका देगा. नेत्र संबंधी रोग से बचें. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य में विलंब होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी. इतर दान करें.

मिथुन — विदेश से लाभ का योग है. खर्च हो सकता है. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. कार्य के प्रभाव से अच्छा आय होगी.

कर्क — आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी.

सिंह — पिता के कार्य से लाभ होगा. उनकी आज्ञा से कार्य करें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे.

कन्या — धर्म मे मन लगेगा. पर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला — कोई अज्ञात भय सताएगा. पुराना रोग उभर सकता है. कार्य नही होगा जिससे भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. किसी वृद्ध ब्राह्मण को भोजन दें.

वृश्चिक — पार्टनर से कोई मतभेद हो सकता है. कोई अच्छा समाचार मिल सकता है. किसी व्यक्ति से बेवजह संबंधित बाधा से बचें. विरोधी सक्रिय रहेंगे. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा.

धनु — शिक्षा में कुछ अड़चन का योग है. कार्य सावधानी से करें. ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है. निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है. कोई कार्य बनने से लाभ होगा.

मकर — समय अच्छा है. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

कुंभ — कोई बड़ा कार्य या बोलने से पहले विचार आवश्यक है. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा.

मीन — अपनों से मतभेद हो सकता है. जवान पर कन्ट्रोल आवश्यक है. पराक्रम का गलत तरीके से प्रयोग नही करे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. गायत्री मंत्र का जाप करें.

मैं भारत हूं फाउंडेशन का सूबे में होगा गठनः बिजय

संवाददाता । रांची

माहेश्वरी भवन के कार्यालय मे एक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम मे श्री माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला सभा एवं माहेश्वरी युवा संगठन के पदाधिकारियों ने मैं भारत हूं फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री शोभा सादानी एवं कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा को पुष्प गुच्छ, श्रीफल देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया.

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन ने श्री माहेश्वरी सभा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विगत 15 वर्षों से मैं भारत हूं फाउंडेशन का लगातार प्रयास रहा है कि हमारे देश का नाम एक ही रहे भारत. भारत को केवल भारत ही बोला जाना चाहिए. इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए देश के सभी राज्यों में लोगों से संपर्क कर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. कई राज्यों में मैं भारत हूं फाउंडेशन का गठन भी कर लिया गया है तथा झारखंड में भी फाउंडेशन का शीघ्र ही गठन किया जाएगा. संस्था द्वारा उत्तर प्रदेश के हर गलियों में रथ यात्रा निकाली गई. कहा कि भारत की राजधानी दिल्ली में जन-जन तक अभियान को पहुंचाने के लिए भारत मां के रथ के साथ लोगों से संपर्क किया गया. कार्यक्रम में श्री माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष किशन साबू, सचिव नरेंद्र लखोटिया, किशोर मंत्री, शिव शंकर साबू, मुकेश काबरा, महावीर सोमानी, गोवर्धन भाला, श्याम बियानी, रमन बोढा, वासुदेव भल्ला, पदम् चंद्र जैन, संजय सर्राफ, परेश गठानी, दीपक मारू, मनोज चौधरी, हेमंत महेश्वरी,विनय मंत्री, गौरव काबरा, भारती चिंतलांगिया, विनीता चिंतलांगिया, विमल फ्लोर, आयुषी काबरा, स्वाति काबरा, पूनम राठी, सीमा चितलांगिया, सुमन चितलांगिया, विनय साबू के अलावे अन्य लोग उपस्थित थे.

कार्यक्रम संपन्न

- फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पुष्प देकर सम्मानित कि गया
- लोगों से संपर्क कर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- कुरुक्षेत्र युद्ध के दौरान अर्जुन का सारथी कौन था – भगवान कृष्ण
- राम भक्त हनुमान के पुत्र का क्या नाम है – मकरध्वज
- किसे साप बनने का श्राप मिला था जिसे अर्जुन ने बचाया था – उलूपी
- मधुरापुरी नगरी की स्थापना किसने की थी – शत्रुघ्न
- दुर्योधन की पत्नी कौन थी – भानुमती
- हनुमान ने अशोक वाटिका में सीता को किस वृक्ष के नीचे बैठा देखा – शिंशपा
- वो सरोवर जो एक योजन लंबा तथा इतना ही चौड़ा था – पंचाप्सर
- वो पांडव पात्र जो कौरव पक्ष में चला गया – युयुत्सु
- महाभारत में अंतिम युद्ध में दुर्योधन को किसने मारा – भीम
- रामायण के सबसे छोटे कांड का नाम – अरण्यकांड

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंडाल अधिष्ठापना का कार्य आरंभ

जॉगर्स पार्क काली पूजा पंडाल का हुआ भूमि पूजन

धर्मेंद्र कुमार । जमशेदपुर

गोलमुरी के आकाशदीप प्लाज़ा से सटे जॉगर्स पार्क में नवयुवक चेतना मंच के तत्वावधान में आयोजित होने वाली काली पूजा पंडाल के लिए सोमवार को भूमि पूजन किया गया. इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजन के साथ पंडाल अधिष्ठापना का कार्यारंभ हुआ. बतौर यजमान रामेश्वर कुमार, मनीष मिश्रा एवं कमेटी के अन्य सदस्यों ने पूजन किया. पुरोहित राकेश कुमार पांडे ने भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न कराया. मालूम हो कि गोलमुरी जॉगर्स पार्क में वर्ष 1986 से लगातार भव्य काली पूजा का आयोजन किया जा रहा है. मौके पर नवयुवक चेतना मंच के संयोजक अप्पू तिवारी ने बताया कि इस साल 11 नवंबर को पंडाल का विधिवत उद्घाटन किया जायेगा. मातृशक्ति द्वारा उद्घाटन संपन्न होगा और कमेटी के सदस्यों की माताएं उक्त पंडाल का उद्घाटन करेंगी.

बताया कि 12 नवंबर की मध्य रात्रि मां श्यामा काली की पूजा होगी. 13 नवंबर को सुबह 11 बजे से महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं सहित शहर के गणमान्य और राजनीतिक दलों से संबद्ध नेताओं का जुटान होगा. तिवारी ने बताया कि लगभग तीन लाख की लागत से आकर्षक काल्पनिक पंडाल का निर्माण शहर के ही कारीगरों द्वारा की जायेगी. वहीं जॉगर्स पार्क एवं आसपास आकर्षक विद्युत सज्जा की जायेगी. बच्चों के लिए विशेषकर मेला का आयोजन किया जाएगा. जिसमें मनोरंजक झूले सहित खाद्य पदार्थ उपलब्ध होंगे. इस वर्ष पंडाल के समक्ष अस्थायी कृत्रिम घाट बनाकर छठ महापर्व के आयोजन पर विमर्श किया जा रहा है, जल्द ही निर्णय लेकर जरूरी तैयारियां शुरू कर दी जायेगी. अप्पू तिवारी ने कहा कि शहर के बड़े छठ घाटों पर अव्यवस्था और बदइंतजामी से छठ व्रतियों को अत्यंत कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है. इस अवसर विशेष रूप से सत्येंद्र सिंह, उमेश प्रसाद, विजय सिंह, अप्पू तिवारी, पप्पू उपाध्याय, रामेश्वर कुमार, बिरेंद्र चौधरी, विशु सिंह, बिनोद सिंह, विद्या मिश्रा, रिषभ सिंह, कुमार अभिषेक, उमाशंकर सिंह, देवाशीष चौधरी, अशोक शर्मा, रिंकू सिंह, रंजीत सिंह, दीपक सिंह, सूरज ओझा, विवेक पांडेय, नरेंद्र सिंह पिंटू, जेपी सिंह, प्रवीण सिंह, एकलव्य सिंह, रौशन कुमार समेत अन्य उपस्थित थे.

लोग उत्साहित

- मनीष मिश्रा एवं कमेटी के सदस्यों ने पूजन किया
- वर्ष 1986 से हो रहा है यहां पर काली पूजा का आयोजन

केरुकोचा काली पूजा कमेटी का गठन, समीर दास बनाए गए अध्यक्ष

चाकुलिया । चाकुलिया प्रखंड में केरुकोचा सार्वजनिन काली पूजा कमिटी ने रविवार देर शाम काली मंडप प्रांगण में एक बैठक आयोजित की. बैठक की अध्यक्षता गोपाल चंद्र माईती ने की. इस बैठक में 60वें वर्ष भी काली पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. साथ ही पूजा के सफल आयोजन व संचालन को लेकर कमेटी का गठन किया गया. सर्वसम्मति से समीर दास को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया. वहीं रवींद्र नाथ पैड़ा को सचिव मनोनीत किया गया. वहीं कुश गिरि और सौमित्र घोष को कमेटी का कोषाध्यक्ष बनाया गया. इसके अलावा संजय पात्र, कृष्णेंदु बांसुरी व रामदयाल महापात्र को उपाध्यक्ष और संजीव पाल, नवेंदु मंडल व शुभेंदु पात्र सह सचिव चुने गये. वहीं सुजीत गिरि, प्रवीर घोष, सुखेंदु प्रधान, शंकर बेरा, अनंत राणा, मनोज बांसरी, जवाहर लाल नायक, गुणाधर नायक सहित अन्य कमेटी के संरक्षक बनाये गये.

सनातन धर्म के कार्यों के लिए सब कुछ है न्यौछावर : तिवारी

संवाददाता । नीलांबर पीतांबरपुर

नीलांबर पीतांबरपुर प्रखंड मुख्यालय में सनातन धर्म सभा केंद्रीय समिति के तत्वावधान में रविवार की शाम दुर्गा पूजा महोत्सव-2023 का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में पांकी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा पूजा समितियां को सम्मानित किया गया. वहीं भोजपुरी के प्रसिद्ध गायिका निशा उपाध्याय का भक्ति जागरण हुई.

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष बृजकिशोर किशोर तिवारी उर्फ बिरजू तिवारी, विशिष्ट तिथि समाज सेवी अर्जुन पांडेय उर्फ गुरु पांडेय, परशुराम सेवा युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, प्रवीण सिंह, जिला परिषद सदस्य आशा देवी, विजय राम आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की. वहीं 11 ब्राह्मणों के द्वारा अखंड दीप, स्वास्ती वचन, आरती एवं शंखनाद से कार्यक्रम की शुरुआत की गई. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चतरा जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने कहा कि सनातन धर्म के कार्यों के लिए उनका तन मन और धन निछावर है. धार्मिक आयोजनों से आपसी भाईचारे की भावना पनपती है. लोग आपसी वैमनस्यता को भूला कर धार्मिक अनुष्ठानों में लीन हो जाते हैं. कहा कि माता दुर्गा हमारे क्षेत्र के हर नागरिक के अंदर सद्बुद्धि दें और सभी को एक अच्छा समाज का निर्माण करने का शक्ति दें.

ईंद मेला में नागपुरी सह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में थिरके लोग

लचरागढ़ में ईंद मेला का आयोजन

संवाददाता । सिमडेगा/कोलेबिरा

कोलेबिरा प्रखंड के लचरागढ़ में परंपरागत एतिहासिक ईंद मेला का आयोजन रविवार को किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में किशोर सुरीन, एनोस एक्का, वहीं विशिष्ट अतिथि सुजान मुंडा, फुलकेरिया डांग, अजीत टोपनो व बिरजो कंडुलना शामिल हुए. रविवार की रात्रि दस बजे से आ

आयोजित कार्यक्रम में रांची के कलाकारों के आधुनिक नागपुरी संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया. रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकार नीतेश कच्छप, जगदीश बड़ाईक, हुलास महतो, प्रीतम, रुपेश बड़ाइक, सुहाना देवी, रुबी, सरिता बड़ाईक, अनीश महली वहीं बंगाल के डांसर रितु, सीमा, दिव्या ने नृत्य की प्रस्तुति की गई. मौके पर किशोर ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन से एक दूसरे से मिलने का मौका मिलता है.

मेला को संबोधित करते हुए एनोस एक्का ने मेला में उपस्थित सभी सदस्य गण, मंचासिन अतिथि गण, पत्रकार बंधु, मेला प्रेमियों, दर्शक बंधुओं को ईद मेला की शुभकामनाएं दी. साथ ही एकता और भाईचारे के साथ कार्यक्रम करने को कहा. उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजित करने वाले समिति के बधाई और धन्यवाद के पात्र हैं. इनके कारण हमारे संस्कृति और परंपरा अभी भी जीवित हैं. ईद मेला का आयोजन बहुत ही सुखद है.

काली पूजा पंडाल के लिए भूमि पूजन

श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति, डोरंडा के द्वारा आयोजित मां काली की 73वें पूजा के निमित्त सोमवार को पूजा पंडाल का निर्माण भूमि पूजन अनुष्ठान के साथ प्रारंभ हुआ. आचार्य दिनेश गांगुली व पंडित जयराम पाठक के सान्निध्य में विधि विधान के साथ यजमान राजू चौरसिया ने भूमि पूजन किया और मां काली की भव्य पूजन की सफल आयोजन की कामना की. इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राजू चौरसिया सचिव जयदेव घोष, निर्मल गुप्ता, अशोक घोष, संजय घोष, श्यामल घोष, सुरेन्द्र मालाकार, मुकेश ठाकुर, विवेक सहाय, प्रदीप पांडेय, डबलू पंडित, कुंदन सिन्हा, अभिजीत ठाकुर, प्रकाश मामा, संजय सिंह, राहुल चौरसिया, विजय सिन्हा, सुनील सिन्हा, रतन सिंह, राकेश पाल, मधुसूदन मुखर्जी, अजय ठाकुर सहित बड़ी संख्या में माता भक्त व स्थानीय लोग उपस्थित थे.

काली पूजा कमेटी का पुनर्गठन

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा काली संघ क्लब भवन में पाटपुर सार्वजनीन काली पूजा कमेटी की एक बैठक चंडी चरण साव की अध्यक्षता में आयोजित हुई. इस बैठक में पिछले साल की लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया तथा इस वर्ष भी धूमधाम के साथ पूजा आयोजन करने का निर्णय लिया गया. जिसमें इस बार पूजा कमेटी द्वारा केदारनाथ धाम के रूप में पंडाल का निर्माण किया जाएगा. साथ ही श्री राम के राज्याभिषेक के थीम पर मां काली के भव्य मूर्ति आकर्षण का केंद्र रहेगा. वहीं 12 नवंबर से 21 नवंबर तक दस दिन व्यापी काली पूजा सह काली मेला का आयोजन काली संघ मैदान में होगी.

छठ व्रतियों को हर सुविधा देगी सूर्यनारायण पूजा समिति : सुरेंद्र

संवाददाता । लातेहार

सूर्यनारायण पूजा समिति, चाणक्यनगरी की एक बैठक स्थानीय विवाह मंडप में आयोजित की गयी. जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने की. सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि इस बार भी औरंगा नदी स्थित मुख्य छठ घाट में छठ व्रतियों को हर सुविधा दी जायेगी. उन्होंने कहा कि पिछले साल की तरह इस साल भी बाइपास चौक से राजहार एवं छठ घाट तक लाइट व ध्वनि की व्यवस्था की जायेगी. उन्होंने समिति के सदस्यों से छठ की तैयारियों में अभी से ही जुटने की अपील की. बैठक में संरक्षक शशिभूषण सिंह ने कई सुझाव दिये और छठ व्रतियों को सुविधा देने में कोई कसर नहीं छोड़ने की बात कही. उन्होंने नगर वासियों से तन, मन व धन से सहयोग देने की अपील की.

बैठक में ये रहे उपस्थित : बैठक में निर्मल महलका, गोविंद प्रसाद, रामहरि प्रसाद, महेंद्र प्रसाद सिंह, लक्ष्मी प्रसाद, रविन्द्र प्रसाद, सुधीर कुमार, विनय प्रसाद, रवि शंकर प्रसाद, विपिन बिहारी ठाकुर, प्रशांत कुमार प्रिंस, मंटू कुमार, रूपेश लाल और राज मोहन मौजूद थे.

विधायक ने महाप्रसाद का किया वितरण

चाकुलिया । चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र के कमारीगोड़ा गांव में श्री श्री लक्ष्मी पूजा कमेटी द्वारा आयोजित लक्ष्मी पूजा के अवसर पर सोमवार को श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरण किया गया. महाप्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी का भोग वितरण किया गया. इस अवसर पर बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार मोहंती उपस्थित हुए. उन्होंने मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना ग्राम वासियों के सुख, समृद्धि और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की. विधायक ने उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया. मौके पर सनातन दास, निताई धल, मनोज दास, अनंत शीट, चंदन सीट, रमेश भारती, मुन्ना भारती, कार्तिक सीट, वरुण सीट, मोहन माईती, गौतम दास, तापस दास और संतोष मुंडा समेत अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे.

सिख एजुकेशन कार्यक्रम में सम्मानित हुए भगवान सिंह

संवाददाता । जमशेदपुर

पश्चिम बंगाल के आसनसोल में आयोजित ग्यारहवें सिख एजुकेशन एंड एक्सेलेंस अवार्ड कार्यक्रम में सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (सीजीपीसी) के प्रधान भगवान सिंह को रविवार को सम्मानित किया गया. उन्हें यह सम्मान सिख समाज के लिए उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित 1984 दंगों की कानूनी लड़ाई लड़ने वाले चर्चित वकील हरविंदर सिंह फुल्का को सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह ने झारखंड आने का न्योता दिया.

जिसे फुल्का के स्वीकार करते हुए जल्द झारखंड आकर 84 दंगा के पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है. इस दौरान सरदार भगवान सिंह ने कई मुद्दों पर फुल्का से बातचीत की. फुल्का ने भगवान सिंह को झारखंड में 84 दंगा पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहयोग करने आश्वासन दिया. उन्होंने अंतिम सांस तक सिखों के हित के लिए क़ानूनी लड़ाई लड़ते रहने की बात कही. आसनसोल में ग्यारहवें सिख एजुकेशन एंड एक्सेलेंस अवार्ड में सिख प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक विकास पर गंभीरता से बात की.

सीजीपीसी ने जारी किया जनगणना का प्रपत्र

जमशेदपुर । सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (सीजीपीसी) ने सिखों के हित में एक पहल करते हुए सोमवार को साकची स्थित सीजीपीसी कार्यालय में सिख जनगणना का प्रपत्र जारी किया. इन प्रपत्रों को सभी गुरुद्वारा के कमेटियों को सौंप कर आगे की प्रक्रिया की जाएगी. इस अवसर पर सीजीपीसी प्रधान सरदार भगवान सिंह ने कहा कि यह पहल पूर्व योजना के तहत की गयी है. पिछले शुक्रवार की आम सभा में घोषित किये गए सिख जनगणना परियोजना को कार्यान्वित करना पूरे कोल्हान के सिखों के लिए हर्ष का विषय है. उन्होने कहा इस जनगणना के माध्यम से कोल्हान का प्रत्येक सिख के प्रत्यक्ष रूप से सीजीपीसी से जुड़ जाने से उनके सुख-दुःख और अन्य समस्याओं पर सीजीपीसी को संपर्क करने में सुविधा होगी.

ये कैसा समाज वृद्ध पिता के लिखित शिकायत के बाद भी अब तक नहीं मिला उन्हें उनका हक

पुत्रों से प्रताड़ित होने पर 84 वर्षीय वृद्ध मांग रहे इच्छा मृत्यु

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर के ट्रांसपोर्ट कोलोनी निवासी 84 वर्षीय वृद्ध सीताराम सिंह अपने 3 पुत्रों और पौत्र से प्रताड़ित होने के बाद इच्छा मृत्यु का अधिकार मांग रहे हैं. फिलहाल वे ब्रह्मर्षि समाज के अध्यक्ष ठाकुर लालबाबू सिंह के यहां शरण लिए हुए हैं. नंगे बदन दूसरे के घर में पेट पालने को मजबूर वृद्ध सीताराम सिंह पूर्व में बिहार ट्रांसपोर्ट में कार्यरत थे और टिकट चेकर का काम करते थे.

उन्होंने बताया कि उनका 3 पुत्र है, बड़ा बेटा अशोक सिंह दिव्यांग है जो पैतृक गांव बलिया उत्तर प्रदेश में रहता है. जबकि मंझला पुत्र विनोद सिंह और छोटा पुत्र संतोष कुमार सिंह ट्रांसपोर्ट कॉलोनी में ही रहता है. दोनों पुत्र अपने पिता को रखना नहीं चाहते हैं. वे छोटा पुत्र के यहां रह रहे थे जो अब पिता को रखना नहीं चाहते हैं. छोटा पुत्र संतोष पर वृद्ध आरोप लगाते हैं कि वो उनके पत्नी का गहना जेवर और रिटायरमेंट का सारा पैसा रख लिए हैं. आवास बोर्ड का जो घर है वो भी पिता के नाम पर है लेकिन संतोष सिंह घर का पेपर भी अपने पास रख कर घर से बेदखल कर दिया है. इनके पेंशन का कागज और आधार कार्ड तक अपने पास रखे हुए हैं. ऐसे में दर दर की ठोकरें खा रहे वृद्ध अब इच्छा मृत्यु का अधिकार मांग रहे हैं. वृद्ध सीताराम सिंह ने इसकी लिखित शिकायत डीसी सरायकेला से भी की है लेकिन 3 माह बीतने पर भी जिला प्रशासन द्वारा सीताराम सिंह को हक़ नहीं दिलाया गया है. सोमवार को सीताराम सिंह प्रेसवालों को बुलाकर आप बीती सुनाई और जिला प्रशासन से मांग किया कि उन्हें केवल अपने नाम का आवास बोर्ड खाली करवा कर दिलवाया जाय और जब्त सारे कागजात वापस दिलाया जाय, बाकी की जिंदगी वो खुद जी लेंगे.

बेबस पिता

- नंगे बदन दूसरे के घर में पेट पालने को हैं विवश
- वृद्ध बिहार ट्रांसपोर्ट के रिटायर्ड टिकट चेकर हैं

मेरे पिताजी पूरी तरह झूठ बोल रहे हैं: संतोष

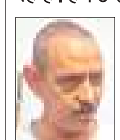

मेरे पिताजी पूरी तरह झूठ बोल रहे हैं. हम उन्हें रखने को तैयार हैं वे ही रहना नहीं चाहते हैं और इधर उधर भटकते रहते हैं. मैं बैचलर रहता हूं पत्नी मायके में रहती है और बच्चे बाहर नौकरी करते हैं. वे मंझले पुत्र को 2 कट्ठा जमीन खरीदकर घर बनाकर दिए हैं. उनको कुछ नहीं बोलते हैं. मैं क्या करूं आखिर उनके संपत्ति में मेरा भी तो कुछ हक है.

तुलसी भवन में साहित्य समिति द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती आयोजित

ऊंच नीच की भावना खत्म करनी होगी

संवाददाता । जमशेदपुर

सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन, तुलसी भवन में साहित्य समिति द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती सह विजया मिलन (काव्य कलश) कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के न्यासी अरुण कुमार तिवारी तथा संचालन माधवी उपाध्याय ने की. इस अवसर पर अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक विजय घोष, संस्थान के न्यासी मुरलीधर केडिया, अध्यक्ष सुभाष चन्द्र मुनका एवं साहित्य समिति के कार्यकारी अध्यक्ष यमुना तिवारी ''व्यथित'' एवं मार्गदर्शिका डॉ. रागिनी भूषण उपस्थित थीं. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इसके बाद मां सरस्वती वंदना एवं महर्षि वाल्मीकि की तस्वीर पर पुष्प अर्पित की गई. मौके पर मानद महासचिव प्रसेनजीत तिवारी ने महर्षि वाल्मीकि की जीवनी पर विस्तृत प्रकाश डाला. उनकी जयंती को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में भी मनाने की जानकारी दी. उन्होंने जोर देकर कहा कि हिन्दू समाज को मजबूत करना है तो जातियों में ऊंच नीच की भावना को समाप्त करना ही पड़ेगा. तत्पश्चात शहर के कुल 45 से अधिक कलमकारों ने स्वरचित काव्य पाठ एवं माता का भजन प्रस्तुत किया.

इन्होंने किया काव्य पाठ : काव्य पाठ करने वालों में नीलिमा पांडेय, निर्मला राव, डॉ. उदय प्रताप हयात, शीतल प्रसाद दूबे, जितेश कुमार तिवारी, कैलाशनाथ शर्मा 'गाजीपुरी', कुमार राजेन्द्र गोस्वामी, प्रतिभा प्रसाद, उपासना सिन्हा, डॉ. वीणा पांडेय 'भारती', रीना गुप्ता, भंजदेव देवेन्द्र कुमार 'व्यथित', विमल किशोर विमल, राजेन्द्र साह 'राज' व सुस्मिता मिश्रा शामिल थीं.

खाद्यान्न और सब्जियों की बढ़ती कीमतों से मध्यम वर्ग परेशान

किसी ने चाय छोड़ दी, किसी ने बाइक

जीवन में खुशियों की जगह पसर रहा है तनाव

- छोटी-छोटी बचत से सपनों को साकार करने में जुटा रहता है मध्यम वर्ग
- सता रही है चिंता, कैसे होगी बच्चों की पढ़ाई, कैसे कराएं बीमार का इलाज

सामान के बढ़ते दाम और मंहगी होती सब्जियों की वजह से मध्यम वर्गीय परिवार इन दिनों काफी परेशान है. समाज का यह ऐसा वर्ग है जिसे हर जीवन को संतुलित रखने के लिए तरह की परेशानी उठानी पड़ती है. हमारी मान्यताओं, परंपराओं के निर्वहन के साथ साथ मान सम्मान का ख्याल रखते हुए इस वर्ग को बहुत कुछ झेलना पड़ता है. यह वही वर्ग है जो छोटी मोटी बचत कर अपने सपनों को पूरा करता है. लेकिन इन दिनों बढ़ती महंगाई ने इनके सपनों को झकझोर कर रख दिया है. गिरिडीह के हरिहर प्रसाद यादव हों या आदित्यपुर के रामजी शर्मा या चाईबासा की अल्बीन कंडुलना. या फिर जमशेदपुर, हजारीबाग, धनबाद का कोई भी मध्य वर्गीय परिवार. सब की गाथा व्यथा एक सी है. बच्चों को पढ़ाना है. बीमार का इलाज करना है. घर का किराया देना है. घर के बेरोजगार के लिए रोजगार की व्यवस्था करनी है. इन सभी के लिए पैसों की जरुरत पड़ती है. जिसे वे अपने बजट में छोटी बचत कर उन जरुरतों को पूरा करने का सपना देखते हैं. लेकिन अब पूछने पर वे कहते हैं सब कुछ महंगाई मार गई. बढ़ती महंगाई से जीवन का लेखा-जोखा बिगड़ गया है. खुशी की जगह तनाव पसरने लगा है. जिंदगी कैसे चलेगी, हमारे सपनों का क्या होगा. वहीं कई ऐसे भी हैं जिन्होंने अपने बजट को संतुलित बनाए रखने के लिए सुबह-शाम की चाय छोड़ दी है. तो किसी ने बाइक छोड़ पैदल चलना मुनासिब समझा. बहुत सारी महिलाओं ने तो श्रृंगार से समझौता कर लिया है ताकि सपनों को सच कर पाएं. शुभम संदेश की टीम ने राज्य के विभिन्न जिलों में मध्य वर्ग परिवार के सदस्यों से बात की है. पेश है रिपोर्ट...

आदित्यपुर

हरी सब्जियों की कीमत आसमान छू रहीं : रीति झा

आदित्यपुर की एक कुशल गृहिणी रीति झा ने कहा कि खाद्य पदार्थ हो या दूध या फिर हरी सब्जी सबके दाम आसमान छू रहे हैं. बात करें आटा चावल की तो पिछले एक वर्ष में इनके कीमतों में 10 से 30 फीसदी की वृद्धि हुई है. दूध की कीमत एक साल में 40 रुपये से 58 रुपये प्रति लीटर हो गया है. हरी सब्जियां तो गरीबों के थाली से दूर ही हो गया है. और अब 50 रुपये से ऊपर प्याज की कीमत हो गई है, आलू भी आम दिनों की अपेक्षा ज्यादा कीमतों पर ही बिक रहे हैं ऐसे में घर चलाना मुश्किल हो रहा है, हमारा घर का तो बजट ही बिगड़ गया है.

घर का बजट गडबड़ा गया है: बी. निम्मी राव

आसमान छूती महंगाई के सवाल पर एक कामकाजी गृहिणी बी. निम्मी राव कहती हैं कि केवल खाद्य पदार्थ ही नहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और खाद्य पदार्थों की कीमतों में एक से 2 सालों में काफी वृद्धि हुई है जिससे घर का बजट बिगड़ गया है. ये बताती हैं कि घर में सास श्वसुर के साथ पढ़ने वाले 2 बच्चे हैं, हम पति पत्नी दोनों कमाते हैं बावजूद इसके घर चलाना मुश्किल है. चूंकि हर चीज महंगी है. खासकर हरी सब्जियां और दूध तो हर दिन महंगे हो रहे हैं. अब प्याज रुलाने को तैयार है, ऐसे में समझ नहीं आता घर कैसे चलाएं.

महंगाई के कारण घर चलाना मुश्किल : रामजी

आदित्यपुर के वरिष्ठ नागरिक और हाल ही में टाटा स्टील से सेवानिवृत हुए रामजी शर्मा बढ़ती महंगाई पर कहते हैं कि मत पूछिए महंगाई के कारण घर चलाना मुश्किल हो गया है. खाद्य पदार्थ हो या दूध या फिर हरी सब्जियां सबके दाम आसमान छू रहे हैं. आटा, चावल की कीमत भी एक वर्ष में काफी बढ़ गए हैं. दूध की कीमत एक साल में 38 रुपये से 62 रुपये प्रति लीटर हो गया है. हरी सब्जियों की कीमत तो 40 रुपए से नीचे आ ही नहीं रही है. अब प्याज की कीमत भी 20 रुपये से सीधे 60 रुपये प्रति किलो हो गया है.

शिक्षा और स्वास्थ्य भी महंगे हुए हैं : बिशु महतो

आसमान छूती महंगाई के सवाल पर छोटे-मोटे कंस्ट्रक्शन का धंधा कर अपने परिवार का भरण पोषण करने वाले व्यवसायी बिशु महतो कहते हैं कि केवल अनाज के ही नहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और खाद्य पदार्थों की कीमतों में दोगुनी वृद्धि हुई है. इसके मुताबिक हमारी आय नहीं बढ़ी है, जिसकी वजह से घर चलाना मुश्किल हो गया है. बाजार में हर चीज महंगी है. खासकर हरी सब्जियां और दूध तो हर दिन महंगे हो रहे हैं. अब प्याज भी रुला रहा है, ऐसे में समझ नहीं आ रहा कि घर कैसे चलाएं. मेरे व्यवसाय से 30 लोग जुड़े हैं.

लातेहार

महंगाई ने कमर तोड़ दी है : अतुल

सहायक अध्यापक अतुल कुमार ने कहा कि महंगाई चरम पर है. महंगाई ने मानो लोगों की कमर तोड़ दी है. खास कर इन दिनों सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं. प्याज तो लोगों को रूला ही रहा है. उस पर झारखंड सरकार के द्वारा सहायक अध्यापकों को कोई सहूलियत नहीं दी जा रही है. अल्प मानदेय में सहायक अध्यापक किसी प्रकार अपना एवं अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे हैं. अगर सहायक अध्यापक अकेला घर में कमाने वाला है तो उसके बाल बच्चों की पढ़ाई भी ठीक से नहीं हो पा रही है. सब मानदेय तो जीवन यापन में ही निकल जा रहा है.

महंगाई पर लगाम जरुरी : राजू प्रसाद

नगर पंचायत कर्मी राजू प्रसाद ने कहा कि जिस प्रकार से दिन प्रति दिन महंगाई बढ़ रही है, यह चिंता का विषय है. अगर महंगाई कम नहीं हुई तो मध्यम वर्गीय परिवारों के समक्ष आफत आ जायेगी. आज दहलन से ले कर तमाम सब्जियां महंगी हो गयी है. 40 रूपये से कम में कोई सब्जी बाजार में नहीं है. ऐसे में आम आदमी परेशान है. उनके थालियों से सब्जियां गायब हो गयी है. प्याज की कीमतें पूछिये ही नहीं . इसकी कीमत में आग लगी है. सरकार को महंगाई कम करने के लिए पहल करनी चाहिए.

बेतहाशा बढ़ रही है महगांई : आंनद कुमार

बाइपास चौक में टी-स्टॉल चलाने वाले आनंद कुमार ने कहा कि महगांई बेतहाशा बढ़ रही है. इसे अब रूकना चाहिए. खाने पीने से ले कर घरेलू उपयोग की सभी सामानों के दाम बढ़ रहे हैं. आम आदमी परेशान हो गया है. इन दिनों सब्जियां भी अपना भाव दिखा रही है. प्याज तो मानो आम आदमी की पहुंच से बाहर की चीज हो गयी है. आखिर यह महगांइ रूकेगी कहां. सरकार को इसे रोकने के लिए पहल करनी चाहिए, नहीं तो आम आदमी का जीवन यापन दूभर हो जायेगा. मध्यम वर्गीय परिवार के अलावा हर वर्ग बढ़ती महगांइ से परेशान है.

मनोहरपूर

रसोई का जायका बिगड़ गया है: अल्वीना कंडुलना

चिड़िया पंचायत के मुखिया सह गृहिणी अल्वीना कंडुलना ने बताया कि हरी सब्जी की कीमतें आसमान छू रही हैं. बाजार में जाने पर सब्जी खरीदना मुश्किल हो गया है. काफी सोच विचार कर सब्जी लेनी पड़ती है. इससे रसोई का जायका बिगड़ गया है. पिछले कई महीनों से खाद्य सामग्री के साथ-साथ हरी सब्जियों की कीमत में काफी वृद्धि हुई है. जबकि इस पर रोक लगानी चाहिए. आखिर कब तक हमलोगों को इसे झेलना पड़ेगा. बढ़ती महंगाई के कारण गृहणियों को काफी परेशानी हो रही है. सरकार इस पर ध्यान देना चाहिए.

हरी सब्जियों की कीमत बढ़ रही है: उषा देवी खुशबू

मनोहरपुर पूर्वी पंचायत समिति सदस्य सह गृहिणी उषा देवी खुशबू का कहना हैं कि कमरतोड़ महंगाई ने रसोई का बजट पूरी तरह से बिगाड़ दिया है. हर खाद्य पदार्थ के दाम आसमान छू रहे हैं. विशेषकर इन दिनों प्याज,टमाटर लहसून, दाल के साथ ही हर चीज की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है.आम मध्यम वर्गीय परिवार के अलावा रोज कमाने खाने वाला मजदूर वर्गों की स्थिति काफी दयनीय है. वे हर रोज कमाते और खाते हैं. वे शाम को जब बाजार जाते हैं तो उनके सामने हरी सब्जी खरीदने के वजाय वे आलू लेकर घर लौटते हैं.

प्याज की कीमत बढ़ने से गृहिणियां परेशान : ममता

गृहिणी ममता सिंह ने बताया कि यह मौसम हरी सब्जियों का है. जब इस मौसम में भी हरी सब्जियां व विशेषकर टमाटर,प्याज,लहसुन महंगी हो गई है.जिससे खाने की थाली से प्याज गायब हो गए हैं.जबकी हरी सब्जियों से सस्ता वर्तमान में अंडा व आलू है. हम अपने किचन में इसका उपयोग अधिक कर रहें है.इनका कहना है कि सरकार बड़े व्यापारी जो जमाखोरी कर अपने मुनाफा के लिए कीमत बढ़ा रहे हैं उनके खिलाफ सरकार कठोर कार्रवाई करें और इस महंगाई से निजात दिलाने के लिए उपाय करे.

घर का खर्च पूरा करना मुश्किल : रिमा साह

खाद्य पदार्थों व सब्जियों की निरंतर बढ़ती कीमतों पर मनोहरपुर निवासी रिमा साह का कहना है कि वर्तमान में बढ़ती महंगाई से घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है. पिछले कुछ दिनों से प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, लहसुन, अदरक, फूल गोभी समेत तमाम सब्जियों की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई है. ऐसे में घर का बजट पूरी तरह से बिगाड़ कर रख दिया है.ऐसी स्थिति बन गई है कि क्या लें क्या नहीं कुछ समझ में नहीं आ रहा है.कहा गया कि हम पहले से ही बच्चों की पढ़ाई लिखाई एवं मौसमी बीमारी से परेशान हैं.

सरकार महंगाई नियंत्रित करे : चांदनी हरलालका

गृहणी चांदनी हरलालका ने कहा कि हम समूह के माध्यम से ऋण लेकर छोटी मोटी कारोबार कर गुजारा करते हैं.वहीं खाद्य सामग्री व हरि सब्जियां ऐसे महंगी होगी तो स्वाभाविक है कि हम पौष्टिक आहार लेना कम कर सिर्फ़ आलू की सब्जियों का ही अधिक उपयोग करेंगे. सरकार को इस महंगाई पर नियंत्रण करना चाहिए. अन्यथा गरीबों के रसोई से हरी सब्जियां व हमारे खाने का जायका खत्म हो जायेगा. सरकार इस कमरतोड़ महंगाई पर अंकुश नहीं लगाया तो आम मध्यम वर्गीय परिवार का जीना मुहाल हो जाएगा.

सरकार को अंकुश लगाना चाहिए: मंजू देवी

मनोहरपुर की मंजू देवी ने कहा कि हरि सब्जियां और खाद्य सामग्री की क़ीमतें आसमान छू रही है.जिससे आम लोगों का बजट तो बिगड़ा ही है किंतु इस कमरतोड़ महंगाई से आम मध्यमवर्गीय एवं ग़रीब परिवारों का ज़िना मुश्किल हो गया हैं.विशेष कर इन दिनों प्याज़ के मूल्यों में आई वृद्धि से रसोई का स्वाद बिगाड़ दिया है.वहीं भोजन की थाली से हरी सब्ज़ीयां भी ग़ायब हो रहीं है.किसी को अनुमान भी नहीं था कि हरी सब्ज़ी व खाद्य सामग्री के दामों में इतनी वृद्धि होगी.सरकार को इस पर विचार करने की जरूरत है.

किरीबुरु

सब्जी नहीं, वोट महंगा हो गया है : राजकुमार

किरीबुरु निवासी राजकुमार गुप्ता का कहना है कि खाद्य पदार्थ व सब्जी महंगी नहीं है, वोट महंगा है. मतदान करते समय जब हम प्रत्येक वोट के एवज में राजनीतिक पार्टियों से पैसा लेकर अपना बहुमूल्य वोट गलत हाथों में देंगे हैं तो इस स्थिति का सामना हमें हमेशा करना पडेगा. जब चुनाव में हम अच्छी और ईमानदार सरकार व जनप्रतिनिधि चुनेंगे तो शायद यह समस्या उत्पन्न नहीं होगी. उसने कहा कि वास्तव में सब्जियों की अचानक बढ़ी महंगाई ने चिंता में डाल दिया है. प्याज 80 रुपये, हरी मिर्च 150 रुपये, लहसुन 200 रुपए किलो हो गए हैं.

महंगाई को लेकर सरकार गंभीर हो : आलोक अजय

पूर्व मुखिया आलोक अजय तोपनो ने कहा कि खाद्य पदार्थों व सब्जियों की महंगाई को नियंत्रित करने के लिये सरकार को गंभीर होना चाहिए. बाजार समितियों को गांव स्तर पर सशक्त बनाना चाहिये. कोल्ड स्टोरेज प्रखंड स्तर पर बनाना चाहिये. पूरे क्षेत्र में बेरोजगारी चरम पर है. ऐसे में गरीब वर्ग की पहुंच से हरी सब्जियां व खाद्य पदार्थ दूर होती जा रही है. सरकार रोजगार का सृजन बडे.पैमाने पर कर महंगाई का बोझ कम करे.इस दिशा में उसे जल्द कदम उठान चाहिए.कारण महंगाई के कारण लोगों की तकलीफ बढ़ती जा रही है.

महंगाई का कारण गलत नीतियां हैं : बसंत सिंह

सेल के ठेकेदार बसंत सिंह ने कहा कि खाद्य पदार्थों की बढ़ती महंगाई का कारण सरकार की गलत नीतियां हैं. हमारा देश कृषि प्रधान देश है, लेकिन सिंचाई व कृषि के क्षेत्र में जिस अनुपात में कार्य होना चाहिए वह नहीं हो रहा है. कृषि भूमि सिमट रही है. रक्षा पर बजट बढ़ रहा है. युद्ध सभी देशों की अर्थ व्यवस्था को प्रभावित कर रही है. आज जो समान 20 रुपये खरीद कर आये हैं, उसी सामान को दो दिन बाद खरीदने जा रहे हैं तो दुकानदार 40 रुपये बता रहा है. ऐसे में दुकानदार के साथ झगड़ा व संबंध खराब हो रहा है.

तो महंगाई कैसे नियंत्रित होगी : राजकपूर गुप्ता

सेल के ठेकेदार राजकपूर गुप्ता ने कहा कि जब हम सरकार से सब कुछ मुफ्त में खोजेंगे तो यह महंगाई कैसे नियंत्रित होगी. आज जनता को राशन, बिजली, पानी आदि सब कुछ मुफ्त में चाहिए. मुफ्त का चावल मिलने की वजह से अनेक किसान व मजदूर मेहनत-मजदूरी करना छोड़ दिये हैं. यही लोग खेती कर महंगाई को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाते थे. जहां तक खाद्य पदार्थों व सब्जियों की अचानक बढ़ी कीमत की बात है तो यह सरकार को चुनाव में आर्थिक मदद करने वाले व्यापारियों से जुड़ा मामला है.

सरकार को गरीबों की चिंता नहीं है : अशोक

सेलकर्मी अशोक कुमार मंडल ने कहा कि पहले 30-40 रुपये में थैला भरकर सब्जी लाते थे. आज थैला भरकर रुपये ले जाते हैं और हाथ में बैगन लाते हैं. इसी से समझा जा सकता है कि महंगाई किस कदर बढ़ गई है. उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह जो सब्जी 20-30 रुपये में खरीदी थी, इस सप्ताह वही सब्जी के दाम दुगुना से अधिक हो गए हैं. हाथों में थैला व पॉकेट में पैसा लिये वापस घर चले आये. सोचने लगा कि शर्म आनी चाहिए शासन व प्रशासन तंत्र को. हम तो नौकरी पेशा वाले हैं, कुछ भी खरीद लेंगे, लेकिन गरीबों का क्या होगा.

चंदवा

महंगाई ने कमर तोड़ दी है : आशीष शुक्ला

चंदवा के फारेस्ट कालोनी निवासी आशीष शुक्ला महंगाई पर टिप्पणी करते हुए कहते हैं कि बच्चों की महंगी शिक्षा व्यवस्था में रोजमर्रा की उपयोगिता वाली वस्तुओं की आसमान छूती महंगाई ने कमर तोड़ दी है. सब्जी मैनेज करते हैं तो दूध की कीमत बजट से बाहर होजाती है,दूध मैनेज करते हैं तो थाली से सब्जी बाहर करने की मजबूरी हो जाती है.आखिर मध्य वर्ग कब तक खाने पीने की चीजों की कीमतों को मैनेज करता रहेगा. सरकार को तत्काल घरेलू रसोई में उपयोग होने वाली खाद सामग्री की कीमतों पर नियंत्रण लगाने की जरूरत है.

हरी सब्जी और प्याज की बढ़ती कीमत से आम लोगों के साथ- साथ विक्रेता भी परेशान

धनबाद। शहर के बाजारों में हरि सब्जी और प्याज के दाम आसमान छू रहे हैं. आम आदमी की थाली से सब्जी दूर होती जा रही है. पिछले 15 दिनों से शहर के बाजारों में कोई भी हरी सब्जी 40 से 50 रुपए प्रति किलो से कम नहीं है. हरी सब्जियों के साथ-साथ प्रतिदिन प्याज की कीमतों में भी उछाल देखा जा रहा है . पिछले 10 दिनों में प्याज 30 रुपये से बढ़कर 70 रुपए प्रति किलो हो गया है .इस बेतहाशा वृद्धि से आम लोगों की थाली से हरी सब्जी के साथ साथ अब प्याज भी गायब हो रहा है. इससे घर के मंथली बजट पर काफी असर पड़ रहा है. जिससे गृहणियों की चिंता बढ़ गई है .वहीं बाजारों में ग्राहकों की कमी से दुकानदार काफी परेशान है.

इस संबंध में हीरापुर स्थित सब्जी विक्रेता अनिल साव ने कहा कि इस महंगाई में गिने चुने ही ग्राहक दुकान पहुंच रहे हैं. उसमें भी लोग थोड़ी-थोड़ी ही सब्जियां खरीदते हैं. जिससे पूंजी भी नहीं आती है . अगर सब्जियां थोड़ी सस्ती होती तो खरीदार भी बढ़ते जिससे इस महंगाई में घर परिवार चलाना थोड़ा आसान होता.वहीं झरिया के सब्जी विक्रेता किशोर शाहू ने कहा कि लगातार सब्जियों में हो रही वृद्धि से आम लोगों के साथ साथ सब्जी विक्रेता भी काफी परेशान है . घर परिवार चलाना काफी मुश्किल हो रहा है . इस बढ़ती महंगाई पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार को संज्ञान लेना चाहिए .

सब्जी के दाम प्रति किलो

- प्याज - 60 से 70 रु
- टमाटर - 40 से 50 रु
- करेला - 60 रु
- भिंडी -60 से 70 रु
- पटल- 40 से 50 रु
- फ्रेंचबिन-80 रु
- सीम- 60 से 70

हजारीबाग

लोगों का जीना मुहाल हो गया : चंदन कुमार

ओकनी निवासी चंदन कुमार ने कहा कि महंगाई इतनी बढ़ गई है कि लोगों का जीना मुहाल है. बजट ठीक करने के लिए सुबह-शाम पूरे परिवार ने चाय पीने की आदत छोड़ दी. अब घर में चाय नहीं आएगी. उसके पैसे सब्जियों में लगा दिए. महिलाएं भी श्रृंगार के सामान में कटौती कर खाद्य-पदार्थों के बजट को संतुलित करने के प्रयास में लगे हैं.

अच्छा है प्याज-लहसुन नहीं चलता : दिलीप कुमार

विष्णुपुरी निवासी दिलीप कुमार सिन्हा कहते हैं कि उनका परिवार विशुद्ध वैष्णवी है. अच्छा है कि घर में प्याज-लहसुन नहीं चलता है. प्याज महंगा हो गया है. आगे भी घर का बजट सुधारने की योजना बना रहे हैं. चूंकि लोकसभा चुनाव के बाद महंगाई और बढ़ेगी. सूखी रोटी और चावल दाल के साथ एक सब्जी बन रही है. इससे रसोई गैस की भी खपत कम हो रही है. आखिर कहीं-न-कहीं तो कटौती करनी ही होगी.

मध्यम वर्गीय परिवार का जीना मुहाल है : प्रतिमा

शिवदयालनगर निवासी प्रतिमा कुमारी का कहना है कि मध्यमवर्गीय परिवार का तो जीना मुहाल है. गृहिणी होने के कारण घर कैसे मैनेज करते हैं, यह वही समझ सकती हैं. उन्हें महीने में घर चलाने के लिए पति से 10 हजार रुपए मिल जाते हैं. बड़ा परिवार है. पहले तीन तरह की सब्जियां बना लेती थीं. अब तो एक ही सब्जी बनती है. बच्चों को समझा नहीं सकतीं. लेकिन महंगाई के कारण मजबूरी है.

अब सोचना पड़ रहा है : पंचानन सिन्हा

नुरा के सेवानिवृत्त शिक्षक पंचानन सिन्हा कहते हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद अब सोचना पड़ रहा है. महंगाई दिन-ब-दिन आसमान छू रही है. सब्जियों से लेकर खाद्य पदार्थों की कीमत से जीना मुश्किल कर दिया है. लेकिन ऐसे में ही परिवार की गाड़ी खींचने की मजबूरी है. बाइक चलानी छोड़ दी है ताकि पेट्रोल के बचे पैसे से घर का बजट कुछ तो संतुलित हो पाएगा.

15 हजार रु. में भी नहीं चल रहा घर : संदीप सिन्हा

नुरा के ही संदीप सिन्हा कहते हैं कि महीने में 15 हजार रुपए में भी घर नहीं चल रहा है. न ढंग की सब्जियां खा रहे हैं और न ही बच्चों की पसंद की मिठाइयां ला पा रहे हैं. थाली से एक-एक कर स्वाद के हर चीज कम पड़ने लगे हैं. घर का बजट बढ़ाने का कोई साधन नहीं है. प्याज तो नवरात्र से ही बंद कर दिया. तीन तरह की सब्जियों की जगह एक से काम चलाना पड़ रहा है.

सब्जियों की कीमत काफी बढ़ चुकी है : रेखा देवी

चौपारण की रेखा देवी कहती हैं महंगाई की मार लगातार पड़ रही है. प्याज के दाम बढ़ने के साथ अब अदरक और हरी मिर्चा के रेट भी बढ़ चुके हैं. धनिया पत्ता भी 300 रुपया किलो बिक रहा है. सब्जियों के दाम सातवें आसमान पर पहुंच गए हैं. सब्जियों के बढ़ते दाम ने खाने का स्वाद बिगाड़ दिया है. फूलगोभी, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी, नेनुआ, फरसबीन, अदरक जैसी अन्य सब्जियों की कीमतें सामान्य से ज्यादा बढ़ चुकी हैं.

गिरिडीह

महंगाई बढ़ रही है आमदनी नहीं : अखिलेश भदानी

जमुआ के अखिलेश कुमार भदानी ने कहा कि बढ़ती महंगाई से मध्यम परिवार के लोग काफी परेशान है . खाद्य सामग्री के साथ-साथ हरी सब्जियों की कीमतें भी तेजी से बढ़ रही है . जितनी आमदनी है उतने में घर का खर्चा चलाना मुश्किल हो गया है . हर महीना आमदनी से अधिक खर्च हो जा रहा है. आखिर मध्यम वर्गीय परिवार इसको कब तक झेल सकेगा . जिस गति से महंगाई बढ़ रही है उसे हिसाब से आमदनी नहीं बढ़ पा रही है . राज्य और केंद्र सरकार को मध्यम वर्गीय परिवार के बारे में भी चिंता करनी चाहिए . बढ़ती महंगाई के कारण दो वक्त का भोजन भी ठीक से नहीं हो पा रहा है.

मध्यम वर्ग काफी चिंतित है: हरिहर प्रसाद यादव

बेंगाबाद के घाघरा गांव निवासी हरिहर प्रसाद यादव ने कहा कि दिनों दिन बढ़ती महंगाई से मध्यम वर्गीय परिवार काफी चिंतित है. खाद्य सामग्री और हरी सब्जियों की कीमतें लगातार बढ़ रही है जिससे रसोई का जायका का बिगड़ गया है . कई मध्यम वर्गीय परिवार को दाल और हरी सब्जी खरीद कर खाना मुश्किल हो गया है . खाद्य सामग्री की महंगाई इसी तरह बढ़ती रही तो मध्यम वर्गीय परिवार को दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं हो सकेगी .

हर चीज की कीमत बढ़ गई है : मनोज कुमार

शिक्षक मनोज कुमार का कहना है कि खाद्य सामग्री में आटा और मसालों की कीमतें काफी बढ़ गई है . हरी सब्जियों की कीमतें भी बढ़ी है . ग्रामीण क्षेत्रों में काफी मात्रा में उपजाई जाने वाले मूली की कीमत भी पचास रुपए किलो से अधिक है . सरकारी नौकरी में रहने के बाद भी घर का खर्च चलाने में परेशानी हो रही है. पेट्रोल और रसोई गैस की कीमत से भी परेशानी हो रही है . दो वक्त के भोजन के लिए कई प्रकार के खर्चे में कटौती करनी पड़ रही है.

खाने का स्वाद बिगड़ गया है : छोटन यादव

डुमरी में एक बैंक में डेली बेसिस पर काम करने वाले छोटन यादव ने कहा कि मध्यम वर्गीय परिवार की सीमित होती है और उसी में उसे अपना घर चलना पड़ता है . खाद्य सामग्री से लेकर बच्चों की पढ़ाई में सारा पैसा खर्च हो जा रहा है . बढ़ती महंगाई के कारण रसोई का जयका बिगड़ गया है . थाली से पौष्टिक आहार गायब होते जा रहा है . महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया तो सबसे ज्यादा परेशानी मध्यवर्गीय परिवार को हो जाएगी . घर की जरूरत को पूरा करने में मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया का पसीना छूट रहा है . उन्होंने कहा कि पिछले दिनों बैंक से लोन लेना पड़ा था तब जाकर घर की जरूरत है पूरी हो सकी थी .

थाली से गायब हो रही हरी सब्जी : दिलीप कुमार

धनवार प्रखंड के दिलीप कुमार शर्मा ने कहा कि महंगाई दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है . हरी सब्जी मध्यम वर्गीय परिवार के थाली से गायब होने लगा है . दाल,तेल और आटा की कीमतें काफी बढ़ गई हैं . इन सामग्री के बिना घर में खाना बनाना मुश्किल हो गया है . उन्होंने कहा कि बाजार से खरीद कर हरी सब्जी लाना बंद हो गया है . आलू और प्याज की भी कीमत काफी बढ़ गया है . उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से महंगाई पर काबू लाने की मांग की है .

चक्रधरपुर

हो रहा परिवार चलाना मुश्किल : आरती देवी

चक्रधरपुर निवासी आरती देवी ने कहा कि महंगाई के कारण हर वर्ग परेशान हैं. खासकर मध्यम वर्ग के लोगों को ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. जरूरत के सामानों के दामों में दिन प्रतिदिन अत्यधिक बढ़ोतरी हो रही है. महंगाई पर लगाम लगनी चाहिए अन्यथा परिवार चलाना मुश्किल हो जाएगा.पिछले कुछ महीनो से सब्जियों के दाम में भी अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है. जिसके कारण खाने की थाली से हरी सब्जियां गायब हो रही है.

मध्यम वर्ग के लिए योजना नहीं : अभिजीत कुमार

चक्रधरपुर निवासी अभिजीत कुमार ने कहा कि आर्थिक रूप से मजबूत लोगों को बढ़ती महंगाई से ज्यादा दिक्कत नहीं होती है. वही गरीब तपके के लोगों के लिए सरकार की ओर से कई प्रकार की योजनाएं चलाई जाती है, लेकिन मध्यम वर्ग के लोगों के लिए सरकार की ओर से किसी प्रकार की योजना नहीं चलाई जाती. महंगाई बढ़ने से सबसे ज्यादा परेशानी मध्यम वर्ग के लोगों को ही होती है. पिछले दो तीन सालों में तेजी से महंगाई बड़ी है.

घर के राशन में की जा रही कटौती : अंजू देवी

चक्रधरपुर निवासी अंजू देवी ने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण घर के राशन में कटौती की जा रही है. बाजार से अब दो वक्त की सब्जी भाजी खरीदने में भी काफी पैसे खर्च हो जाते हैं. स्कूल में बच्चों की अत्यधिक फीस, महंगी दवाइयां के साथ-साथ खाने पीने के सामान के दामों में भी बढ़ोतरी हो गई है. जिससे आम जनजीवन त्रस्त है. सरकार को मध्यम वर्ग के लोगों के प्रति भी ध्यान दिया जाना चाहिए. खासकर प्राइवेट नौकरी करने वाले लोगों को किसी प्रकार की राहत नहीं है.

धनबाद

निजी नौकरी वालों के लिए मुश्किल : अनिल

निजी स्कूल के शिक्षक कोयलानगर निवासी अनिल कुमार ने बताया कि बीते एक से दो माह में सब्जी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है. जहां हरी सब्जी हरी सब्जियों के दाम लगभग दो गुने हो गए हैं तो वहीं आम व गरीब लोगों की सब्जी आलू की कीमत में भी वृद्धि हुई है. सब्जियों की कीमत में हुई बेतहाशा वृद्धि का असर भोजन की थाली पर पड़ रहा है.छोटी मोटी निजी नौकरी करने वाले लोगों के लिए इस समय घर चलाना मुश्किल साबित हो रहा है.सरकार इसे नियंत्रित करे.

खर्च हो जा रही है बचत की राशि : सर्वेश कुमार

सरकारी कार्यालय में कांट्रेक्ट पर काम करने वाले नुतनडीह निवासी सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि महंगाई ने मासिक राशन खर्च बढ़ा दिया है. हाल के दिनों बढ़ी सब्जियों की कीमतों ने किचन का पूरा बजट गड़बड़ा दिया है. आय की तुलना में व्यय बढ़ गया है. महीने के आकस्मिक खर्च और बचत की राशि किचन में खर्च हो जा रही है. इससे घर का बजट बिगड़ गया है. यही स्थिति बनी रही तो आगे घर चलाना मुश्किल हो जाएगा.इस दिशा में सरकार को राहत के लिए पहल करनी चाहिए.

बढ़ी महंगाई ने किया परेशान : प्रो. बिनोद

आरएसपी कॉलेज में कांट्रेक्ट शिक्षक गोविंदपुर निवासी प्रो बिनोद एक्का ने बताया कि एक तो वे कांट्रेक्ट कर्मियों को मिलने वाली अनियमित मानदेय से परेशान हैं दूसरी ओर त्योहार के मौसम में महंगाई ने परेशान कर रखा है. महंगाई की मार ने घर व किचन का बजट बिगाड़ दिया है. खाने की थाली से हरी सब्जी गायब होने लगी है. सप्ताह में दो से तीन दिन चना, दाल, बेसन की सब्जी बनाकर काम चला रहे हैं.मध्यम वर्ग के लिए इस समय घर चलाना काफी मुश्किल हो रहा है.

पैसों की किल्लत से परेशान हैं : प्रदीप झा

कोचिंग संचालक तेलीपाड़ा निवासी प्रदीप झा ने बताया कि निजी शिक्षक व कोचिंग संचालक अब तक कोरोना की मार से उबर नहीं पाए हैं. दूसरी ओर ऑनलाइन टीचिंग ऐप उनकी कमाई में बट्टा लगा रहा है. ऐसे समय में त्योहार के मौसम में आई महंगाई ने आम लोगों को परेशान कर दिया है. हरी सब्जी से लेकर आलू प्याज व राशन की कई आइटम की कीमत बढ़ गई है. पैसों की किल्लत से परेशान हैं .जिस तरह महंगाई बढ़ी है हमें अपनी आय भी बढ़ानी होगी.

जमशेदपुर

अब घर चलाने के लिए चाय बेच रहा हूं : अशोक

गोलमुरी के अशोक कुमार चाय बेचते हैं. उन्होंने कहा कि छोटे मोटे काम के बाद जो समय मिलता है उसमें दुकान चलाते है. परिवार में आठ लोग हैं. ठेकेदारी की कमाई से खर्च नहीं चल रहा था तो चाय बेचना शुरू कर दी. घर से दुकान, दुकान से घर, अब एक मिनट की भी फुर्सत नहीं मिलती. लेकिन क्या करूं, महंगाई से विवश हूं. महंगाई से निपटना आसान नहीं है. महंगाई की वजह से किचन में पर्याप्त सब्जियां नहीं आ पा रही हैं. जैसे-तैसे जीवन का गुजारा करने की कोशिश कर रहा हूं.

कार्यक्रम बनाती हूं, पर जा नहीं पाती :अनीता देवी

मानगो निवासी अनीता देवी महंगाई इतनी बढ़ गई है कि किसी पर्यटन स्थल पर घूमने जाने का कार्यक्रम बस बनाती रहती हूं पर जा नहीं पाती हूं. पैसा ही नहीं बचता है. फ्लैट, मकान तो सपना है. विवाह की सालगिरह, बच्चों का जन्मदिन जैसे अवसरों पर भी होटल, रेस्टोरेंट भी नहीं जा पाती हूं. हाल में सिनेमा देखे कितने माह हो गए, याद नहीं. खाने और शिक्षा में कटौती नहीं करती हूं. हालांकि अन्य खर्च में रोक लगा दी है. फिजूल का खर्च नहीं करती हूं.

तीन घरों में काम करना पड़ रहा है : रीता नायडू

रीता नायडू ने कहा कि घरेलू काम करती हूं. पहले दो घरों में काम कर घर चला लेती थी, पर अब तीन घरों में काम करना पड़ रहा है. एकदम समय नहीं मिलता. अधिक काम करने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है फिर भी करना पड़ता है. तीन हजार रुपये मकान का किराया देती हूं. बढ़ती महंगाई ने किचन को प्रभावित करने का कार्य किया है. सब्जी के साथ ही खाद्यान्न के मूल्यों में हुई बढ़ोतरी ने मुश्किल को बढ़ाने का कार्य किया है. महंगाई से बजट गड़बड़ा रहा है.

महंगाई से समस्याएं बढ़ गई है : अमन मिश्रा

अमन मिश्रा कहते है कि दिन-प्रतिदिन बढ़ती महंगाई से समस्याएं बढ़ गई है. सब्जी व खाद्यान्न का बढ़ता मूल्य खर्चों को बढ़ा रहा है. सब्जियां सस्ती नहीं हैं. गैस की कीमतें बढ़ गई हैं. अमीरों पर महंगाई का कोई फर्क नहीं पड़ रहा है. गरीबों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है. सरकार को गरीबों के लिए कुछ करना चाहिए ताकि महंगाई पर लगाम लगाई जा सके.इस समय सिर्फ सब्जियां ही नहीं, कमोवेश सभी सामान के दाम भी बढ़ रहे हैं. महंगाई इस कदर बढ़ गई है कि बजट फेल हो गया है.

बोकारो

किसी तरह हो रहा है गुजारा : काशीनाथ केवट

बोकारो जिले के पेटरवार प्रखंड के चलकरी निवासी सेवानिवृत्त सीसीएल कर्मी काशीनाथ केवट का कहना है कि आसमान छूती महंगाई से हर आदमी त्रस्त है. घर चलाने के लिए राशन, सब्जी समेत अन्य सामानों के भाव इतने बढ़ गए हैं कि अब लोग अपने घरेलू खर्च में कटौती कर किसी तरह गुजारा कर रहे हैं. बाजार में तो सब्जियों के भाव देखकर लोग एक दो तरह की सस्ती सब्जियां खरीदकर वापस घर लौट आते हैं. महंगाई कम करने की दिशा में केंद्र सरकार को ध्यान देना चाहिए, लेकिन सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही है. इसका खमियाज आम जनता को उठाना पड़ रहा है.

आम आदमी का दर्द कौन सुनेगा : सुकुमार

बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड के भेंडरा गांव निवासी सुकुमार ने कहा कि महंगाई का नाम सुनते ही डर लगने लगता है. महंगाई रोकने व कम करने के लिए सरकारों को प्रयास करना चाहिए. लेकिन राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार, सभी अपना सत्ता बचाने व संपत्ति बनाने में लगी है. इस स्थिति में आम आदमी के दुख दर्द कौन सुनेगा. महंगाई के कारण घर का खर्च मैनेज करने में काफी परेशानी हो रही है. स्थानीय सांसद हो या विधायक किसको फरियाद करें. आम जनता यह समझ नहीं पा रही है. बढ़ती महंगाई से हर घर के लोग परेशान हैं, लेकिन सरकारें कान में तेल डालकर चैन की नींद सो रही है.

बिगड़ गया है घर का बजट : विजय कुमार झा

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के बारु निवासी व्यवसायी विजय कुमार झा ने बताया कि महंगाई के कारण घर चलाने में सभी को परेशानी हो रही है. खासकर चावल, दाल, तेल से लेकर बाजार में सब्जियों के भाव में जो तेजी आयी है, उससे घर का बजट बिगड़ गया है. घर का बजट बिगड़ने से खर्च बड़ी मुश्किल से मैनेज करना पड़ता है. उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण पूजा बाजारों में भी रौनक नहीं के बराबर दिखा. इंसान को जितनी जरूरत है, उतनी ही खरीदारी कर पा रहे हैं. महंगाई से मध्यम वर्गीय परिवार की मुश्किलें काफी बढ़ गयी है. साथ ही घर में खाने का जायका भी बिगड़ गया है.

घर चलाना हो रहा है मुश्किल : सरस्वती सिंह

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड की करमा गांव निवासी एनजीओ कर्मी सरस्वती सिंह का कहना है कि महंगाई के हिसाब से हम जैसे लोगों की मासिक आय नहीं बढ़ रही है, जिसके कारण घर चलाना मुश्किल हो गया है. खाद्य सामग्री और हरी सब्जियों की कीमतों में उछाल से घर का बजट पूरी तरह से बिगड़ गया है. घर से झोला लेकर बाजार तो जाते हैं, लेकिन सब्जियों के भाव देखकर सस्ती सब्जियों की खरीदारी करना पड़ता है. महंगी सब्जियों की खरीदारी अब मध्यमवर्गीय परिवार के लोगों के वश की बात नहीं है. महंगाई को रोकने की दिशा में सरकार को प्रयास करना चाहिए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके.

गोड्डा

कम आय वालों को ज्यादा मुश्किल : देवेंद्र महतो

निजी क्लीनिक में कंपाउंडर के रूप में कार्य करने वाले देवेंद्र महतो कहते हैं कि महंगाई का असर कम आय वाले परिवार पर ज्यादा पड़ता है. आय का श्रोत पहले से निश्चित रहता है और उसमे महंगाई के अनुरूप तत्काल कोई बढ़ोतरी तो नहीं होती है.

अब समान कम मात्रा में लेते हैं : नरेश साह

सरकारी कर्मी नरेश साह कहते हैं कि महंगाई भत्ता तो मिलता है, लेकिन बाजार जाने पर अचानक पता चलता है कि कीमतों में उछाल आ गया है तो समान नहीं लेते हैं या कम मात्रा में लेते हैं. जरूरी सामानों की कीमतों पर सरकार का नियंत्रण होना चाहिए.

प्याज में बढ़त हो हल्ला वाली बात नहीं है : प्रणव

सहायक के तौर पर कार्यरत प्रणव कुमार कहते हैं कि खाद्यान की कीमत तो करीब करीब स्थिर है. सब्जी की कीमतों में भी मामूली उछाल आई है.प्याज में कुछ तेजी है लेकिन इसके लिए बहुत हाय तौबा मचाने की जरूरत नहीं है. सरकारी तंत्र सक्रिय है, जल्द सब कुछ सामान्य हो जायेगा.

खर्चे पूरा करना मुश्किल हो जाता है: बबीता साह

गृहणी बबीता साह बताती है कि अचानक महंगाई बढ़ने से दिक्कत तो हो जाती है. निश्चित आय वाले के घर अगर कुछ पैसे का भी इधर-उधर कर दिया जाए तो निश्चित है कि बजट गड़बड़ा जाता है. ऐसे में जब सब्जी के रेट में तेजी आती है तो स्वाभाविक है घर का बजट बिगड़ेगा ही. बाजार में सिर्फ एक सब्जी ही नहीं बल्कि इसके अलावा अन्य चीजों में भी तेजी आई है. इससे खर्चे पूरा करना मुश्किल हो जाता है.

नियंत्रण का काम सरकार का है: बेनू चौबे

गृहिणी बेनू चौबे बताती हैं कि आवश्यक सामानों की कीमतों को नियंत्रित करने का काम सरकार का है. सरकार जब ढील दे देती है तो इसका फायदा मुनाफाखोर व्यापारी उठा लेते हैं. बाजार पर जब पकड़ ढीली पड़ जाती है तो कीमतें भाग जाती हैं. सरकार को बाजार की नब्ज पर पकड़ बनाए रखने की आवश्यकता है ताकि बाजार के मांग के अनुरूप सामानों की आपूर्ति हो सके और कीमतों को नियंत्रित किया जा सके. इसलिए इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए ताकि लोगों को उचित कीमत पर सामान मिले.

साहिबगंज

महंगाई से मध्य वर्ग परेशान : फिरोज खान

बरहेट प्रखंड निवासी फिरोज खान ने कहा कि बढ़ती महंगाई से मध्यम वर्गीय परिवार के लोग काफी परेशान हैं. खाद्य सामग्री के साथ-साथ हरी सब्जियों की कीमतें भी तेजी से बढ़ रही है. जितनी आमदनी है उतने में घर का खर्चा चलाना मुश्किल हो गया है. प्रत्येक महीना आमदनी से अधिक खर्च हो जा रहा है. कई मध्यम वर्गीय परिवार को दाल और हरी सब्जी खरीद कर खाना मुश्किल हो गया है. खाद्य सामग्री की कीमतें इसी तरह बढ़ती रही तो मध्यम वर्गीय परिवार को दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं हो सकेगी.

सरकार को प्रयास करना चाहिए : उरान शेख

साहिबगंज राजमहल प्रखंड दाहुटोला पंचायत निवासी उरान शेख का कहना है कि महंगाई का नाम सुनते ही डर लगने लगता है. महंगाई रोकने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार को प्रयास करना चाहिए. लेकिन राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार सब को अपनी सत्ता की फिक्र है. आम आदमी या मध्य वर्गीय परिवार बढ़ती महंगाई से परेशान है. दो वक्त के भोजन के लिए इस समय उसे कई तरह की कटौती करनी पड़ रही है.

सामान की कीमतें काफी बढ़ गई हैं : मुंशी किस्कू

साहिबगंज तालझारी प्रखंड निवासी मुंशी किस्कू ने कहा कि महंगाई दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है . हरी सब्जी मध्यम वर्गीय परिवार की थाली से गायब होने लगी है . दाल,तेल और आटा की कीमतें काफी बढ़ गई हैं . इन सामग्री के बिना घर में खाना बनाना मुश्किल हो गया है . उनका कहना है कि बाजार में आलू और प्याज की भी कीमत काफी बढ़ गई है. केंद्र और राज्य सरकार को महंगाई पर काबू के लिए प्रयास करना चाहिये. बढ़ती महंगाई का खमियाजा आम जनता को उठाना पड़ रहा है. महंगाई से घर का बजट पूरी तरह से बिगड़ गया है. अब तो स्थिति यह है कि बहुत सारी चीजों में भी कटौती करनी पड़ रही है. ताकि बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरुरी चीजों को पूरा किया जा सके. सरकार को इस दिशा में सख्ती के साथ पहल करनी चाहिए ताकि महंगाई पर नियंत्रण किया जा सके.

ब्रीफ खबरें

मुस्लिम बस्ती के पास आए 32 हाथी

चाकुलिया। चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र स्थित मुस्लिम बस्ती के पास स्थित शेख पाड़ा के पास सोमवार की शाम को 32 जंगली हाथियों के आ जाने से क्षेत्र में दहशत है. बस्ती के लोग हाथियों के भय से अपने घरों से बाहर निकल आए हैं. ग्रामीण मशाल जलाकर और पटाखे फोड़ कर हाथियों को भागने की कोशिश में जुटे हैं. हाथियों के आने की सूचना वन विभाग को दी गई है. वन विभाग की क्विक रिस्पांस टीम अभी तक नहीं पहुंची है. जानकारी के मुताबिक उक्त जंगली हाथी गोविंदपुर की ओर से निकले और हाटचाली के पास स्थित बस्ती से सटे शेख पाड़ा के पास आ पहुंचे.

सोमवार को राज्य में मिले डेंगू के 11 मरीज

रांची। सोमवार को राज्य भर में डेंगू के 11 मरीज मिले हैं. बता दें कि राज्य भर में 262 संदिग्ध मरीज मिले थे. जांच के बाद 11 में डेंगू की पुष्टि हुई है. इनमें पूर्वी सिंहभूम में 6, हजारीबाग में 2, सरायकेला में 2 और पश्चिमी सिंहभूम में डेंगू के 1 मरीज मिले हैं. वहीं चिकनगुनिया के भी 24 संदिग्ध मरीज मिले है.

इमरजेंसी के बाहर 4 मरीजों ने तोड़ा दम

धनबाद। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के इमरजेंसी में जमकर हंगामा हुआ. इमरजेंसी में भर्ती होने आए चार मरीजों की मौत हो गई. चारों मरीज की स्थिति गंभीर थी. समय रहते चारों मरीजों को इमरजेंसी में बेड नहीं मिला. स्ट्रेचर पर ही इमरजेंसी के बाहर इलाज शुरू किया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी. जिनकी मौत हुई, उनमें गिरिडीह के आनंद कुमार टुडू और बूढ़ी टुडू, कमलेश राय और दुमका से रेफर हुए कैदी प्रदीप कुमार किस्कू शामिल हैं. मृतक के परिजनों का कहना था कि उनके मरीज गंभीर अवस्था में थे. बेड की कमी बता स्ट्रेचर पर ही रखा गया.

सब्जी बेचने वालों पर कार्रवाई की मांग

लातेहार। नगर पंचायत क्षेत्र के थाना चौक के पास कांजी हाउस परिसर में सब्जी बेचने वाले फुटकर विक्रेता सोमवार को नगर पंचायत पहुंचे. उन्होंने नगर पंचायत के प्रशासक राजीव रंजन को एक आवेदन सौंपा. अपने आवेदन में सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि पूर्व में वे लोग श्री हनुमान मंदिर, थाना चौक के पास सब्जी बेचा करते थे. बाद में नगर पंचायत द्वारा उन्हें वहां से हटा कर लातेहार थाना के पीछे कांजी हाउस की जमीन सब्जी बेचने के लिए उपलब्ध कराया गया.

डीवीसी की जमीन बेचने की तैयारी में भू-माफिया

बेरमो। गोमिया और कथारा मुख्य सड़क के छिलका पुल के पास डीवीसी की जमीन को भू-माफिया बेचने की तैयारी में हैं. उक्त जमीन पर डीवीसी की ऐश को हटाकर प्लॉटिंग कर दी गई है. बता दें कि बोकारो थर्मल कोनार नदी के किनारे डीवीसी उक्त जमीन का अधिग्रहण उसी समय किया था, जब डीवीसी बोकारो थर्मल का निर्माण किया जा रहा था. तब तत्कालीन मुख्य अभियंता जीपी सिंह ने खाली पड़े जमीन पर थर्मल पावर का ऐश को वहां गिराया था. इसके बाद उसपर ऊपर मिट्टी डालकर समतल करा दिया था. लेकिन इधर, कुछ दिनों से इस जमीन से ऐश हटाकर प्लॉटिंग कर बेचने की तैयारी की जा रही है. इस संबंध में डीवीसी बोकारो थर्मल के उप महाप्रबंधक बीजी होलकर ने बताया कि जमीन प्लॉटिंग जैसा निशान बनाये जाने की जानकारी मिलने के बाद भू-संपदा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी को भेजकर जांच शुरू कर दी गई है.

10 सूत्री मांगों को लेकर चांडिल डैम के 84 मौजा के विस्थापित फिर हुए नाराज, निकाली पदयात्रा

विस्थापितों का धैर्य टूटा, अनशन करने पहुंचे राजभवन

संवाददाता। रांची

अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर चांडिल डैम के 84 मौजा के विस्थापितों का धैर्ट टूटता जा रहा है. अखिल झारखंड विस्थापित अधिकार मंच के तत्वावधान में वे लोग आमरण अनशन करने फिर राजभवन पहुंचे हैं. सोमवार को सभी चांडिल से नामकुम रेलवे स्टेशन पहुंचे.

वहां से राजभवन तक अधिकार पदयात्रा निकाली. विस्थापितों द्वारा जाकिर हुसैन पार्क के पास अनिश्चितकालीन आमरण अनशन करने का निर्णय लिया गया है. बता दें कि 17 अक्टूबर को इन्होंने राजभवन को ज्ञापन सौंपा था. इससे पहले गत 3 अक्टूबर को चांडिल से पदयात्रा करते हुए ये लोग राजभवन पहुंचे थे. एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन के दौरान राजभवन द्वारा कहा गया था कि चार दिन के उपरांत राज्यपाल विस्थापितों की समस्या सुनेंगे. 28 दिन बीत जाने के बाद भी कोई सूचना नहीं मिलने पर विस्थापित फिर राजभवन पहुंचे हैं.

122 दिनों तक चांडिल में धरना दे चुके हैं

मंच के अध्यक्ष राकेश रंजन महतो ने कहा कि चांडिल डैम के 84 मौजा के 116 गांवों के विस्थापित 16 जून 2023 से चांडिल डैम स्थित पुराना अधीक्षक कार्यालय परिसर में 122 दिनों से अधिक दिनों तक अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे थे. परंतु अभी तक विस्थापितों की मांगों को लेकर विभाग एवं सरकार द्वारा कोई सकारात्मक पहल नहीं की गयी है. वहीं नवोदय जनतांत्रिक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन महतो ने कहा कि झारखंड के लिए सबसे अहम मुद्दा विस्थापन नीति है. यहां के लोग विस्थापित हो जाते हैं, लेकिन उन्हें उनका मुआवजा नहीं मिलता है. पार्टी चाहती है कि झारखंड में स्पष्ट विस्थापन नीति और स्थानीय नीति बने. साथ ही विस्थापन आयोग का गठन हो.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- भूमिज विद्रोह को अंग्रेजों ने क्या कहा था ?- गंगानारायण का हंगामा
- भूमिज विद्रोह के परिणामस्वरूप झारखंड में किस नये जिले का गठन हुआ ?- मानभूम
- झारखंड राज्य के किस क्षेत्र को दामिन-ए-कोह कहा जाता था ? - संथाल परगना
- सिद्धू कान्हू के नेतृत्व में किस विद्रोह का प्रारंभ हुआ था ?- संथाल विद्रोह
- अंग्रेजों द्वारा सिद्धू एवं कान्हू को कहां फांसी दी गई ?- बरहेट
- संथाल विद्रोह के परिणामस्वरुप संथाल परगना जिले की स्थापना कब हुई ?- 30 नवंबर 1856

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट गवर्निंग काउंसिल की बैठक संपन्न

अनुशंसा के लिए 100 करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव

संवाददाता। धनबाद

उपायुक्त वरुण रंजन की अध्यक्षता में सोमवार को न्यू टाउन हॉल में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट गवर्निंग काउंसिल की बैठक संपन्न हुई. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जनप्रतिनिधियों से कुल 578 योजनाओं की अनुशंसा प्राप्त हुई है. इसका कार्यान्वयन राज्य स्तर की अन्य योजनाओं की तरह डीएमएफटी परिकल्पना के अनुरूप करना है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव के द्वारा समीक्षा के क्रम में दिए गए सुझाव एवं स्वास्थ्य सचिव द्वारा तथा भारत सरकार के निर्देश के आलोक में डीएमएफटी के तहत विभिन्न क्षेत्रों के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

इसमें लगभग 378 करोड़ रुपए की राशि आवंटित करने का प्रस्ताव है. कहा कि डीएमएफटी के तहत विभिन्न प्रखंडों में एक करोड़ से ऊपर की राशि की योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है. उन्होंने बताया कि एक करोड़ से अधिक की राशि के तकनीकी प्राक्कलन की स्वीकृति चीफ इंजीनियर के स्तर से की जाती है. इसमें काफी विलंब होता है. कुछ योजनाएं हैं जो राज्य स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त नहीं होने के कारण उनका कार्यान्वयन नहीं हो पा रहा है. बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त सह सचिव, डीएमएफटी न्यास परिषद शशि प्रकाश सिंह ने बताया की डीएमएफटी फंड से सड़क निर्माण, शिक्षा के क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं एवं आधारभूत संरचना में सुधार, महिला-बाल कल्याण विकास के लिए कार्य, आंगनवाड़ी में आधारभूत संरचना एवं मूलभूत सुविधाएं, स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं, खेलकूद से संबंधित कई तरह की योजनाएं, दिव्यांगो के लिए विशेष उपकरण, केज फिशिंग, ट्रैफिक मैनेजमेंट समेत कई बिंदुओं

शिक्षा के क्षेत्र में डेढ़ सौ करोड़ बजट का रखा प्रस्ताव

बैठक में शिक्षा के क्षेत्र में डीएमएफटी न्यास परिषद के समक्ष लगभग डेढ़ सौ करोड़ रुपए के बजट का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें 1727 स्कूलों में सर्वे करा कर मरम्मती, क्लासरूम की आवश्यकता, शौचालय, लैब, पानी, ग्राउंड, बाउंड्री वॉल, लाइब्रेरी, फर्नीचर समेत 11 विषय वस्तु की जानकारी ली गई है. इस सर्वे के अनुसार ही सभी स्कूलों में आवश्यकता के अनुसार कार्य किया जाएगा. वहीं, स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने हेतु डीएमएफटी न्यास परिषद के समक्ष लगभग 50 करोड़ 38 लख रुपये का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें कम्युनिटी हेल्थ सेंटर, प्रायमरी हेल्थ सेंटर, हेल्थ सब केंद्र इत्यादि के मरम्मती के साथ-साथ पानी एवं बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं तथा शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) में बुनियादी संरचना व विभिन्न मेडिकल उपकरण की कमी को पूरा किया जाएगा.

ये लोग थे मौजूद बैठक में सांसद गिरिडीह चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो, विधायक में धनबाद विधायक राज सिन्हा, बाघमारा ढुल्लू महतो, निरसा अपर्णा सेनगुप्ता, झरिया पूर्णिमा नीरज सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, सिंदरी विधायक प्रतिनिधि, विभिन्न पंचायत के मुखिया के अलावा वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, निदेशक डीआरडीए मुमताज अली अहमद सहित अन्य लोग मौजूद थे.

खास बातें

- डीएमएफटी के तहत 378 करोड़ आवंटित करने का है प्रस्ताव
- ट्रैफिक मैनेजमेंट समेत कई बिंदुओं पर चल रहे है कार्य
- एक करोड़ से ऊपर की राशि की योजनाओं को दी है स्वीकृति
- स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 50 करोड़ 38 लख रुपये का प्रस्ताव

डॉक्टर एवं स्टाफ के लिए 5 करोड़ का प्रस्ताव

डीएमएफटी द्वारा पूर्व से 5 करोड़ रुपए की राशि डॉक्टर एवं स्टाफ के लिए स्वीकृत थी, विभिन्न स्थानों पर डॉक्टर एवं पैरामेडिकल स्टाफ की आवश्यकता को पूरा करने हेतु इस वर्ष अलग से और 5 करोड़ और राशि की प्रस्ताव परिषद के सामने रखा गया. न्यास परिषद के समक्ष आंगनवाड़ी के आधारभूत संरचना एवं मूलभूत सुविधाओं के लिए 53 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही 13 राजस्व ग्राम को ऑल वेदर रोड से जोड़ने के लिए 25 करोड़ का प्रस्ताव रखा गया. साथ ही लगभग 100 करोड़ रुपए की राशि जनप्रतिनिधियों से प्राप्त अनुशंसा के लिए रखी गई है.

सिविल कोर्ट के वकील का कथित लेटर वायरल

रांची/धनबाद। वकीलों के व्हाट्सएप ग्रुप में एक पत्र वायरल हुआ है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है. दरअसल धनबाद सिविल कोर्ट के अधिवक्ता आतिश कुमार के लेटर पैड से जारी एक पत्र में मेडिकल सुविधा के लिए डेढ़ लाख रुपए देने की मांग जिला बार एसोसिएशन से की गई है. पत्र में कहा गया है, अधिवक्ता आतिश कुमार पिछले दो टर्म से बार चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन उन्हें दोनों बार हार मिली है. जिसके कारण वह तनाव में रहते हैं और उसी वजह से उनके बाल झड़ने लगे हैं. धनबाद सिविल कोर्ट के अधिवक्ता उन्हें गंजा और टकला कह कर चिढ़ाते हैं, इसलिए वह अपने सिर पर बालों का प्रत्यारोपण करवाना चाहते हैं. जब धनबाद सिविल कोर्ट के अधिवक्ता आतिश कुमार से पत्र के बारे में लगातार संवाददाता ने जानकारी ली, तो उन्होंने बताया कि बालों के प्रत्यारोपण के लिए उन्होंने बार एसोसिएशन को न तो पत्र लिखा है और ना ही पैसे ही मांगे हैं.

1453 छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति को स्वीकृति

संवाददाता। चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति की बैठक सोमवार को हुई. बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी के द्वारा समिति को बतलाया गया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति के लिए प्रवेशिकोत्तर संस्थानों यथा यू-डाईश, एआईएसएच कोड सहित नर्सिंग तथा आईटीआई संस्थानों द्वारा 18776 छात्र, छात्राओं के आवेदन को अग्रसारित किए गए हैं.

उन्होंने बताया कि पूर्व के बैठक में 16964 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान करते हुए 15449 आधार लिंक बैंक खातों में छात्रवृत्ति की राशि का वितरण किया गया है. वर्तमान में कुल 1453 छात्र-छात्राओं को स्वीकृति दी जानी है. उन्होंने बताया कि सभी प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों के साथ संलग्न दस्तावेज यथा ऑनलाइन निर्गत जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण पत्र, संस्थान द्वारा जारी किया गया बोनाफाईड प्रमाण पत्र, पिछले वर्षों का अंक पत्र आदि का जांच किया जा रहा है.

बैठक में समिति द्वारा सर्वसम्मति से जांच कर सही पाए गए आवेदनों पर भुगतान के लिए आगे की कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया. साथ ही बैठक में बताया गया कि छात्रवृत्ति की राशि का भुगतान आधार आधारित पीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से किया जाना है. बैंक खाता और आधार का लिंक होना अनिवार्य है.

खास बातें

- 16964 आवेदनों को पहले ही स्वीकृति की गई है प्रदान
- जांच में सही पाए गए आवेदनों पर भुगतान का लिया निर्णय

कोर्ट ने तलब की संजीव की स्वास्थ्य रिपोर्ट

नीरज सिंह हत्याकांड

संवाददाता। धनबाद

अपने चचेरे भाई की हत्या के षड्यंत्र में छह वर्षों से जेल में बंद झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह ने एक बार फिर अदालत से जमानत की गुहार लगाई है. इस मामले में कोर्ट ने स्वास्थ्य रिपोर्ट तलब की है. इसके पूर्व संजीव की जमानत अर्जी तीन बार निचली अदालत से व दो बार उच्च न्यायालय से खारिज हो चुकी है.

सोमवार को धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत में जमानत अर्जी पर दलील देते हुए अधिवक्ता मो. जावेद ने कहा कि संजीव सिंह सात विभिन्न प्रकार की बीमारियों, मानसिक अस्वस्थता, हृदय रोग व शरीर के बाएं हिस्से में दर्द जिसे एक प्रकार का लकवा का लक्षण कहा जाता है के अलावा भूल जाने, डिमेंशिया व अन्य प्रकार के रोग से ग्रसित हैं. जिनका इलाज धनबाद और रांची के रिम्स में नहीं हो पा रहा है. तबीयत काफी खराब होने के कारण 11 जुलाई 2023 को संजीव सिंह को जेल प्रशासन ने एसएनएमसीएच अस्पताल धनबाद में भर्ती कराया था. जिसके बाद मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर उन्हें 11 अगस्त 23 को रांची के रिम्स में भर्ती कराया गया.

एम्स भेजने की अनुशंसा की थी : रांची रिम्स की आठ सदस्यीय बोर्ड ने 14 अगस्त 2023 को संजीव को बेहतर इलाज के लिए एम्स भेजने की अनुशंसा की थी. जिसके आलोक में अदालत में जेल प्रशासन को उचित प्रबंध करने का निर्देश दिया गया था. बावजूद इसके अब तक संजीव सिंह को एम्स दिल्ली इलाज के लिए नहीं भेजा गया है. जिस कारण संजीव की स्थिति लगातार बिगड़ते जा रही है. वह बेड से भी नहीं उठ पा रहे हैं. लिहाजा उन्हें अपने खर्चे पर भारत के किसी सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल में इलाज कराने के लिए अंतरिम जमानत दी जाए.

खास बातें

- संजीव सिंह ने एक बार फिर लगाई जमानत की गुहार
- जमानत अर्जी तीन बार निचली अदालत से हो चुकी है खारिज

छाई डंपिंग के खिलाफ गोलबंद हुए ग्रामीण

संवाददाता। बोकारो

चंदनकियारी प्रखंड के शिवबाबूडीह, सीतानाला समेत दामोदर नदी के किनारे के आसपास के कई गांव व टोले के हजारों ग्रामीण बीसीसीएल के रिजेक्ट धूल, मिट्टी आदि डंपिंग से उड़ रहे धूल से परेशान हैं. इसको लेकर सोमवार को ग्रामीणों ने बीसीसीएल के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अविलंब छाई व मिट्टी डंपिंग पर रोक लगाने की मांग की.

डीसी समेत अन्य अधिकारियों को लिखा पत्र : ग्रामीणों ने इस बाबत बोकारो व धनबाद डीसी समेत अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है. ग्रामीणों का कहना है है उड़ रहे धूल से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गयी है. ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या पर बीसीसीएल प्रबंधन अगर पहल नहीं करती है तो ग्रामीण आंदोलन करेंगे. ग्रामीणों ने इस समस्या से झामुमो के चंदनकियारी विधानसभा प्रभारी विजय रजवार को भी रूबरू कराया. ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए कहा कि नदी के किनारे दूसरे छोर पर बीसीसीएल के 3 पीट प्रोजेक्ट से आउट सोर्सिंग कंपनी द्वारा रिजेक्ट धूल, मिट्टी आदि की डंपिग की जा रही है. इससे शिवबाबूडीह समेत आसपास के लोग परेशान है. गांव के तालाब व कुंआ प्रदूषित हो गया है. ग्रामीणों ने बताया कि एक सप्ताह के अंदर प्रबंधन नदी किनारे रिजेक्ट माल डंपिग करना बंद नही करता है तो ग्रामीण आंदोलन को बाध्य होंगे. . मौके पर शिवबाबूडीह पंचायत के पंसस भरत चंद्र महथा, भूपति ठाकुर, रमेश महथा, राजू महथा, गंभीर धामी, फटिक महतो, गोल्डन कुमार व अन्य ग्रामीण मौजूद थे.

जनजातीय खेल महोत्सव को लेकर निकाली रैली

संवाददाता। नोवामुंडी

षिरजोन हो जनजातीय खेल महोत्सव व आदिवासी हो समाज महासभा का महाधिवेशन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाईक रैली के माध्यम से कार्यक्रम के प्रचार में ओडिशा व झारखंड क्षेत्र का तूफानी दौरा किया गया.

झारखंड और ओडिशा के सीमावर्ती क्षेत्रों में आदिवासी हो समाज युवा महासभा व खेल महोत्सव के आयोजन कमेटी के पदाधिकारियों ने गुवा, गंगदा, घाटकुड़ी, रोवाम, बुंडू, सागजुड़ी, किरीबुरू, मेघाहातुबुरू, बोलानी, बड़बिल और जोड़ा में प्रचार-प्रसार किया.

25 व 26 नवंबर को आदिवासी हो समाज महासभा का महाधिवेशन : कार्यक्रम के विवरण और समय-सारणी के बारे में जगह-जगह पर पोस्टर चिपकाया गया. गांव-गांव के मानकी-मुंडा, पंचायत प्रतिनिधि, दियुरी, सांस्कृतिक टीम वविभिन्न सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों व ग्रामीणों को निमंत्रण देकर 1,2 और 3 दिसंबर को षिरजोन हो जनजातीय खेल महोत्सव नोवामुंडी और 25 व 26 नवंबर को आदिवासी हो समाज महासभा का महाधिवेशन चाईबासा दोनों अलग-अलग कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपील किया गया.

महाधिवेशन के महत्व के बारे में ग्रामीणों को दी जानकारी : आदिवासी हो समाज युवा महासभा के राष्ट्रीय महासचिव गब्बरसिंह हेम्ब्रम ने सांस्कृतिक विशेषता, धार्मिक एकरूपता और महाधिवेशन के महत्व के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी. प्रदेश कमेटी के सचिव शंकर चातोम्बा, नोवामुंडी प्रखंड अध्यक्ष बुधराम चाम्पिया व आयोजन कमेटी के अध्यक्ष श्रीराम बारजो ने षिरजोन हो जनजातीय खेल महोत्सव के कार्यक्रम-विवरण, समय-सारणी, सांस्कृतिक खेल-कूद के सामाजिक महत्व व रीति-रिवाज के अस्तित्व इत्यादि के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी. इस अवसर पर आदिवासी हो समाज युवा महासभा के प्रदेश कोषाध्यक्ष शंकर सिदु, जगन्नाथपुर प्रखंड सचिव निर्मल सिंकू, बोलानी युनिट अध्यक्ष सोनाराम चाम्पिया, वकील सुरेन्द्र पुर्ती, सुमीत बलमुचू, तरूण लामय, चंद्रमोहन चातोम्बा, गोपी लागुरी, अमरसिंह लागुरी, ओएबन हेम्ब्रम, श्याम बिरूवा, रोया लागुरी, सुनील चाम्पिया, टीपु लागुरी, रमेश मार्ली, अरूण चातोम्बा, दामु चाम्पिया, संदीय गुड़िया, समीर गुड़िया, सीनू गुड़िया, मनोज गुड़िया, एतवा गुड़िया, रोयाराम चाम्पिया, बीरबल गुड़िया, डूल्लूराम हेस्सा, विशाल चाम्पिया, गणेश हेम्ब्रम, छोटराय सिरका, संजीव तामसोय, जेना गागराई आदि लोग मौजूद थे.

चेतावनी एक नवंबर से नहीं रुका कोल परिवहन, तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश की होगी अवमानना

एनटीपीसी को सड़क मार्ग से कोल परिवहन बंद कराएं

संवाददाता। हजारीबाग

एनटीपीसी के पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना में सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार एक नवंबर से सड़क मार्ग से कोयला परिवहन बंद करवाने को लेकर नागरिक अधिकार मंच ने जिले के उपायुक्त, डीएफओ, एसपी, एसडीओ व डीटीओ को पत्र लिखा है. इसके अलावे यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर सड़क मार्ग से कोयला परिवहन किया जाता रहेगा, तो अवैध ट्रांसप्लांटेशन में संलिप्त होकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना माना जाएगा. नागरिक अधिकार मंच ने अपने पत्र में कहा है कि एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना के लिए एमओईएफ एंड सीसी के स्टेज 2 की शर्त संख्या 9 के अनुसार, एनटीपीसी को बड़कागांव से बानादाग रेलवे साइडिंग तक कन्वेयर सिस्टम से कोयला परिवहन करने की शर्त लगाई गई थी.

अवैध तरीके से हो रहा कोयला परिवहन : एनटीपीसी का कन्वेयर सिस्टम बन जाने के बाद भी सड़क मार्ग से जंगल के रास्ते से बाणादाग रेलवे साइडिंग तक अवैध तरीके से कोयला परिवहन किया जा रहा है, जो नियम विरुद्ध वन विभाग की मिलीभगत से अवैध तरीके से किया जा रहा है.

इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एनटीपीसी को अक्टूबर 2023 तक कन्वेयर सिस्टम बना लेने का आदेश दिया था. हालांकि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन विभाग, स्थानीय प्रशासन के सहयोग से एनटीपीसी कन्वेयर सिस्टम बन जाने के बाद भी सड़क मार्ग से कोयला परिवहन करते रहा है. जिले के अधिकारियों को नागरिक अधिकार मंच के संयोजक लखेन्द्र ठाकुर, अधिवक्ता अनिरुद्ध कुमार, सोनू इराकी, राजेश कुमार, मनोज कुमार साहा, दशरथ साव, रामदुलार साव, फुलेश्वर महतो ने संयुक्त रूप से पत्र दिया है.

संज्ञान जरूरी

- नागरिक अधिकार मंच ने आयुक्त को लिखा पत्र
- अक्टूबर तक कन्वेयर सिस्टम बनाने का था आदेश

धनबाद में प्रदूषण पर कोर्ट ने निगम से मांगा जवाब

रांची। धनबाद जिले में बढ़ते प्रदूषण पर झारखंड हाईकोर्ट ने धनबाद नगर निगम से जवाब मांगा है. सोमवार को ग्रामीण एकता मंच की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने नगर निगम को 21 नवंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. अदालत ने धनबाद नगर निगम को यह बताने को कहा है कि प्रदूषण रोकने के लिए निगम ने अब तक क्या -क्या कार्यवाही की है. चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान धनबाद नगर निगम के अधिवक्ता ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया. अदालत ने उनका आग्रह स्वीकार करते हुए विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. प्रार्थी की ओर से बताया गया कि धनबाद में प्रदूषण रोकने के लिए नगर निगम की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है.

पेज 1 का शेष...

युवा जोश खुद्दार है, स्वाभिमानी भी...

मैंने उसे फिर बुलाया

मैंने आज उसे यह समझने के लिए फोन किया कि हम उसके लिए क्या कर सकते हूं. उसने बातचीत में बताया कि वह एयरटेल इंडिया में एक कर्मचारी या एजेंट के रूप में काम नहीं कर रहा है. इसलिए एयरटेल को इस मामले में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है. उसने बताया कि कंपनी युवाओं के लिए स्वरोजगार के लिए कमीशन पर सिम बेचने का मौका देती है. वह वही काम कर रहा है. मैं ऐसे में एयरटेल की इस तरह की पहल की तारीफ करूंगा. उसने बताया कि वह किसी से किसी तरह की वित्तीय मदद नहीं चाहता. बल्कि उसने मुझसे उसके गृह नगर - संबलपुर (ओडिशा) और उसके आसपास किसी अच्छी नौकरी में मदद करने के लिए कहा. उसने कहा कि अगर ऐसा हो गया, तो निश्चित ही वह शुक्रगुजार होगा. बातचीत में उस युवक ने मुझसे पूछा, क्या आपके पास 2018 के आपके वीडियो लेक्चर्स हैं, ताकि वह फाइनल की तैयारी के दौरान उसका संदर्भ ले सके. हालांकि मैंने स्पष्ट किया कि मेरे पास उस समय का कोई व्याख्यान नहीं है, लेकिन मैंने कोचिंग कक्षाओं में उसकी मदद करने का आश्वासन दिया. यदि कोई सीए संकाय इसे पढ़ रहा है और छात्रवृत्ति या कुछ छूट के साथ इसमें शामिल होना चाहता है, तो कृपया बेझिझक डीएम को भेजें, मैं शेष फीस भरने में बहुत खुश हूं.

ब्रीफ खबरें

33 स्थायी मकानों पर अब चलेगा बुलडोजर

पटना । पटना में मेट्रो निर्माण का काम तेजी से चल रही है. स्टेशनों के निर्माण और मेट्रो ट्रैक के लिए जमीन अर्जन का भी काम चल रही है. इसी कड़ी में पटना मेट्रो डिपो के एलाइनमेंट में आने वाले 33 स्थायी मकानों पर बुलडोजर चलेगा. वहीं घरों को तोड़ा जाएगा. इसलिए लिए मकान मालिकों को जिला भू अर्जन विभाग ने नोटिस भी जारी कर दिए हैं. जिन मकान मालिकों ने नोटिस लेने से इनकार किया है. उन्हें सोमवार को विभाग की ओर से तीसरी बार नोटिस थमाया गया है. और घरों पर भी नोटिस चस्पा कर दिया.

रंगदारी मांगने के आरोप में टीचर हुआ गिरफ्तार

गया । एक सरकारी स्कूल टीचर ने अपने स्कूल के हेडमास्टर से ही रंगदारी की मांग कर दी. लेकिन जल्द ही खुलासा हो गया और पुलिस ने आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. छानबीन में उसे लेकर अन्य सनसनीखेज खुलासे हुए. मामला गया जिले के बांके बाजार थाना क्षेत्र के मध्य विद्यालय मेनका का है. दरअसल स्कूल के हेडमास्टर से एक लाख की रंगदारी मांगी जा रही थी. कॉलर उसे फोन कर धमकियां भी दे रहा था. पीड़ित हेडमास्टर को वह भद्दी भद्दी गालियां देता था. हेडमास्टर इससे काफी डरे थे.

अफीम तस्करों पर विशेष निगरानी का निर्देश

भागलपुर । जिलों में नशे के खिलाफ अभियान चलाने को लेकर पुलिस ने कवायद शुरू कर दी है. अक्टूबर और नवंबर में अफीम तस्करों पर विशेष निगरानी का निर्देश मुख्यालय ने दिया है. बिहार की झारखंड, बंगाल और ओडिशा और अंतरराष्ट्रीय सीमा नेपाल से लगने वाले क्षेत्रों को लेकर विशेष नजर रखने को कहा गया है. जिन रास्तों से नशे की तस्करी हो सकती है, उन पर भी नजर रखना है. इसमें कुछ जिलों को भी अलर्ट किया गया है. पुलिस मुख्यालय के निर्देश के मुताबिक अक्टूबर और नवंबर में अफीम की फसल तैयार हो जाती है.

बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव जापान दौरे को लेकर प्रशांत किशोर ने राजद और जदयू को घेरा

तेजस्वी जापान घूमने गए या कुछ लाने, पता चलेगा : पीके

संवाददाता । पटना

बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव इन दिनों जापान दौरे पर हैं. इस बीच जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने तेजस्वी के जापान दौरे को लेकर तंज कसा. उन्होंने कहा है कि तेजस्वी जापान जाएं या अंटार्कटिका, उनकी जो अपनी समझ है अगर बिहार के लिए जापान से कुछ लाकर करा पाएं तो बहुत अच्छी बात है.

प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि उनकी मां और बाबू जी (लालू-राबड़ी) बिहार में 15 साल शासन में रहे, तब तो कोई न जापान से आया न जर्मनी से. अब अगर तेजस्वी प्रयास कर रहें हैं तो मैं उसका समर्थन कर रहा हूं. पीके ने तेजस्वी पर तंज कसते हुए आगे कहा कि वो जापान घूमने गए हैं या जापान से बिहार के लिए कुछ लाने, वो तो जब वे जापान से लौटेंगे तो आने वाले महीनों में ही दिखेगा. उनके जापान जाने से बिहार का कुछ फायदा हुआ या फिर इस गरीब जनता के टैक्स के पैसों का मिट्टी पलीद हुआ कि आटा गीला यह पता चलेगा.

कसा तंज

- लालू-राबड़ी की सरकार में कोई जापान से नहीं आया था
- बिहार में दो लोग ही शासन चलाते रहे हैं

प्रशांत किशोर ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी आड़े हाथ लिया. उन्होंने कहा कि यहां दो लोग (लालू यादव और नीतीश कुमार) शासन चलाते रहे हैं, इनकी राजनीति तो आप जानते ही हैं. इनका पूरा फोकस ये है कि समाज को बांटो, सबको गरीब, अनपढ़, मजदूर रखो. पीके ने आगे कहा कि लालू यादव ने जिन वर्गों को आवाज दी उनको शिक्षा क्यों नहीं दी? उनको रोजगार क्यों नहीं दिया? उनको जमीन क्यों नहीं दी? वो इसलिए क्योंकि आवाज देने से वो उनके लिए जिंदगी भर नारा लगाएगा और उनका झंडा लेकर घूमेगा. पीके ने कहा कि अगर उन्हीं वर्गों को उन्होंने शिक्षित कर दिया होता, उन्हीं वर्गों को उन्होंने पूंजी-पैसा देकर रोजगार दे दिया होता, उन्हीं वर्गों को उन्होंने जमीन दे दी होती तो आज वे उनका झंडा लेकर नहीं घूमते. राजनीति के तहत पूरे बिहार को अनपढ़-मजदूर बना दिया गया.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- बिहार में आने वाला पहला विदेशी कौन था – मेगस्थनीज
- अंतरराष्ट्रीय देखभाल और सहायता दिवस कब मनाया जाता है –29 अक्टूबर
- वैदिक काल में कर्मर किसे कहा जाता था – लोहार
- आक्सैनोमीटर का प्रयोग करते हैं – वृद्धि दर नापने में
- बिहार के किस जिले में अभ्रक मिट्टी पाई जाती है – नवादा
- किस राज्य में मेरा हौचोंगबा वार्षिक महोत्सव मनाया गया – मणिपुर
- हाइड्रोजन बम किस सिद्धांत पर आधारित है – नियंत्रित संलयन अभिक्रिया
- मल्ल राज्य की राजधानी कहा स्थित थी – पावा
- बिहार का कौन सा जिला कोयले के लिए प्रसिद्ध है – औरंगाबाद
- स्लैग यह नाम किसे दिया जाता है – गलित कैल्सियम सिलिकेट

जदयू के स्थापना दिवस पर भाजपा ने नीतीश को निशाने पर लिया

जदयू पार्टी नहीं गैंग है: चौधरी

संवाददाता । पटना

आंध्र प्रदेश में हुए रेल हादसे को लेकर बिहार में सियासत गर्म है. राजद सुप्रीमो लालू यादव ने इसे लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा. कहा कि निजीकरण ने रेलवे को बर्बाद करा दिया. लालू यादव को जवाब देने के लिए भाजपा की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने भी मोर्चा संभाला. उन्होंने लैंड फॉर जॉब स्कैम का जिक्र करते हुए लालू यादव को आड़े हाथों लिया.

साथ ही सम्राट चौधरी ने लालू यादव और नीतीश कुमार पर जमकर भड़ास निकाली. सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद यादव पर रेलवे को बेच डालने का आरोप लगाया तो वहीं जदयू के स्थापना दिवस पर कहा कि यह पार्टी नहीं गैंग है. जेडीयू के आरोपों का जवाब देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार ने जिस तरह सरकारी तंत्रों का इस्तेमाल किया. पूरे देश में ऐसा कहीं नहीं हुआ है. नीतीश कुमार सता का दुरुपयोग नहीं करें तो जमानत जब्त हो जाएगा. यदि नीतीश कुमार को हिम्मत है तो राष्ट्रपति शासन लागू कर कर चुनाव करा कर देख लें औकात पता चल जाएगा, जो भाषण दे रहे हैं वही सबसे ज्यादा अधिकारियों को इस्तेमाल करते हैं.

निकाली भड़ास

- सम्राट ने लालू पर रेलवे को बेचने का आरोप लगाया
- कांग्रेस तो तुष्टिकरण की राजनीति करती है

सम्राट चौधरी ने कहा कि पटना से लेकर भागलपुर तक किसकी चलती है यह सब जानते हैं. नीतीश कुमार के कार्यक्रम में लोगों की भीड़ इकट्ठी नहीं होती है तो जीविका दीदी और आशा कार्यकर्ताओं को बुलाकर कार्यक्रम कराया जाता है.

वहीं केरल में हुए बम विस्फोट और राहुल गांधी की छुट्टी पर सम्राट चौधरी ने कहा कि यह लोग तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं. जहां भी अपराध हो बीजेपी पर सवाल उठाते हैं, भारतीय जनता पार्टी आतंकवादियों का समर्थन नहीं करती है. सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद यादव पर हमला करते हुए कहा कि किसी नेता ने रेलवे को बेचा तो उसका नाम है लालू प्रसाद यादव. लालू यादव ने रेल मंत्री रहते हुए पूरे रेलवे को बेचकर बर्बाद कर दिया. वहीं नीतीश पर हमला करते हुए कहा कि नीतीश कुमार मुखिया का चुनाव नहीं जीत सकते हैं और यह उत्तरप्रदेश या नालंदा में क्या चुनाव जीतेंगे. नीतीश कुमार जहां से भी चुनाव लड़ेंगे.

बीजेपी का एक छोटा कार्यकर्ता उनका जमानत जब्त करा देगा. सम्राट चौधरी ने कहा कि जदयू के नेता का एक ही सिद्धांत है पलटी मार. जदयू कोई यूनाइटेड नहीं है एक नेता हैं जो सब करते हैं. कहा कि जेडीयू झूठ की यूनिवर्सिटी है.

बिहार में तुगलकी सरकार चल रही है: गिरिराज सिंह

सोमवार को बेगूसराय पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीएम नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला. गिरिराज सिंह ने कहा आज कल बिहार में तुगलकी सरकार चल रही है. यह सरकार केवल वोट की राजनीति एवं तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है. इसको लेकर लगातार हिन्दुओं की भावना को आहत पहुंचा रही है. उन्होंने कहा पिछले दिनों जिले के बलिया में प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए बवाल मे कई निर्दोष हिन्दुओं को नामजद अभियुक्त बनाकर उन्हें जेल भेज दिया गया है. अब लगता है जिले के हिन्दुओं को संघर्ष करने की जरूरत है. गिरिराज सिंह ने कहा कि जिस तरह जिले के कई क्षेत्रों मे एक समुदाय के द्वारा दलित लड़कियों को बहला फुसला कर भगा ले जाने का भी मामला आ रहा है, लेकिन सूबे की सरकार अपने तुष्टिकरण राजनीति के कारण चैन की नींद में है और मेरे संसदीय क्षेत्र मे लगातार घटना घट रही है. दरअसल, स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री अपने संसदीय क्षेत्र के भ्रमण के दौरान जिला के खातोपुर चौक के समीप एनएचआई के कार्य योजना का निरीक्षण करने पहुंचे थे.

हाजीपुर सीट नहीं छोड़ेंगे: पशुपति

संवाददाता । पटना

हाजीपुर लोकसभा सीट हॉट सीट बन गया है. इसे लेकर चाचा भतीजा के बीच जंग छिड़ी हुई है. रालोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हाजीपुर सांसद पशुपति कुमार पारस ने ऐलान कर दिया है कि वे हाजीपुर सीट नहीं छोड़ेंगे. इतना ही नहीं उन्होंने 2024 के लिए बिहार के पांच सीटों पर दावेदारी भी कर दी है. केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा है कि हमारे सभी पांच सांसद अपनी सीट से ही 2024 लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे.

उनके भाई रामविलास पासवान के पुत्र और जमुई सांसद चिराग पासवान हाजीपुर में अपनी मां रीना पासवान को उतारने का ऐलान पहले ही कर चुके हैं. हालात ऐसे ही रहे तो 2024 में बिहार के हाजीपुर में लोकसभा

चुनाव काफी रोचक होगा. पशुपति कुमार पारस ने कहा कि इसमें किसी भी तरह का अगर-मगर का सवाल पैदा नहीं होता है. पटना स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों तथा प्रकोष्ठों और जिलाध्यक्षों को संबोधित करते हुए यह बात कही.

फिलहाल उनकी पार्टी के पांच सांसद हैं. वैशाली लोकसभा से वीणा देवी, नवादा से चंदन कुमार, खगड़िया से महबूब अली कैसर, समस्तीपुर से प्रिंस राज और हाजीपुर से खुद पशुपति कुमार पारस सांसद हैं.

यह भी निर्णय लिया गया कि इस बार पार्टी के स्थापना दिवस पर समारोह 28 नवंबर को हाजीपुर के अक्षयवट मैदान में होगा. उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को भारी मतों से जिताने के लिए संगठन को मजबूत एवं धारदार बनाने की बात कही. स्थापना दिवस समारोह में पार्टी की ओर से बड़े ऐलान के संकेत पार्टी नेताओं की ओर से दिए जा रहे हैं. जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया कि सदस्यता अभियान में अधिक-से-अधिक लोगों को जोड़ें. कहा कि जबतक मैं राजनीति में जीवित रहूंगा तबतक एनडीए गठबंधन के साथ हूं. पारस ने कहा कि कुछ लोग एनडीए के नाम लेकर ताक-झांक कर रहे हैं और हाजीपुर लोकसभा सीट पर भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं.

शिक्षक बहाली मामले पर सुनवाई 3 को

संवाददाता । पटना

बिहार शिक्षक बहाली का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है. दीपांकर गौरव की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर बीएड अभ्यर्थियों के रिजल्ट को जारी करने को लेकर याचिका दायर की गई है. सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को लेकर तीन नवंबर को सुनवाई होगी.

याचिकाकर्ता और बिहार प्रारंभिक युवा शिक्षक संघ के अध्यक्ष दीपांकर गौरव ने बताया है कि रिजल्ट में शामिल करने वाली याचिका पर चीफ जस्टिस की बेंच में सुनवाई हुई. साथ ही रिजल्ट पर स्टे लगाने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है. याचिका दायर कर सुप्रीम कोर्ट से अपील की गई है कि इस बहाली में बीएड योग्यता धारियों को मौका अवश्य मिले. बीपीएससी ने रिट याचिका पेंडिंग होने के बावजूद बीएड अभ्यर्थियों के साथ धोखा किया. बीएड और डीएलएड अभ्यर्थियों का एक साथ रिजल्ट प्रकाशित किया जाना चाहिए था.

बता दें कि इस याचिका पर बीस अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश के बेंच में सुनवाई होनी थी, लेकिन दशहरा की छुट्टियों के कारण सुनवाई 30 अक्टूबर को हुई और अब मामले की सुनवाई 3 नवंबर निर्धारित की गई है. दीपांकर गौरव ने बताया कि अभ्यर्थियों ने चुनौती इस बात को लेकर दी है कि बीएड अभ्यर्थियों को छांटकर प्रारंभिक के 72 हजार रिजल्ट सिर्फ डीएलएड अभ्यर्थियों के बीच में दे दिया.

कारोबार

पेट्रोनेट का तिमाही लाभ नौ प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयातक पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ नौ प्रतिशत बढ़ा है. कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में उसने 855.74 करोड़ रुपये या 5.70 रुपये प्रति शेयर का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया. एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 785.73 करोड़ रुपये या 5.24 रुपये प्रति शेयर था. गैस की कम कीमतों के कारण आय 21.6 प्रतिशत घटकर 12,532.57 करोड़ रुपये रही.

जेएसडब्ल्यू वेंचर्स ने अपनी हिस्सेदारी बेच दी

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू वेंचर्स ने सोमवार को कहा कि उसने ई-कॉमर्स फर्म पर्पल में फंड-1 की अपनी हिस्सेदारी मणिपाल समूह को बेच दी है. जेएसडब्ल्यू वेंचर्स ने एक बयान में कहा कि कंपनी दूसरे फंड के जरिए पर्पल में अपना निवेश जारी रखेगी. जेएसडब्ल्यू वेंचर्स के प्रबंध भागीदार सचिन तागरा ने कहा, ''पर्पल 2016 में एक फंड के रूप में हमारे शुरुआती निवेश में एक था और इसने 57 प्रतिशत आईआरआर (प्रतिफल की आंतरिक दर) दिया है... इस निकास के साथ हमने पहले फंड के कुल निवेश का 2.7 गुना प्रतिफल दिया है.

एप्पल की आय बीते वित्त वर्ष में 48 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । आईफोन विनिर्माता एप्पल इंडिया का राजस्व मार्च, 2023 में समाप्त वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत बढ़कर 49,322 करोड़ रुपये रहा है. कारोबार आसूचना कंपनी टॉफलर द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है. एप्पल इंडिया की आमदनी इससे पिछले वित्त वर्ष में 33,381 करोड़ रुपये रही थी. 2022-23 में कंपनी का मुनाफा 77 प्रतिशत बढ़कर 2,230 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो 2021-22 में 1,263 करोड़ रुपये था. वित्त वर्ष के दौरान कंपनी का कुल खर्च 46,444 करोड़ रुपये रहा है.

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग में हुआ अहम फैसला

एयू और फिनकेयर का हुआ विलय

भाषा । नई दिल्ली

देश के दो जाने-माने स्मॉल फाइनेंस बैंकों का मर्जर हो गया है. इसे लेकर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग हुई थी. इसी मीटिंग में बोर्ड के सदस्यों ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक को मर्ज (विलय) करने की मंजूरी दे दी. ये एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) और फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक हैं. बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 की धारा 44ए के तहत मर्जर प्लान पर दोनों बैंकों के शेयरधारकों, आरबीआई और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के अप्रूवल की जरूरत होगी. जरूरी अप्रूवल मिलने पर फिनकेयर एसएफबी का एयू एसएफबी में विलय हो जाएगा. फिनकेयर एसएफबी के शेयरधारकों को अनुमोदित शेयर स्वैप रेश्यो पर फिनकेयर एसएफबी में उनके शेयरों के बदले एयू एसएफबी के शेयर मिलेंगे. फिनकेयर एसएफबी के सभी कर्मचारी एयू एसएफबी फैमिली का हिस्सा बन जाएंगे.

एयू का कुल एसेट 95,977 करोड़ रुपये है

30 सितंबर तक के डाटा के अनुसार एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का कुल एसेट 95,977 करोड़ रुपये का है. इसमें नेट वर्थ 11,763 करोड़ रुपये का है. वहीं, फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक का टोटल एसेट 14,777 करोड़ रुपये का है और नेट वर्थ 1539 करोड़ रुपये का है. बता दें कि सितंबर तिमाही की शेयर होल्डिंग्स के अनुसार एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 25.49 प्रतिशत है. जबकि फिनकेयर में प्रमोटर्स के पास 78.58 प्रतिशत हिस्सा है. वहीं कर्मचारियों को लेकर एयू एसएफबी ने कहा कि फिनकेयर के सभी इम्प्लॉइज को मर्जर के बाद एयू में ले लिया जाएगा. फिनकेयर के एमडी एंड सीईओ मर्जर के बाद एयू एसएफबी के डेप्युटी सीईओ बनेंगे. इसके अलावा फिनकेयर के बोर्ड की मौजूदा डायरेक्टर दिव्या सहगल, एयू एसएफबी के बोर्ड में शामिल होने होंगी.

विलय की शर्तों के अनुसार, फिनकेयर का प्रमोटर फिनकेयर बिजनेस सर्विसेज लिमिटेड (एफबीएसएल), विलय के पूरा होने से पहले फिनकेयर एसएफबी में 700 करोड़ रुपये का निवेश करेगा. एयू एसएफबी और फिनकेयर एसएफबी द्वारा नियुक्त इंडीपेंडेंट वैल्युअर्स यानी मूल्यांकनकर्ताओं, बंसी एस मेहता वैल्यूअर्स एलएलपी और आरबीएसए वैल्यूएशन एडवाइजर्स एलएलपी ने शेयर एक्सचेंज रेश्यो की सिफारिश की है. इसे संबंधित बोर्ड ने स्वीकार कर लिया है. जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड ने शेयर एक्सचेंज रेश्यो पर एयू एसएफबी को निष्पक्षता राय प्रदान की और आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड ने फिनकेयर एसएफबी को निष्पक्ष राय प्रदान की.

मिली अनुमति

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के अप्रूवल की जरूरत होगी
- फिनकेयर एसएफबी में 700 करोड़ करेगा निवेश

जानकारी के अनुसार फिनकेयर एसएफबी शेयरधारकों को फिनकेयर एसएफबी के 2,000 शेयरों के लिए एयू एसएफबी में 579 शेयर प्राप्त होंगे. विलय के बाद, फिनकेयर एसएफबी के मौजूदा शेयरधारकों की एयू एसएफबी में 9.9% हिस्सेदारी होगी. फिनकेयर एसएफबी के एमडी और सीईओ राजीव यादव को विलय के बाद एयू एसएफबी का डिप्टी सीईओ नियुक्त किया जाएगा. वे एयू एसएफबी के एमडी और सीईओ संजय अग्रवाल को रिपोर्ट करेंगे.

नशीले पदार्थों का गैरकानूनी कारोबार है जारी : अग्रवाल

भाषा । नई दिल्ली

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने मादक पदार्थों का वैश्विक अवैध कारोबार 650 अरब डॉलर पर पहुंचने का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा-शुल्क अधिकारियों को इन अपराधों का पता लगाने वाली उन्नत तकनीकें एवं जानकारी साझा करनी चाहिए. अग्रवाल ने यहां राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की तरफ से 'प्रवर्तन मुद्दों में सहयोग' विषय पर एक वैश्विक सम्मेलन में कहा कि नशीले पदार्थों का गैरकानूनी कारोबार अब भी मजबूती से जारी है. उन्होंने कहा कि इनकी तस्करी का आकार करीब 650 अरब डॉलर है जो कुल अवैध अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है.

इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ रहा है. सीबीआईसी प्रमुख ने कहा कि गैरकानूनी कारोबार से जुड़े अपराधों का संबंध कई बार धनशोधन एवं आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण से भी होता है जो राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर डालते हैं. उन्होंने कहा कि निर्यात-आयात धोखाधड़ी से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को खतरा होने की बात हम समझते हैं और यह आर्थिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी हानिकारक है.

बोले चेयरमैन

- इनकी तस्करी का कारोबार करीब 650 अरब डॉलर है
- अंतरराष्ट्रीय सिंडेकेट को हराने के लिए काम करते हैं

इस तरह हम अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट को हराने के लिए मिलकर काम करते हैं. इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग एवं समन्वय की निरंतर जरूरत है. अग्रवाल ने कहा कि इस सम्मेलन का विषय 'नेटवर्क से लड़ने के लिए नेटवर्क की जरूरत' को रेखांकित करता है. यह अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए खुफिया जानकारी और सूचना साझा करने के महत्व पर जोर देता है. कहा कि नजदीक से जुड़ी डिजिटल दुनिया और विशेष रूप से नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के संदर्भ में उभरते रुझानों और उन्नत पहचान तकनीकों में अंतर्दृष्टि को साझा करना महत्वपूर्ण है.

मैक्रोटेक की 12000 करोड़ की परियोजनाएं लाने की है अब योजना

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड की ग्राहकों से आ रही मांग को पूरा करने के लिए अगले साल मार्च तक 12,000 करोड़ रुपये मूल्य की आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना है. कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक लोढ़ा ने सोमवार को कहा कि संभावित घर खरीदारों के बीच ब्रांडेड डेवलपर की परियोजनाओं को लेकर आकर्षण बढ़ा है. इसे ध्यान में रखते हुए मैक्रोटेक मार्च, 2024 तक 12,000 करोड़ रुपये मूल्य की नई परियोजनाएं लाने की तैयारी में है. इसके साथ ही लोढ़ा ने उम्मीद जताई कि कंपनी चालू वित्त वर्ष के लिए रखे गए 14,500 करोड़ रुपये के बिक्री बुकिंग लक्ष्य को हासिल कर लेगी. पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की बिक्री बुकिंग 12,070 करोड़ रुपये रही थी. 'लोढ़ा' ब्रांड के तहत कारोबार करने वाली मैक्रोटेक की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में ही 6,890 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है. कंपनी के प्रमुख ने कहा कि पहली छमाही में बिक्री बुकिंग बेहद मजबूत रही है.

टैरिफ टेलिकॉम कंपनी एयरटेल और वीआई ने एक बार फिर मोबाइल टैरिफ बढ़ाने की मांग की

कंपनी की योजना टैरिफ में बड़ा बदलाव करने की नहीं: जियो

भाषा । नई दिल्ली

देश की दो बड़ी टेलिकॉम कंपनियों एयरटेल और वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने एक बार फिर मोबाइल टैरिफ बढ़ाने की मांग की है, लेकिन रिलायंस जियो का इरादा कुछ और है. वह इसके पक्ष में नहीं है. जियो का कहना है कि वह टैरिफ में बढ़ोतरी नहीं करेगी.

कंपनी का कहना है कि वह 5जी कस्टमर्स के लिए भी टैरिफ बढ़ाने के पक्ष में नहीं है. कंपनी की नजर एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल/एमटीएनएल के उन 24 करोड़ ग्राहकों पर है जो अब भी 2जी नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं. रिलायंस जियो के प्रेजिडेंट मैथ्यू ऊमन ने कहा कि कंपनी की योजना टैरिफ में बड़ा बदलाव करने की नहीं है. कंपनी का फोकस ऐसे ग्राहकों पर है जो डेटा प्लान की तरफ आना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी का यही विजन है. उन्होंने कहा कि 20 करोड़ से अधिक कस्टमर अब भी 2जी का इस्तेमाल कर रहे हैं.

उन्हें डिजिटली सशक्त बनाने की जिम्मेदारी इंडस्ट्री की है. देश को 2जी-मुक्त बनाने का एकमात्र तरीका यही है कि सस्ते में सेवा दी जाए. ऊमन ने कहा कि सभी भारतीयों की डेटा तक पहुंच होनी चाहिए. हम उन्हें इससे वंचित नहीं रख सकते हैं. हम सभी भारतीयों को सुपीरियर कस्टमर एक्सपीरियंस देना चाहते हैं. एवरेज रेवेन्यू पर यूजर को किसी भी टेलिकॉम कंपनी की फाइनेंशियल हेल्थ का अहम पैमाना माना जाता है.

किया इनकार

- रिलायंस जियो के प्रेजिडेंट हैं मैथ्यू ऊमन
- दूसरी तिमाही में जियो का एआरपीयू 181.7 रुपये हुआ

दूसरी तिमाही में जियो का एआरपीयू 181.7 रुपये पहुंच गया जो पिछले साल की समान तिमाही में 177.2 रुपये था और पिछली तिमाही में 180.5 रुपये था. एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने टैरिफ बढ़ाने की वकालत की है.

उनका कहना है कि कैपेक्स बढ़ाने के लिए ऐसा करना जरूरी है. भारती एयरटेल के सीईओ गोपाल विट्टल ने कहा कि हम इंडस्ट्री के लिए ग्रेटर फाइनेंशियल हेल्थ चाहते हैं क्योंकि इसमें बहुत पूंजी खर्च हो रही है. इसलिए एआरपीयू में बढ़ोतरी जरूरी है.'' उनका कहना है कि एआरपीयू 300 रुपये तक होना चाहिए. पहली तिमाही के अंत में एयरटेल का एआरपीयू 200 रुपये था जो इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा है. वहीं भारी कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया का दूसरी तिमाही में एआरपीयू मात्र 142 रुपये था. साफ है कि वीआई को रेस में बनाए रखने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ रहा है.

डब्ल्यूटीओ के निपटान निकाय में बातचीत चाहता है भारत

भाषा । नई दिल्ली

भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के विवाद निपटान निकाय में सुधार के लिए डब्ल्यूटीओ सदस्यों से औपचारिक बातचीत शुरू करने का आह्वान किया है. भारत का मानना है कि मौजूदा अनौपचारिक विचार-विमर्श कई देशों के लिए वार्ता में भागीदारी को लेकर अड़चन पैदा कर रहा है.

एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने कहा कि इस विषय पर औपचारिक बातचीत से अगले साल फरवरी में अबू धाबी में डब्ल्यूटीओ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी) में किसी तरह की सहमति बनाने में मदद मिल सकती है. पिछले सप्ताह जिनेवा में डब्ल्यूटीओ सदस्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के दौरान यह मुद्दा उठा. कुछ देशों ने बातचीत की अनौपचारिक प्रणाली पर अपनी चिंताएं जताईं. अधिकारी ने कहा कि हमें इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द औपचारिक बनाना होगा. भारत ने कहा कि अगर आप डब्ल्यूटीओ की विश्वसनीयता बनाए रखना चाहते हैं, तो हमें इस पर बात करने की जरूरत है. डब्ल्यूटीओ का विवाद निपटान निकाय (डीएसबी) इस 164 सदस्यीय निकाय का एक महत्वपूर्ण अंग है.

वैश्विक निर्यात और आयात संबंधी नियमों की निगरानी के अलावा यह सदस्य देशों के बीच व्यापार विवादों पर निर्णय लेता है. अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने डीएसबी सुधारों में शामिल होना शुरू कर दिया है, लेकिन अनौपचारिक तरीके से.

दवा नीति आखिर कब तक

आमलोगों के लिए सबसे जरूरी दवा उद्योग और उनके द्वारा निर्धारित मूल्यों पर नियंत्रण की दिशा में अब तक कोई कारगर कदम क्यों नहीं उठाया जा सका है. यह एक बड़ा सवाल है. यह सवाल बारबार अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है. दरअसल एक लोकतांत्रिक देश का यह कर्तव्य है कि वह सिर्फ दवा इंडस्ट्री ही नहीं, बल्कि उसके उत्पादों से लाभान्वित होने वालों को भी संतुष्ट करे. केंद्र सरकार ने अप्रैल 2016 में संसद में पूछे गए सवाल के जवाब में एक दवा नीति बनाने का आश्वासन दिया था, लेकिन छह साल बाद व्यापक नीति नहीं बन पायी है.यह आश्वासन केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की ओर से दिया गया था. यहां तक कि इसी साल सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति ने अपनी रिपोर्ट में मंत्रालय की लेटलतीफी के लिए नाराजगी जताई. लेकिन तीन महीने बाद भी इस पर कुछ खास निर्णय नहीं लिया गया है.मंत्रालय के जवाब को सरकारी आश्वासनों संबंधी संसदीय समिति ने सरकारी आश्वासन माना था और इस पर मंत्रालय से जवाब तलबी शुरू कर दी थी और कोई ठोस जवाब न मिलते देखकर संसदीय समिति ने लोकसभा में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की. इस रिपोर्ट में आश्वासन समिति ने संसदीय आश्वासनों को पूरा करने में देरी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सिफारिश की कि मंत्रालय बिना किसी देरी के महंगी दवाओं के लिए व्यापार लाभ (ट्रेड मार्जिन) को अंतिम रूप दे, ताकि लोगों को दवाएं सबसे सस्ती दरों पर उपलब्ध हों और साथ ही संसद को दिया गया आश्वासन पूरा हो सके. दरअसल संसद की आश्वासन समिति मंत्रियों द्वारा सदन में समय-समय पर दिए गए आश्वासनों, वचनों, किए गए वादों की जांच करती है और प्रतिवेदन प्रस्तुत करती है कि ऐसे आश्वासनों को किस सीमा तक कार्यान्वित किया गया है. यदि मंत्रालय उन आश्वासनों को पूरा करने में असमर्थता जताते हैं तो उन्हें आश्वासन को छोड़ने के लिए समिति से अनुरोध करना होता है. समिति ऐसे अनुरोधों पर विचार करती है और यदि वह मंत्रालय की बात से संतुष्ट रहती है तो उन आश्वासनों को छोड़ने की स्वीकृति दे देती है. इस मामले में रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग के सचिव ने आश्वासन समिति को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि चूंकि यह विषय दवाओं के मूल्य निर्धारण से संबंधित है, इसलिए हितधारकों की टिप्पणियों के बाद काफी चर्चा व विचार विमर्श हुआ.फरवरी 2019 में प्रयोग के तौर पर एक पायलट परियोजना शुरू की गई, जिसमें कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन रेशनलाइजेशन लगाया गया और एक साल बाद यह जानने का प्रयास किया गया कि क्या रेशनलाइजेशन के बाद दवाओं की कीमतों में कमी आई या नहीं. एक रिपोर्ट बताती है कि दवा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ मंत्रालय के अधिकारियों ने ट्रेड मार्जिन रेशनलाइजेशन की एक बैठक की है.

> रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग ने आश्वासन समिति को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि चूंकि यह विषय दवाओं के मूल्य निर्धारण से संबंधित है, इसलिए हितधारकों की टिप्पणियों के बाद काफी चर्चा व विचार विमर्श हुआ.

सुभाषित

श्रोतं श्रुतेनैव न तु कुण्डलेन दानेन पाणिर्न तु कंकणेन।
विभाति कायः करुणापराणाम् परोपकारैर्न तु चंदनेन॥

कान की शोभा कुण्डल से नहीं, बल्कि ज्ञानवर्धक वचन सुनने से है. हाथ की शोभा कंकण से नहीं, बल्कि दान देने से है और काया (शरीर) चन्दन के लेप से दिव्य नहीं होता, बल्कि परोपकार करने से दिव्य होता है.

गुमराह करने वाले तत्वों की सियासत

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर (टैगोर) ने कहा है कि हमको अपने भीतर मुर्दा चीजों को नहीं पालना चाहिए, क्योंकि मुर्दा तो मुर्दापन लाने वाला ही होता है. लेकिन, हम गुरुदेव की बातों को हृदय से अंगीकार कहां कर पा रहे हैं? तभी मोहनदास करमचंद गांधी का आना हुआ. गांधीजी ताजी हवा के उस प्रबल प्रवाह की तरह थे, जिन्होंने हमें पूरी तरह फैलने और गहरी सांस लेने के काबिल बनाया. वह रोशनी की उस किरण की तरह थे, जो अंधकार में पैठकर हमारी आंखों के सामने से पर्दा हटाया.

• देश-काल

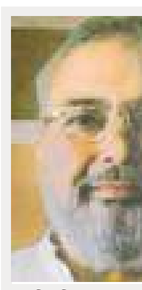

निशिकांत ठाकुर

कुछ वर्षों से ऐसा लगने लगा है कि भारतीयों के मन की गहरी दरारें बढ़ती ही जा रही हैं. पहले तो कम, लेकिन अब खुलकर एक-दूसरे के प्रति घृणा का भाव दिखाई देने लगा है. ठीक है कि हमारे बीच खासकर अंग्रेजों ने जो दूरी बनाने की कोशिश की, उसमें वे सफल हुए. वैसे भी यदि गहराई से देखें तो हिंदू-मुसलमानों के बीच तो पहले से ही दूरी थी, क्योंकि मुगलों द्वारा बार-बार आक्रमण करके धन लूटा जाता था, वह सिर्फ एक लूट थी. वे लूटने ही आते थे और उनके मन में केवल भारत की अकूत धन-सम्पदा को लूटना था. वे इसी के लिए मारकाट करते थे और जब वे लूटने से थक गए, तो फिर इसी भारत को अपना देश बना लिया. तब हम भारतीय उस तरह से संगठित नहीं थे, जिस तरह आज हैं. अगर दूसरे शब्दों में कहें तो इसी का लाभ विदेशी आक्रांता उठाते रहे और फिर अंत में वे समर्पित होकर भारत भूमि को ही अपनाकर उसी में खुद को समा लिया. हम भारतीय (हिंदू-मुसलमान) सभी दुश्मनियों को भूलकर पूर्णतः भारतीय हो चुके थे. लेकिन, राजनीतिज्ञों के लिए तो यह एक चाभी थी. उन्होंने जब चाहा, उसी चाभी से बीच-बीच में ताला खोलकर हिंदू-मुसलमानों को आपस में लड़ाते रहे. गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर (टैगोर) ने कहा है कि हमको अपने भीतर मुर्दा चीजों को नहीं पालना चाहिए, क्योंकि मुर्दा तो मुर्दापन लाने वाला ही होता है. लेकिन, हम गुरुदेव की बातों को हृदय से अंगीकार कहां कर पा रहे हैं? तभी मोहनदास करमचंद गांधी का आना हुआ. गांधीजी ताजी हवा के उस प्रबल प्रवाह की तरह थे, जिन्होंने हमें पूरी तरह फैलने और गहरी सांस लेने के काबिल बनाया. वह रोशनी की उस किरण की तरह थे, जो अंधकार में पैठकर हमारी आंखों के सामने से पर्दा हटाया. चारों तरफ समाए डर के ही खिलाफ गांधीजी की शांत, किंतु दृढ़ आवाज उठी- 'डरो मत'. क्या यह आसान बात थी? जहां एक तरफ उन्हें अपनी हिंदू विरासत का अभिमान था, वहीं उन्होंने हिंदू धर्म को सार्वलौकिक बाना पहनाने की कोशिश की और सत्य के घेरे में सब धर्मों में शामिल किया. अपनी सांस्कृतिक विरासत को संकरा करने से उन्होंने इनकार किया. उन्होंने लिखा है- 'हिन्दुस्तानी संस्कृति न तो बिल्कुल हिंदू है और न बिल्कुल मुसलमानी.' आगे वह कहते हैं- 'मैं चाहता हूं मेरे घर में सब देशों की संस्कृति ज्यादा-से-ज्यादा आजादी के साथ फैले. लेकिन, उनमें से कोई भी मुझे बहा ले जाए, यह मैं नहीं चाहूंगा. दूसरे लोगों के मकानों में एक भिखारी या गुलाम या अनचाहा आदमी की तरह रहने को मैं तैयार नहीं हूं.' पर दुर्भाग्य हमारा, आज हम हिंदुस्तानी उनके विरोध में कहते हैं कि गांधी-नेहरू के कारण ही देश का बंटवारा हुआ. मुसलमानों ने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए कितना योगदान दिया, उसका उदाहरण वर्ष 1930 के दूसरे सविनय अवज्ञा आन्दोलन के सिलसिले में देखा जा सकता है. जिन लोगों को जेल भेजा गया, उनमें कम-से-कम दस हजार मुसलमान थे. किस प्रकार यह सोच सकते हैं कि अब हम हिंदू राष्ट्र भारतवर्ष को बनाएंगे? यह राजनीतिज्ञों द्वारा जनता को गुमराह करने का नारा है और प्रश्न यह भी है कि आखिर हिंदू राष्ट्र क्यों? भारतीय संविधान जिन मूर्धण्य विद्वानों द्वारा तैयार किया गया, क्या आज के राजनीतिज्ञ उनसे अधिक दूरदर्शी हैं? जो आज इस नारे से देश की जनता को प्रलोभन देकर अपना वोट बैंक बनाना चाहते हैं? उन्होंने आजादी के दीवाने उन मुसलमानों के लिए सोचा, जिनका नाम इंडिया गेट दिल्ली और गेट वे ऑफ इंडिया मुंबई के ऊपर लिखा हुआ है? क्या ऐतिहासिक इन निशानों को गिराकर उन मुसलमान शहीदों के नाम मिटा दिए जाएंगे? देश के पुनर्निर्माण में उनके योगदान को इतिहास से मिटा देंगे? क्या 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान का' नारा देने वाले अल्लामा इकबाल, 'भारत छोड़ो' का नारा देने वाले यूसुफ मेहर अली, 'जयहिंद' का नारा देने वाले आबिद हसन सफरानी के नाम को इतिहास से मिटा देंगे? कई प्रश्न है, जिन्हें समझने के लिए हमें उनसे तर्क करने की जरूरत है. लोग समझने लगे हैं कि बेरोजगारी से ,गरीबी से, भुखमरी से मंदिर बनाने के कारण छुटकारा नहीं मिलेगा, युवाओं को रोजगार नहीं मिल जाएगा. इसलिए हिंदू राष्ट्र का स्वप्न दिखाना केवल मतदाताओं को गुमराह करने का एक जुमला ही है, और कुछ नहीं. पता नहीं क्यों, हमारे राजनीतिज्ञ पुनर्स्थापना से इतने विचलित रहते हैं. विश्व के कई देश तो इसी से बने हैं. आज विश्व का सबसे विकसित और संपन्न देश अमेरिका पूरी तरह से पुनर्स्थापितों का ही देश है. भारत में यदि किसी रूप में मुसलमान आए, तो हम उन्हें अपने में क्यों नहीं समा पाए, यह बड़ा जटिल प्रश्न है. फिर वे ही समाज उसकावे में आकर दंगा-फसाद करने से नहीं चूकते. तब ऐसे राजनीतिज्ञों को दंगों पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का अवसर मिल जाता है. वे अपना वोट बैंक मजबूत कर लेते हैं. सच तो यह है कि ऐसा इसलिए हो पाता है, क्योंकि हमारा समाज अभी तक पूर्ण शिक्षित नहीं हो सका है. जिस दिन शिक्षा के मामले में हमारा भारत विश्व के दूसरे देशों की तरह हो जाएगा, ये सारी कमियां अपने आप दूर हो जाएंगी और फिर वह अमेरिका की तरह विकसित भी हो जाएगा. सच तो यह है कि भारत के लिए भी यही कहा जाता है कि यहां भी आर्य बाहर से ही तो आए. उद्देश्य होना चाहिए सबका देश, सबका विकास. आपस में लडने से किसी का भविष्य आगे नहीं बढ़ सकता. न ही देश विकसित होगा और न ही हम विकसित हो पाएंगे. सच तो यह है कि मोहम्मद अली जिन्ना ने स्वयं एक वक्तव्य जारी कर कहा था कि अगर गांधी पाकिस्तान के बनाए जाने पर राजी हो जाएं, तो सारी समस्या मिनटों में सुलझ जाएगी, लेकिन गांधी हिंदुस्तान के विभाजन को एक ईश्वरद्रोह की तरह देखते थे. देश की जनता का कुछ प्रतिशत भाग अशिक्षित हो, लेकिन अनुभव से उसने सीख लिया है कि अब तक देश में उनके कारण जो आपसी मतभेद होता रहा, उसकी जड़ में राजनीतिक दुर्भावना से ग्रस्त देश के राजनीतिज्ञ ही रहे हैं.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

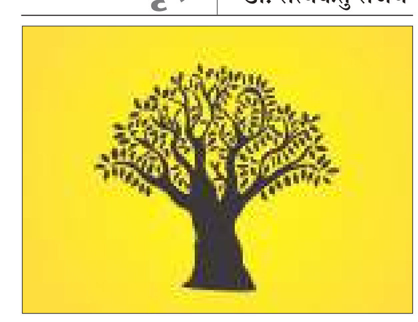

ब्रह्मा के रात और दिन

ब्रह्मा के रात्रि व दिन को श्री कृष्ण स्पष्ट करते है- ब्रह्मा के दिन (विद्या) के प्रवेश काल में सम्पूर्ण प्राणी (दैवी सम्पद) अव्यक्त ब्रह्मा (बुद्धि) में जागृत हो जाते हैं और रात्रि के प्रवेश काल में उसी अव्यक्त ब्रह्मा (बुद्धि) में जागृत सूक्ष्म तत्त्व (दैवी सम्पद) अचेत हो जाते हैं. वे प्राणी (दैवी सम्पद) रात्रि (अविद्या) में स्वरूप को स्पष्ट देख नहीं पाते. सब प्राणी (दैवी सम्पद) इस प्रकार जागृत हो कर प्रकृति से विवश हो कर रात्रि (अविद्या) के आने पर अचेत हो जाते है. वे नही देख पाते कि उनका लक्ष्य क्या है? दिन (विद्या) के प्रवेश काल मे वे पुनः जागृत हो जाते है. जब तक ब्रह्मा (बुद्धि) है, तब तक इसके अन्तराल मे दिन (विद्या) और रात्रि (अविद्या) का क्रम चलता रहता है. जब तक ब्रह्मा (बुद्धि) है, तब तक इसके अन्तराल मे दिन (विद्या) और रात्रि (अविद्या) का क्रम चलता रहता है. तब तक वह साधक ही है, महापुरुष नहीं. ब्रह्मा की अन्तिम स्थिति बताते हैं- एक तो ब्रह्मा (बुद्धि) अव्यक्त है, इन्द्रियों से दिखाई नहीं पडती और इससे भी परे सनातन अव्यक्त है, जो भूतो (दैवी सम्पद) के नष्ट होने पर भी नष्ट नही होता. दिन (विद्या) मे सचेत और रात्रि (अविद्या) में अचेत, भाव वाले अव्यक्त ब्रह्मा (बुद्धि) के भी मिट जाने पर वह सनातन अव्यक्त भाव मिलता है, जो कभी नष्ट नहीं होता. उस सनातन अव्यक्त को अविनाशी कहते हैं. उसी को परम गति कहते है. वही मेरा परम धाम है, जिसे प्राप्त हो कर मनुष्य पीछे नही आते, उन का पुनर्जन्म नहीं होता. अब प्रश्न है कि देवी (नव दुर्गा) क्या हैं? देवियों की उत्पत्ति के विषय में कहा जाता है कि सती के शव को लाद कर भगवान शिव घूम रहे थे, तो भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शव को काट काट कर उसके टुकडे करके गिरा दिये और शिव को भार मुक्त कर दिया, उसके बाद शिव ध्यानस्त हो कर समाधि मे बैठ गये. वह सती के शव के जो जो भी टुकडे जमीन पर गिरे वह सभी देवियों के रूप मे उत्पन्न हो गये. वस्तुतः हमारी लग्न (प्रेम) ही बाह्य मुखी साधना होने पर सती और साधना अन्तर मुखी होने पर पार्वती कहलाती है, यह लग्न ही हम से भजन कराती है.

भारतीय राष्ट्र के निर्माता थे सरदार पटेल

• स्मृति

अरविंद जयतिलक

भारतीय राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए सरदार बल्लभ भाई पटेल ने देशवासियों में जो प्रेम, स्वाभिमान व सेवा की भावना पैदा की, वह उनकी राष्ट्रभक्ति व समाज भक्ति की अटूट मिसाल है. मातृभूमि के प्रति अगाध भक्ति और सत्य के प्रति अपरिमित निष्ठा ने उन्हें आजादी के संघर्ष का नायक बना दिया. खेड़ा संघर्ष में उनका कुशल राजनीतिक नेतृत्व खुलकर सामने आया जब सूखे की मार से परेशान किसान ब्रिटिश सरकार से भारी कर में छूट की मांग कर रहे थे. जब निरंकुश सत्ता ने उनकी मांग को ठुकरा दी और उन्होंने किसानों का नेतृत्व हाथ में लिया. दमन का जवाब देने के लिए उन्होंने किसानों को कर न देने के लिए प्रेरित किया. उनके संघर्ष के आगे आखिकार ब्रितानी हुकूमत को झुकना पड़ा और किसानों को करों में राहत देनी पड़ी. 1928 का बारदोली सत्याग्रह ने बल्लभभाई पटेल को सरदार पटेल बना दिया और तत्कालीन प्रांतीय सरकार द्वारा लगान में 30 फीसदी वृद्धि किए जाने से नाराज किसानों ने उनके नेतृत्व में विरोध का मोर्चा खोल दिया. सरदार के सत्याग्रह को कुचलने के लिए सरकार ने दमन का सहारा लिया लेकिन न तो वे झुके और न ही उनके सत्याग्रही साथी. अंततः सरकार को अपना फैसला पलटते हुए 30 फीसदी लगान को घटाकर 6.3 फीसद करना पड़ा. बारदोली सत्याग्रह आंदोलन के सफल होने के बाद वहां की महिलाओं ने बल्लभ भाई को सरदार की उपाधि से नवाज दिया. पटेल के साहस से प्रभावित होकर गांधी जी ने कहा कि इस तरह का हर संघर्ष हमें स्वराज के करीब पहुंचा रहा है. गौरतलब है कि 1920 के दशक में गांधी के सत्याग्रह के जरिए ही सरदार पटेल कांग्रेस में शामिल हुए. इससे पहले वे अपनी शर्तों पर 1922, 1924 और 1927 में अहमदाबाद के नगर निगम के अध्यक्ष चुने गए. नगर निगम का अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने ढेरों सुधार के कार्य किए. वे दो बार कांग्रेस के सभापति भी रहे. सरदार पटेल की सबसे बड़ी उपलब्धि देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय कराना था. उपप्रधानमंत्री, गृह, सूचना और रियासती विभागों के मंत्री रहते हुए उन्होंने जिस निर्भिकता और चतुराई से 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलिनीकरण कराया वह विश्व इतिहास की अदभुत घटना है. अगस्त 1947 में जब अंग्रेजों ने भारत छोड़ा तो देश राजनीतिक दृष्टि से ब्रिटिश और भारतीय प्रांतों में बंटा हुआ था. भारतीय प्रांतों की संख्या पांच सौ से अधिक थी. इनमें हैदराबाद, कश्मीर, मैसूर, ट्रावनकोर और बड़ौदा शामिल थे. आमतौर पर सभी प्रांतों में निरंकुश शासन था. इनमें बहुत से प्रांत तो इस नाम के भी अधिकारी नहीं थे क्योंकि उनके पास न तो पर्याप्त भू-क्षेत्र था और न ही उनके देखभाल के लिए जरुरी साधन. लेकिन 15 अगस्त, 1947 को जैसे ही इंग्लैण्ड की सर्वोच्च सत्ता समाप्त हुई सभी प्रांत प्रभुतासंपन्न हो गए. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के अनुसार यह प्रांत पूर्ण रुप से स्वतंत्र थे और भारत या पाकिस्तान किसी भी अधिराज्य में सम्मिलित हो सकते थे. यह प्रांत स्वतंत्र नहीं रह सकते थे. दोनों अधिराज्यों में से किसी एक में विलयन आवश्यक था और इसका फैसला भौगोलिक और राजनीतिक आधार पर ही हो सकता था. भारत में 600 से अधिक रियासतें विद्यमान थी. एक समृद्ध और सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए इन सबका भारत में विलय आवश्यक था. 5 जुलाई 1947 को एक रियासत विभाग की स्थापना की गयी जिसका प्रभार सरदार पटेल को सौंपा गया. पटेल ने पीवी मेनन के साथ मिलकर देशी राज्यों को भारतीय संघ में मिलाने का प्रयास तेज कर दिया. रियासती मंत्रालय द्वारा एक प्रवेश पत्र तैयार किया गया और भारतीय राजाओं से अपील की गयी कि भारत के इतिहास में हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं. भारतीय नरेशों के सामने दो विकल्प रखे गए. पहला विकल्प था वे अपनी रियासतों का भारतीय संघ में विलय कर लें. उनके अंदरुनी मामले में केंद्र सरकार कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी. किंतु प्रतिरक्षा, विदेश संबंध और संचार साधनों पर केंद्र सरकार का पूर्ण नियंत्रण रहेगा. दूसरा विकल्प था कि यदि भारतीय राजा ऐसा नहीं करेंगे तो उनकी रियासतों को बल पूर्वक भारतीय संघ में विलय कर लिया जाएगा. पटेल के समझाने के बाद अधिकांश देशी राजाओं ने भारतीय संघ में विलय के प्रस्ताव को स्वीकार लिया. लेकिन जम्मू-कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद के राजाओं ने ऐसा करने से मना कर दिया. जूनागढ़ एक छोटी रियासत थी और वहां पर नवाब का शासन था.

> 1928 का बारदोली सत्याग्रह ने बल्लभभाई पटेल को सरदार पटेल बना दिया और तत्कालीन प्रांतीय सरकार द्वारा लगान में 30 फीसदी वृद्धि किए जाने से नाराज किसानों ने उनके नेतृत्व में विरोध का मोर्चा खोल दिया. सरदार के सत्याग्रह को कुचलने के लिए सरकार ने दमन का सहारा लिया लेकिन न तो वे झुके और न ही उनके सत्याग्रही साथी.

हमास के खिलाफ पश्चिमी गोलबंदी के मायने

• देशांतर

पुष्परंजन

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को प्रस्ताव दिया था कि इराक और सीरिया में इस्लामिक स्टेट की जड़ों से जूझ रहे मौजूदा अंतरराष्ट्रीय गठबंधन का विस्तार किया जा सकता है. इसमें सहमति बनी तो हमास के खिलाफ लड़ाई तेज़ की जा सकती है. यरुशलम में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक बैठक के बाद यह प्रस्ताव मैक्रों ने दिया है. इससे यूरोप को क्या हासिल होने वाला है? बड़ा सवाल है. फ्रांस में हमास के समर्थन में प्रदर्शन पर आधिकारिक रोक आयद है. आगामी 9 जून, 2024 तक फ्रांस में संसदीय चुनाव हो जाना है. 2024 में अमेरिका और भारत में भी आम चुनाव हैं. दुनिया के 53 देशों में 2024 में आम चुनाव हैं, उनमें सर्वाधिक यूरोप के देश हैं. यह कहना मुश्किल है कि ओशिनिया, पालाउ, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में आम चुनावों की रणनीति इस्राइल-फिलिस्तीन युद्ध से प्रभावित होगी या नहीं, मगर यूरोप, अमेरिका, उत्तर अफ्रीका, एशियाई मुल्क इससे अछूते नहीं रह सकते. मैक्रों कुछ खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर बताना चाहते हैं कि आइसिस यानी दाएश नये सिरे से अपनी जड़ों का विस्तार फलस्तीनी प्रभाव वाले क्षेत्रों में कर रहा है. अलायंस ने कुर्द लड़ाकों के साथ काम किया, जिन्होंने सीरिया में जमीनी लड़ाई का बड़ा हिस्सा संभाल रखा था. इन लोगों ने प्रमुख इराकी शहर मोसुल सहित उत्तरी सीरिया और उत्तरी इराक में कई क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया था. दाएश की जड़ों को समाप्त करने वाले गठबंधन की स्थापना 2014 में की गई थी, इसमें यूरोपीय संघ और अरब लीग वाले देशों के 86 सदस्य शामिल हैं. मगर, कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि दाएश को मिटाने के लिए जो सर्वसम्मति पाई गई थी, वह हमास के खिलाफ अभियान में तब्दील नहीं होगी. ऐसे अलायंस के बैनर तले अरब लीग के देश हमास के विरुद्ध अभियान में आगे आयेंगे, इसमें शक ही है. शांति प्रयास के लिए देर से ही सही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ संज़ीदा तो हुआ है. मगर, बातचीत की मेज़ पर महमूद अब्बास दिखते रहे. कायदे से इस्माइल हानिया को मेज पर होना चाहिए, जो गाज़ा पर दशकों से शासन करते रहे, जिनकी एक आवाज़ पर राकेट का दगना बंद हो सकता है.वर्ष 2006 में दूसरे संसदीय चुनाव के बाद हमास और फतेह पार्टी में खटपट शुरू हुई. दोनों में सत्ता बंट गई. रामल्ला केंद्रित वेस्ट बैंक की सियासत महमूद अब्बास की फतेह पार्टी देखने लगी, जो वहां के राष्ट्रपति घोषित किये गये. 14 जून, 2007 से गाज़ा पट्टी की सत्ता हमास के हाथों में है, उसके प्रधानमंत्री हैं इस्माइल हानिया. हानिया के बराबर हमास में नेता खड़ा करने के प्रयास लगातार हुए हैं. हमास की राजनीतिक गतिविधियों के हवाले से कोई भी पूछेगा, यह एक निर्वाचित सरकार की हैसियत से इस्राइल के विरुद्ध लड़ रहा है, या उसे आतंकी संगठन ही मान लिया जाए?फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस (आईएफआरआई) के एली टेनेनबाम ने कहा, दाएश विरोधी गठबंधन के सदस्यों की सूची में कतर, जॉर्डन और तुर्किये जैसे कई देश शामिल रहे हैं, जो हमास पर फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों की रणनीति से इत्तेफाक़ नहीं रखते. मगर, यहूदी मीडिया को माहौल बनाने के लिए लगा दिया गया है. तेल अवीव से मुद्रित हारेत्ज़ अख़बार ने दस ऐसे शोधार्थियों व स्कॉलर्स के शोध पत्रों को प्रकाशित किया है, जिसमें यह बताने की चेष्टा की गई है कि हमास की मारक क्षमता आइसिस से तालमेल की वजह से बढ़ी है. इसमें सबसे दिलचस्प यह है कि आइसिस विरोधी 86 देशों का जो गठबंधन बना था, उसमें इजराइल सदस्य नहीं था. लंदन स्थित थिंक टैंक 'चौथम हाउस' के वरिष्ठ शोधार्थी रेनैड मंसूर ने कहा, 'दाएश के ख़िलाफ लड़ाई में इराकी और सीरियाई आबादी का व्यापक समर्थन था, मगर हमास के खिलाफ ऐसा कोई भी अभियान कठिन होगा, क्योंकि हमास के समर्थन में मुस्लिम देश अधिक हैं. लेकिन जो सबसे ख़तरनाक दिखने लगा है, वह है दोनों तरफ़ होने वाला नरसंहार.' हमास को लेकर मुस्लिम देश रणनीति तेज़ी से बदल रहे हैं. कतर, हमास की सबसे बड़ी आर्थिक ताक़त है. वर्ष 2012 में क़तर के अमीर शेख़ हमद बिन ख़लीफा अल-थानी गाज़ा पट्टी आये और हमास को 1.8 अरब डॉलर की मदद देने की घोषणा की थी. अरब लीग, ट्यूनीशिया हमास की सरपरस्ती करते रहे. नाटो का सदस्य होने के बावजूद तुर्की के राष्ट्रपति रिज़ेब तैयप एर्दोगान ने हमास नेता इस्माइल हानिया को हरसंभव सहायता देने का ऐलान किया है.

> मैक्रों कुछ खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर बताना चाहते हैं कि आइसिस यानी दाएश नये सिरे से अपनी जड़ों का विस्तार फलस्तीनी प्रभाव वाले क्षेत्रों में कर रहा है. अलायंस ने कुर्द लड़ाकों के साथ काम किया, जिन्होंने सीरिया में जमीनी लड़ाई का बड़ा हिस्सा संभाल रखा था.

मीडिया में अन्यत्र

राजस्थान के चुनावों के बीच ईडी

राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा (वर्तमान विधायक, और नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में सीकर के लक्ष्मणगढ़ से पार्टी के उम्मीदवार) और निर्दलीय विधायक ओम प्रकाश हुडला (जिन्हें महवा से इस बार कांग्रेस ने मैदान में उतारा है) के ठिकानों पर तलाशी ने एक बार फिर सबका ध्यान केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर खींचा है, जिस पर विपक्षी नेताओं को चुनिंदा ढंग से निशाना बनाने का आरोप लगता रहता है. ईडी की धन-शोधन संबंधी जांच राजस्थान पुलिस द्वारा 'सीनियर टीचर ग्रेड 2 प्रतियोगी परीक्षा 2022' का सामान्य ज्ञान का प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप की तफ्तीश के लिए, कायम किये गये मामलों पर आधारित है. यह परीक्षा रद्द कर दी गयी थी और राजस्थान लोक सेवा आयोग ने इसका नया कार्यक्रम जारी किया था. विदेशी मुद्रा से जुड़े कथित उल्लंघन के एक मामले में, ईडी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को भी तलब किया है. राजस्थान में, सरकारें आम तौर पर चुनाव में अपनी गद्दी बचा नहीं पाती हैं, लेकिन मुख्यमंत्री गहलोत ने अपनी ढेर सारी नयी कल्याणकारी योजनाओं और उसके साथ ताबड़तोड़ प्रचार अभियान के जरिए इस धारणा को पूरी मजबूती से चुनौती दी है. कांग्रेस में गुटबाजी पर काबू पा लिया गया है और गहलोत व उनके पार्टी सहकर्मी सचिन पायलट एकजुट हैं. दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में अपने नेताओं के बीच बढ़ते टकराव से जूझ रही है. कांग्रेस ने चुनावी राज्य में ईडी की कार्रवाई को भाजपा की हताशा का परिचायक करार दिया है.भाजपा का दावा है कि ईडी की सभी कार्रवाइयां विशुद्ध रूप से भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने के लिए हैं. इस पर तभी यकीन किया जा सकता था जब ये कार्रवाइयां समानता के साथ और निष्पक्ष होतीं. ईडी द्वारा कार्रवाई किये जाने या न किये जाने का पैटर्न ऐसे किसी नतीजे पर पहुंचने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ता. राजनीतिक भ्रष्टाचार के पीछे लगने में ईडी का उत्साह नरम-गरम होता रहता है. यह कुछ ज्यादा ही संयोगपूर्ण है कि ईडी को भ्रष्टाचार का शक केवल विपक्ष-शासित राज्यों में और भाजपा के विरोधी नेताओं पर होता है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जायका/जायजा

अचानक टमाटर महंगा हो गया. आमलोगों की पहुंच से दूर होने गया तो भोजन का जायका फीका हो गया. टमाटर अपने आप में जायके की खान होता है. लोग परेशान हो गये, जो अस्वाभाविक नहीं था मंत्री जी ने लोगों की परेशानियों का जायजा लिया, लेकिन उसका कोई परिणाम सामने नहीं आया. लगता है उनके द्वारा जायजा लेने की क्रिया केवल राजनीतिक खेल था. जायका और जायजा ये दोनों शब्द थोड़े अंतर के बावजूद एक जैसे लगते हैं, लेकिन सबसे बड़ी बात तो यह है कि इनके प्रयोग में किसी प्रकार की गलती की कोई गुंजाइश नहीं रहती. इन दोनों के बीच समानता यही है कि दोनों अरबी मूल के संज्ञा पुल्लिंग शब्द हैं, लेकिन अंतर तो जमीन और आसमान जैसा है. रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार जायका का मतलब है किसी वस्तु का वह गुण, जिसके कारण खाए जाने वाले पदार्थ स्वादिष्ट या रुचिकर लगते हैं; ऐसा स्वाद जो विशेषतः खाने-पीने की चीज़ों का होता है. मूलतः जायका का मतलब स्वाद, रस, लज़्ज़त, प्रतिकार, प्रत्यपकार, रसेंद्रिय की शक्ति से है. जिन पदार्थों में अच्छा स्वाद या जायका होता है, उन्हें जायकेदार कहा जाता है. जायकेदार का मतलब स्वादिष्ट और मजेदार भी होता है. फारसी भाषा में इससे मिलता-जुलता शब्द है जायचा, जिसका मतलब है जन्मपत्री, रमल में बनायी गयी जन्मकुंडली. इसी प्रकार हम जायजा शब्द पर भी विचार कर सकते हैं. जायजा शब्द का मतलब है सर्वेक्षण, समीक्षा, जांच, पड़ताल, देख कर अनुमान लगाना, निरीक्षण, परख, हिसाब-किताब की पड़ताल, परीक्षा, किसी चीज़ का अनुमान. यहां काबिलेगौर बात यह है कि अरबी भाषा में इससे मिलता जुलता एक शब्द चलता है जायज. निश्चित रूप से जायज शब्द का जायजा से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि जायज का मतलब है उचित, मुनासिब, विहित, जो नियम या विधान से सही हो, ठीक, वाजिब, वैध, मानने लायक, मान्य, अधिकृत.

वीक में एक बार नो बाइक डे हो

रवि प्रकाश

एक हमारा जमाना था कि डिग्री कॉलेज भी सब लड़के साइकिल पर ही जाया करते थे. आज हाई स्कूल होते-होते सबके हाथों में बाइक, स्कूटर अथवा स्कूटी आ चुकी है. चार कदम पर अगर समोसे लेने के लिए भी जाना है तो बाइक पर ही जाते हैं. पैदल चलने का कोई सवाल ही नहीं रहा. साइकिल केवल वे लोग शहर में चलाते हुए दिखते हैं, जो गाँव से मजदूरी करने के लिए आते हैं. अन्यथा शहर के लड़के कोई भी साइकिल चलाते हुए नहीं दिखते. किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि साइकिल की एक दिन ऐसी दुर्गति होगी. सड़कों पर बाइकें दोनों तरफ ऐसे खड़ी रहती हैं, जैसे कब्जा करके सड़क पर धरना दे रही हों. एक दुकान के आगे जितनी लंबाई है, उसकी डबल बाइकें खड़ी रहती हैं. चार फीट जगह एक तरफ, चार फीट जगह दूसरी तरफ कुल मिलाकर आठ फीट का अतिक्रमण आम बात है . बेचारी रिक्शा ऐसे में सड़क पर से गुजरे भी तो कैसे गुजरे ! बाइक को खरोंच आनी नहीं चाहिए और पतली सी सड़क कहती है कि तुम ई रिक्शा हो, यहां से कैसे जा सकती हो? सप्ताह में एक दिन अगर "नो बाइक डे " घोषित हो जाए और उस दिन सुबह से शाम तक सड़क पर कोई भी बाइक नजर न आए तो विश्वास कीजिए यह अतिशयोक्ति नहीं है , लेकिन ऐसा लगेगा जैसे शहर में कर्फ्यू लगा हुआ है. कल्पना कीजिए बाजार खुले हैं. लोग आ जा रहे हैं, लेकिन खड़ी हुई बाइक या चलती हुई बाइक दिन भर एक भी नजर नहीं आ रही है. सबसे ज्यादा प्रदूषण इस समय बाइकों से हो रहा है . सबसे कम प्रदूषण अथवा शून्य प्रदूषण ई रिक्शा से होता है. ई-रिक्शा क्योंकि बैटरी से चलती है, इसलिए उसमें बिल्कुल भी धुआं नहीं निकलता. बाइक धूल भी उड़ाती है, साथ में धुआं भी उड़ाती है. बाइकों की संख्या इतनी ज्यादा है कि अगर किसी स्थान पर एक मिनट खड़े हो जाओ तो सामने से साठ बाइकें इधर-उधर जाती हुई मिल जाएंगी. सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को सभी लोग अच्छा मानते हैं. ई रिक्शा में एक अच्छाई यह भी है कि चार लोग बैठते हैं तो आपस में जान-पहचान हो जाती है, दुआ सलाम होती है, कभी-कभी खैरियत भी पूछ ली जाती है. बातचीत के सिलसिले आगे बढ़ते हैं और परिचय प्रगाढ़ हो जाता है. अनेक बार तो जान पहचान के ऐसे लोग जो कई साल से नहीं मिले, वे ई रिक्शा में मिल जाते हैं. देखते ही चेहरा खिल उठता है. पूछते हैं "और आप कैसे हैं ? " रिक्शा के माध्यम से छोटे स्तर पर मेल मिलाप बढ़ता है. बाइक में क्या है, सिवाय इसके कि बैठे और फटाक से चल दिए.

रफ्तार टेक्नो

लैपटॉप खरीदने के पहले जान लीजिए ये बातें

प्रेम आनंद
आईटी एक्सपर्ट

अगर आप अपना पहला लैपटॉप खरीदने जा रहे हैं तो यह आपके लिए एक काफी अलग अनुभव हो सकता है. वैसे आजकल मार्केट में कई सारे विकल्प उपलब्ध हैं. सबसे सस्ता क्रोम बुक से लेकर सबसे महंगा एप्पल के मैक तक में इतने सारे विकल्प हैं कि सही जानकारी के अभाव में आप कन्फ्यूज़ कर जाएंगे. इसीलिए खरीदारी करने से पहले कुछ चीजों की जानकारी बहुत जरूरी है साथ ही कई महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान देना भी जरूरी है. आपका कैसे चेक करेंगे कि कौन सा लैपटॉप आपके लिए सही है या नहीं. अगर आप बहुत अधिक या बहुत कम खर्च करने से बचना चाहते हैं तो आपको यह चेक करना चाहिए कि आपके लिए कौन सा लैपटॉप बेस्ट है. यहां हम आपको बताएंगे कि अपना पहला लैपटॉप खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

डिस्प्ले पर ध्यान दें

खरीदते समय देखने वाली सबसे अहम चीज में से एक डिस्प्ले है. एक लैपटॉप का इस्तेमाल काम, स्पोर्ट्स और कंटेंट देखने के लिए किया जाता है. सस्ते रेंज मे अधिकतर लैपटॉप एक एचडी पैनल प्रदान करते हैं जो ज्यादा खास नहीं हैं. हालांकि आप इस रेंज में एफएचडी पैनल और एक 15.6 इंच बड़ी डिस्प्ले वाली लैपटॉप भी खरीद सकते हैं. अभी बाजार में सबसे लैटस्ट है ओएलईडी डिस्प्ले जो आपको 45 हजार से ऊपर के लैपटॉप में ही मिल सकता है.

बैटरी बैकअप और फास्ट चार्जिंग

एक लैपटॉप की सबसे बड़ी खासियत उसकी पोर्टेबिलिटी है. लेकिन अगर बैटरी बैकअप ही कम हो तो फिर लैपटॉप का कोई फायदा नहीं. इसलिए जरूरी है कि मशीन पूरे दिन तक चले. इसलिए खरीदते हुए अच्छी बैटरी लाइफ पर ध्यान देना जरूरी है. ऐसे ऑप्शन को खोजिए जो कि पूरे दिन की बैटरी लाइफ प्रदान करते हों. चार्जिंग एक और चीज है जहां आपको ध्यान देना जरूरी है. कम दामों वाला लैपटॉप ज्यादा फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट नहीं करते हैं. अभी बाजार में मोबाइल की तरह लैपटॉप में भी टाइप सी वाले चार्जिंग पोर्ट वाले लैपटॉप अवैलबल हैं जो चार्जिंग के साथ साथ हेड़फोन कानेक्टिविटी और यूएसबी टाइप सी का भी काम करते हैं.

बेहतरीन परफॉर्मेंस

एक लैपटॉप का इस्तेमाल कई चीजों के लिए किया जाता है. जैसे आप काम के लिए इस्तेमाल करते हों, गेम या कंटेंट देखने के लिए करते हों तो उन सभी के लिए बेहतर प्रोसेसर बहुत जरूरी है जो कि हर समय काम करे. इसलिए अपना पहला लैपटॉप खरीदते हुए हमेशा उसी को खोजना चाहिए जिसमें बेहतर प्रोसेसर हो. सस्ते में आपको ऐटम और इंटेल के कम रेंज वाले प्रोसेसर उपलब्ध हैं. अगर आपका बजट अच्छा खास है तो आप सबसे लैटेस्ट कुआडल कोर, आई 9 13वें जनरेशन के लैपटॉप भी खरीद सकते हैं.

मेमोरी और स्टोरेज

वर्तमान परिवेश में मोबाइल की तरह लैपटॉप भी एक पर्सनल डिवाइस है. सभी के पास डाटा तेजी के साथ बढ़ता जाता है तो ऐसे में लैपटॉप ज्यादा स्टोरेज होना भी जरूरी है. हमेशा कम से कम 8 जीबी रैम और 256 जीबी, 512जीबी एसएसडी स्टोरेज का ऑप्शन चेक कर सकते हैं. ऐसे में आपको कुछ समय बाद ही ज्यादा स्टोरेज की जरूरत नहीं होगी. अगर आपका बजट कम है तो आप कम स्टॉरिज का लैपटॉप खरीदकर साथ में इक्स्टर्नल ड्राइव भी खरीद कर काम चल सकते हैं.

मनपसंद डिजाइन

सभी चाहते हैं कि उनका गजेट सबसे अलग और स्टाइलिश नजर आए तो उसके लिए आपको काफी डिजाइन देखने होंगे. आज के समय में प्रीमियम मेटल बॉडी का लैपटॉप काफी स्टाइलिश लगता है जो कि लंबे समय तक इस्तेमाल हो सकते हैं.

प्रोसेसर जरूर चेक करें

लोग लैपटॉप खरीदते समय इसकी प्रोसेसर की जांच करने के लिए सेटिंग में जाकर चिपसेट किस वर्जन पर है, इसे देखते हैं. लेकिन इतने से ही प्रोसेसर की परफॉर्मेंस की जांच कर पाना मुमकिन नहीं है. इसलिए जरूरी है कि प्रोसेसर की कन्फिग्यरैशन को भी अच्छी तरह से जान लें. प्रोसेसर 3 सीरीज के होते हैं इनमें पी, यू, और एच शामिल है.

पी सीरीज प्रोसेसर

इस सीरीज का इस्तेमाल हार्डकोर गेमिंग के लिए नहीं कर सकते हैं. अगर आपको नॉर्मल ब्राउजर अच्छी बैटरी बैकअप चाहिए तो इसके लिए आप पी सीरीज चिपसेट प्रोसेसर वाली लेपटॉप खरीद सकते हैं. इसमें थोड़ी बहुत गेमिंग के साथ ही मूवीस देख पाएंगे.

एच सीरीज प्रोसेसर

इस सीरीज का लैपटॉप काफी हल्का और पतला होता है. इसके अलावा स्क्रीन की साइज भी काफी बड़ी होती है. इसमें आप ज्यादातर टेक्निकल काम बहुत ही आसानी से कर पाएंगे. इसके हैंग होने की बहुत कम आशंका होती है. इस सीरीज पर आधारित लैपटॉप को आसानी से फोल्ड कर पाएंगे.

प्रोसेसर बिट

आजकल सभी लैटस्ट प्रोसेसर 64 बिट के ही होते हैं. इससे कम बिट के प्रोसेसर हो तो बिल्कुल न खरीदें.

प्रोसेसर क्लाक स्पीड

क्लाक स्पीड से किसी प्रोसेसर की स्पीड को थोड़ा बहुत समझ सकते हैं. यह गीगा हट्र्ज में होता है. अभी 4.1 जीएच तक के प्रोसेसर उपलब्ध हैं. कम से कम 3.6 जीएच के प्रोसेसर का चुनाव करें. इससे कम क्लाक स्पीड के प्रोसेसर का अच्छा परफॉरमेंस नहीं होता है.

यू प्रोसेसर

यह एक हाई परफॉर्मेंस गेमिंग और अलग-अलग हार्ड कोर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करने के लिए बना है. इसकी कीमत बहुत ज्यादा होती है. कभी भी लैपटॉप खरीदने से पहले एक बार जानकार से सलाह जरूर लें. प्रोसेसर की जांच करते समय अंतिम अक्षर ध्यान से देखें.

कैशै मेमोरी

कैशै मेमोरी जो प्रोसेसर के कार्य क्षमता और स्पीड को बढ़ाता है. चेक कर लें कि आपके लैपटॉप में 8 एमबी की कैशै मेमोरी हो.

लेटेस्ट सॉफ्टवेयर

लैपटॉप खरीदते हुए आपको उस सॉफ्टवेयर को भी चेक करना चाहिए, जिसे आप इस्तेमाल करना चाहते हैं. फिलहाल ऑपरेटिंग सिस्टम की बात करें तो विंडोज़ 11 अभी लैटस्ट है. बहुत सारी कंपनियां नए लैपटॉप के साथ कई सॉफ्टवेयर के पैकेज फ्री में उपलब्ध करतीं हैं. उसे जरूर चेक कर लें.

साथ ही साथ कुछ अन्य बातों को भी ध्यान में रखना चाहिए. जब आप अंधेरे में टाइप करना चाहते हैं तो बैकलिट कीबोर्ड जैसी चीजें जरूरी होती हैं. एक बड़ा और स्मूथ टचपैड है या नहीं. क्लास और ऑफिस में वीडियो कॉल के लिए बेहतर, हाई रेजॉल्यूशन वाले वेबकैम की जरूरत होती है, यह इनबिल्ड है या नहीं. वाईफाई, ब्लूटूथ, कार्ड स्लॉट, कितने यूएसबी पोर्ट हैं, एचडीएमआई पोर्ट, ईथर्नेट पोर्ट इत्यादि भी अच्छी तरह चेक कर लें.

क्रोमबुक खरीदें या लैपटॉप

सबसे पहले आपको जानना होगा कि क्रोम बुक क्या है. क्रोमबुक एक लैपटॉप है जो गूगल के क्रोम ओएस पर चलता है, यह एक हल्का ऑपरेटिंग सिस्टम जो मुख्य रूप से क्रोम ब्राउज़र पर अपने मैन यूजर इंटरफेस के रूप में निर्भर करता है. इसका मतलब है कि आप क्रोम ब्राउज़र से जो कुछ भी कर सकते हैं, वह आप क्रोमबुक पर कर सकते हैं. अगर आप सिर्फ इंटरनेट सर्फिंग के लिए लैपटॉप खरीदना चाहते हैं तो महंगे लैपटॉप खरीदने से अच्छा है कि आप क्रोमबुक खरीदें. गूगल ने क्रोम ओएस को क्रोम वेब स्टोर या गूगल प्ले स्टोर से ऐप्स चलाने में इनेबल होने के लिए डिज़ाइन किया है, जिसमें वर्ड प्रोसेसर और स्प्रैडशीट से लेकर इंस्टेंट फोटो एडिटिंग और लाइट गेमिंग तक सभी मूलभूत चीजें शामिल हैं. और, इनमें से कई ऐप्स आप बिना इंटरनेट के भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

वहीं अगर आप हेवी वर्क करना चाहते है जैसे कोडिंग, गेमिंग विडिओ एडिटिंग इत्यादि तो आपके लिए क्रोमबुक नहीं बना है आपको अच्छे कन्फिग्यरैशन लैपटॉप की जरूरत है.

मार्केट में उपलब्ध लैपटॉप

क्रोमबुक

आपके जरूरत के अनुसार अगर आप क्रोम बुक खरीदना चाहते हैं तो 20 से 26 हजार के बजट में अच्छे कन्फिग्यरैशन के क्रोमबुक उपलब्ध हैं. इनमें एचपी, एसस, एसर इत्यादि अच्छे ब्रांड के क्रोमबुक आते हैं. इसे आप ऑननलाइन या लोकल स्टोर से भी खरीद सकते हैं.

लैपटॉप

26000-35000 तक के लैपटॉप्स

इस रेंज मे आपको उतनी अच्छी कन्फिग्यरैशन के लैपटॉप नहीं मिल पाते हैं. हल्के कामों के लिए आप इस बजट में जा सकते हैं. इसमें आपको विंडोज़ 11 के साथ 11 थ जनरेशन के आई 3 लैपटॉप 8 जीबी रैम और 256 जीबी एसएसडी के साथ उपलब्ध हैं. इसमें एसर, एचपी, इनफिनिक्स इत्यादि के कई लैपटॉप उपलब्ध हैं.

40000 - 50000 तक के लैपटॉप्स

इस बजट में आपको ठीक ठाक कन्फिग्यरैशन के लैपटॉप्स मिल जाएंगे जो ड्यूरेबल और आवेरेज होगा. इसमें आपको आई 5 11 थ जनरेशन 16 जीबी रैम के साथ 512 जीबी एसएसडी के कॉंफऊगरटीऑन मिल जाता है. इसमें एसर, एचपी, लेनोवो, एसस, इनफिनिक्स इत्यादि के कई लैपटॉप उपलब्ध हैं.

50000- 60000 तक के लैपटॉप्स

इस रेंज में आपको प्रीमियम क्वालिटी के बेहतरीन लैपटॉप मिल जाते हैं. राइजेन 7 ऑक्टा कोर से लेकर इंटेल के 12 जेनरैशन तक के लैपटॉप कई अन्य फिटचर्स के साथ अवैलबल हैं. इसमें एसर, एचपी, लेनोवो, एसस, इनफिनिक्स इत्यादि के कई लैपटॉप उपलब्ध हैं.

60000-100000 तक के लैपटॉप्स

इस रेंज में आपको प्रीमियम से भी हाई क्वालिटी के बेहतरीन लैपटॉप मिल जाता है. यहां आपको आई 9 के लैटस्ट 13 थ जनरेशन के लैपटॉप्स मिल जाते हैं जिसमें लैटस्ट ओएलईडी भी होता है. इसमें एसर, एचपी, लेनोवो, एसस, इनफिनिक्स इत्यादि के कई लैपटॉप उपलब्ध हैं.

100000 से ज्यादा के लैपटॉप

इस रेंज में आपको लैटस्ट प्रोसेसर के साथ 32 जीबी रैम और 1 टीबी एसएसडी मिल जाता है जो आई 9 के लैटस्ट 13 थ जनरेशन से लैश होता है. इस रेंज मे आपको एप्पल के एयर मैक भी उपलब्ध हैं. अपने जरूरत के हिसाब से आपको मनचाहा कन्फिग्यरैशन और डिजाइन के लैपटॉप मिल जाते हैं. इसमें एसर, एचपी, लेनोवो, एसस, इनफिनिक्स इत्यादि के अलावा एप्पल के भी कई सीरीज उपलब्ध हैं.

लोकल लैपटॉप स्टोर में आपको लैपटॉप खरीदने के साथ दुकानदार कई गिफ्ट भी प्रोवाइड करते हैं जैसे - पेन ड्राइव, लैपटॉप बैग, लैपटॉप केयर टूल्स, कुछ सॉफ्टवेयर इत्यादि.

ऑफर में मिल रहे ये इंडक्शन

इंडक्शन एक सुविधाजनक कुकिंग विकल्प के रूप में झारखंड समेत पूरे देश की रसोई में अपनी पैठ बना चुका है. इन पर खाना बनाते वक्त आग से हाथ जलने का खतरा नहीं होता है. इनमें अलग-अलग कुकिंग प्रीसेट मेन्यू भी मिलते हैं. साफ-सफाई और रखरखाव में आसान हैं. इन दिनों ऑनलाइन शॉपिंग बाजार में इंडक्शन कई ऑफर के साथ मिल रहे हैं. आइए, इन पर डालें एक नजर

लाइफलॉन्ग 2000 वाट इंडक्शन कुकटॉप : इसमें ऑटो शट ऑफ फंक्शन भी मिलता है, जो इस इंडक्शन कुक टॉप को खराब होने से बचा सकता है. ऑटो स्टैंडबाई फंक्शन वाला यह कुकटॉप अमेजन पर 1299 रुपए में उपलब्ध है.

पिजन इंडक्शन कुकटॉप 1800 वाट 8 मेन्यू, ऑटोमैटिक पाप कट, टेंपरेचर और टाइमिंग एलइडी डिस्प्ले, 1.25 मीटर लंबाई की कॉर्ड, 1 साल की वारंटी आदि फीचर के साथ यह इंडक्शन कुकटॉप अमेजन पर 1399 रुपए में उपलब्ध है.

प्रेस्टीज आईआरआईएस इको 1200 वाट : बिजली की कम खपत करने वाला यह एक बेस्ट सेलर इंडक्शन कुकटॉप है, जिस पर प्रायः हर प्रकार के भारतीय व्यंजन आसानी से बनाए जा सकते हैं. अमेजन पर 1399 रुपए में उपलब्ध है.

फिलिप्स वीपा कलेक्शन : 2100 वाट के इस इंडक्शन में मौजूद कुकिंग टाइमर की मदद से बिना टेंशन खाना बनाया जा सकता है. करीब 6000 रुपए एमआरपी का यह इंडक्शन इन दिनों ऑनलाइन मार्केट में तीन हजार से कम कीमत में उपलब्ध है.

श्रद्धा ने दिया खुद को उपहार, चार करोड़ की कार

त्योहार के इस मौसम में श्रद्धा कपूर ने खुद को 4.04 करोड़ रुपए की एक शानदार नई कार गिफ्ट की है. जी हां, नई लाल लेम्बोर्गिनी ह्यूराकन टेक्निका अब उनके गैराज की शोभा बढ़ा रही है और नई लेम्बोर्गिनी के साथ उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर लाइक-कमेंट बटोर रहीं. दरअसल कार के शोरूम ने शोरूम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर श्रद्धा की उनकी नई कार के साथ फोटोज शेयर की और उनके कार खरीदने के बाबत जानकारी साझा की है. तस्वीर में श्रद्धा अपनी दोस्त के साथ कार के पास पोज देती नजर आ रही हैं. श्रद्धा ने सफेद और हल्के गुलाबी रंग का सूट पहना था, जिसे उन्होंने मैचिंग ट्राउजर और दुपट्टे के साथ पेयर किया. बाद में वे तस्वीरें भी सामने आईं जिनसे पता चला कि कार खरीदने के बाद श्रद्धा सबसे पहले मंदिर पहुंचीं. इन तस्वीरों में वे अपनी चमचाती कार के साथ मुंबई के इस्कॉन टैम्पल में नज़र आ रही हैं. पंडित कार को टीका लगा रहे हैं और वे अगरबत्ती दिखा रही हैं.

जानिए फीचर्स

ये कार मात्र 3.2 सेकंड मे 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड पकड़ लेती है. इसमें मल्टी फंक्शन स्टीयरिंग व्हीलपावर, एडजस्टेबल एक्सटीरियर रियर व्यू मिरर टचस्क्रीन ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल इंजन स्टार्ट स्टॉप बटन एंटी-लॉक ब्रैकिंग सिस्टम अलॉय व्हील फॉग लाइट्स जैसे अड्वान्स फीचर दिए गया है. इस कार में 5.2 लीटर वी10 टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है जो कि 639 पीएस की पॉवर और 565 एनएम का टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है. वहीं अगर बात की जाए इस कार की माइलिज की तो ये कार हमें 6 से 7 केएमपीएल की माइलिज देने में सक्षम है.

रफ्तार की शौकीन

श्रद्धा कपूर रफ्तार की शौकीन हैं और उनके गैराज में एक से बढ़ कर एक लग्जरियस गाड़ियां हैं. श्रद्धा के पास बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज कार भी है जिसकी कीमत 2.46 करोड़ रुपए के करीब है. इसके अलावा उनके गैराज में मर्सीडीज बेंज जीएलई कार भी है. इस कार कीकीमत 1.01 करोड़ रुपए है.अब उनकी लेटेस्ट कार लेम्बोर्गिनी ह्यूराकन टेक्निका है. ये कार मार्केट मे मौजूद फरारी एफ 8 ट्रिब्यूटो को टक्कर देती है जिसकी कीमत 4.02 करोड़ रुपए है. सुपरहिट फिल्म ₹तू झूठी मैं मक्कार₹ में रणबीर कपूर के साथ श्रद्धा इसी साल नजर आईं थीं. राजकुमार राव के साथ फिल्म ₹स्त्री 2₹ में भी जल्द ही दर्शक उन्हें देखेंगे.

7 सीटर कार के ये 5 विकल्प

त्योहार का मौसम खरीदारी और घर में श्री-समृद्धि में वृद्धि की चाहत लाता है. गहने-जेवर, गजेट्स व अन्य तमाम खरीदारी के साथ-साथ सेलेब्स हों या आम, कार की खरीदारी भी सबसे अधिक इसी मौसम में करते हैं. इस दीवाली अगर आप भी दस लाख रुपए तक की सात सीटर कार लेने की इच्छा रखते हैं तो आइए, इस सूची पर डालें नजर

मारुति सुजुकी अर्टिगा

10 लाख रुपए तक की कीमत की 7 सीटर कार में मारुति सुजुकी अर्टिगा लोगों की पहली पसंद है. यह सबसे ज्यादा बिकती है. अर्टिगा की एक्स शोरूम प्राइस 8.64 लाख रुपए से शुरू होती है. यह एमपीवी माइलेज में भी अच्छी है.

मारुति सुजुकी ईको

अपने देश में यह सबसे सस्ती 7 सीटर कार है, जिसकी एक्स शोरूम प्राइस 5.56 लाख रुपए से शुरू होती है. पसंदगी का आलम यह है कि इसकी लगभग 10 हजार यूनिट हर महीने बिकती है. यह 7 सीटर कार पेट्रोल और सीएनजी, दोनों विकल्पों में मौजूद है.

महिंद्रा बोलेरो नियो

महिंद्रा बोलेरो नियो की एक्स शोरूम प्राइस 9.64 लाख रुपए से शुरू होती है. फीचर्स और माइलेज के मामले में यह कॉम्पैक्ट एसयूवी काफी शानदार है.

एमपीवी रेनो ट्राइबर

7 सीटर रेनो ट्राइबर भी एक सस्ता विकल्प है जो कि ग्लोबल एनकैप से 4 स्टार सेफ्टी रेटिंग प्राप्त कर चुकी है. रेनो ट्राइबर की एक्स शोरूम प्राइस 6.33 लाख रुपए से लेकर 8.97 लाख रुपए तक है.

महिंद्रा बोलेरो

महिंद्रा की सबसे सस्ती कार बोलेरो 7 सीटर ऑप्शन के साथ आती है और इसकी एक्स शोरूम प्राइस 9.79 लाख रुपए से शुरू होती है. पसंदगी इससे समझिए कि बोलेरो और बोलेरो नियो की हर महीने हजारों यूनिट बिकती हैं. डिजाइन, लुक, फीचर्स व स्पेस, इन सभी मामले में भी यह पसंद की जाती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
1	दक्षिण अफ्रीका	06	04	01	10	+2.032
2	भारत	05	05	00	10	+1.353
3	न्यूजीलैंड	06	04	02	08	+1.232
4	ऑस्ट्रेलिया	06	04	02	08	+0.970
5	अफगानिस्तान	06	03	03	06	-0.718
6	श्रीलंका	06	02	04	04	-0.275
7	पाकिस्तान	06	02	04	04	-0.387
8	नीदरलैंड	06	02	04	04	-1.277
9	बांग्लादेश	06	01	05	02	-1.338
10	इंग्लैंड	05	01	04	02	-1.634

एक नजर में

श्रीलंका	प्लेयर ऑफ द मैच	अफगानिस्तान
241/10	फजलहक फारूकी	242/3

आगे कौन

सबसे अधिक रन	सबसे अधिक विकेट
431	16

क्विंटन डी कॉक, द. अफ्रीका

एडम जम्पा, ऑस्ट्रेलिया

सिक्सर किंग रोहित शर्मा : 20

बाउंड्री

6	4
387	1390

विश्व कप: अफगानिस्तान ने श्रीलंका को 7 विकेट से हराया

अफगानिस्तान की सेफा में पहुंचने की दावेदारी मजबूत

भाषा।पुणे

अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच विश्व कप में खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान ने श्रीलंका को 07 विकेट से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 241 रन बनाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने 45.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया. इस जीत के साथ अफगानिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने की दावेदारी पेश की. इससे पहले तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से अफगानिस्तान ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप मुकाबले में सोमवार को यहां श्रीलंका को 241 रन पर ढेर कर दिया. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने 34 रन देकर तीन विकेट चटकाए. स्पिनर मुजीब उर रहमान (38 रन पर दो विकेट) ने भी दो विकेट चटकाए जिससे श्रीलंका की टीम 49.3 ओवर में सिमट गई. श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका ने सर्वाधिक 46 रन बनाए. कप्तान कुसाल मेंडिस ने 39 जबकि सदीरा समरविक्रम ने 36 रन की पारी खेली. निचले क्रम में महीश तीक्षणा ने 29 जबकि अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज ने 23 रन की पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे श्रीलंका के लिए निसांका अच्छी लय में दिखे. कुसाल परेरा की जगह एकादश में जगह बनाने वाले सलामी बल्लेबाज दिमुथ करूणारत्ने को हालांकि अफगानिस्तान के गेंदबाजों की सटीक गेंदबाजी के सामने जूझना पड़ा. फारूकी ने अंततः छठे ओवर में करूणारत्ने को पगबाधा करके अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई.

स्कोरबोर्ड

श्रीलंका	रन	बॉल	4	6
निसाका कै गुरबाज बो अजमतुल्लाह	46	60	5	0
करुणारत्ने एलडब्ल्यू बो फजलहक	15	21	1	0
कुशाल मेंडिस कै नजीबुल्लाह बो मुजीब	39	50	3	0
समराविक्रमा एलबीडब्ल्यू बो मुजीब	36	40	3	0
असलंका कै राशिद बो फजलहक	22	28	2	0
धनंजय डी सिल्वा बो राशिद	14	26	1	0
मैथ्यूज कै नबी बो फजलहक	23	26	1	1
चमीरा रन आउट (इब्राहिम जादरान)	1	4	0	0
एम थीकश्ना बो फजलहक	29	31	3	1
राजिता रन आउट (गुरबाज)	5	7	0	0
मधुशंका नॉट आउट	0	4	0	0

अतिरिक्त: 11, कुल: 241/10, 49 .3 ओवर, विकेट पतन: 22-1, 84-2, 134-3, 139-4, 167-5, 180-6, 185-7, 230-8, 239-9, 241-10, गेंदबाज: मुजीब: 10-0-38-2, फजलहक फारूकी: 10-1-34-4, नवीन-उल-हक: 6 .3-0-47-0, अजमतुल्लाह: 7-0-37-1, राशिद खान: 10-0-50-1, नबी: 6-0-33-0

अफगानिस्तान	रन	बॉल	4	6
गुरबाज बो मदुशंका	0	4	0	0
जादरान कै करुणारत्ने बो मदुशंका	39	57	4	1
रहमत शाह कै करुणारत्ने बोल्ड राजिथा	62	74	7	0
शाहिदी नाबाद	58	74	2	1
अजमतुल्लाह नाबाद	73	63	3	3

अतिरिक्त: 10, कुल: 242/3, 45 .2 ओवर, विकेट पतन: 0-1, 73 -2, 131-3, गेंदबाजी: दिलशान मदुशंका: 9-0-48-2, कसुन राजिथा: 9-0-40-1, एंजेलो मैथ्यूज: 3-0-18-0, दुश्मंथा चमीरा: 9 .2-0-51-0, महेश थीक्षाना: 10-0-55-0, धनंजय डी सिल्वा: 4-0-21-0

लगातार पांचवीं हार से बचना चाहेगा पाक

भाषा।कोलकाता

सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो चुका पाकिस्तान मंगलवार को यहां जब विश्व कप में जूझ रही एक अन्य टीम बांग्लादेश से भिड़ेगा तो करो या मरो के इस मुकाबले में लगातार चार मैच में हार के क्रम को तोड़ने का प्रयास करेगा. पाकिस्तान के चार अंक हैं और वह अब अधिकतम छह अंक और जुटा सकता है जिससे लीग चरण के बाद उसके अधिकतम 10 अंक हो सकते हैं. दो टीम पहले ही 10 या इससे अधिक अंक जुटा चुकी हैं जबकि इनके अलावा तीन और टीम पाकिस्तान से आगे हैं जिससे उसका सेमीफाइनल में जगह बनाना किसी चमत्कार से कम नहीं होगा. सभी टीम से अनुकूल नतीजे मिलने की उम्मीद काफी कम है. साथ ही धीमी शुरुआत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने लय पकड़ ली है जबकि न्यूजीलैंड की टीम भी शानदार फार्म में है. भारत 12 अंक के साथ सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर चुका है जबकि दक्षिण अफ्रीका के 10 अंक हैं. पाकिस्तान को न सिर्फ अपने बाकी बचे तीनों मैच जीतने होंगे बल्कि बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी, जिससे उसका नेट रन रेट सुधरे जो अभी माइनस 0.205 है. बांग्लादेश के खिलाफ हार 1992 के चैंपियन पाकिस्तान की सभी उम्मीदें खत्म कर देगी. ऐसे में उम्मीद है कि पाकिस्तान के खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ अपना सब कुछ झोंक देंगे.

टीमें

पाकिस्तान : बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, फखर जमां, इमाम उल हक, अब्दुल्ला शफीक, मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, सलमान अली आगा, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, हारिस राउफ, हसन अली, शाहीन अफरीदी और मोहम्मद वसीम.

बांग्लादेश : शाकिब अल हसन (कप्तान), लिट्टन दास, तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शंटो, तौहीद हृदय, मुश्फिकुर रहीम, महमूदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नासुम अहमद, मेहदी हसन, तास्किन अहमद, मुस्ताफिजुर रहमान, हसन महमूद, शरीफुल इस्लाम और तंजीम हसन शाकिब.

चार बार पूरे ओवर खेलने में नाकाम रहा हा पाक

पाकिस्तान को उसके बल्लेबाजों ने निराश किया है जबकि गेंदबाजों ने प्रभावित किया है. पाकिस्तान के बल्लेबाज छह में से चार मैच में पूरे ओवर खेलने में नाकाम रहे. पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी निराशा उसके बल्लेबाज रहे हैं जो चार मैच में पूरे 50 ओवर खेलने में भी नाकाम रहे. कप्तान बाबर आजम भी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे हैं.

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी

आखिरी मिनट में गोल की बदौलत मलेशिया ने कोरिया को ड्रॉ पर रोका

शुभम किशोर।रांची

झारखंड वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के तीसरे दिन पहला मुकाबला कोरिया और मलेशिया के बीच 1-1 से ड्रा रहा. रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में आयोजित मुकाबले में दोनों टीम एक दूसरे पर हावी नजर आई. पहले हॉफ में दोनों टीमों ने कोई गोल नहीं किया. कड़े मुकाबले के बीच कोरिया ने 35वें मिनट में पहला गोल दागा. कोरिया की ओर से सीओ सुयोंग ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया. मलेशिया लगातार प्रयास करते हुए आखिरी मिनट में मिले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर मुकाबले मे बराबरी की. मलेशिया की ओर से अजहर नूर ने 58 वें मिनट में गोल किया. मुकाबले की शुरुआत पहले झारखंड की मंत्री जोबा मांझी, एक्जीक्यूटिव मेंबर ऑफ झारखंड हॉकी असुंता लकड़ा और हॉकी के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त की.

जापान ने लगाई जीत की हैट्रिक एकतरफा मैच में थाईलैंड को हराया

- 4-0 से जापान ने थाईलैंड को हराया
- गोलरित रहा मैच का पहला क्वार्टर

झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में जापान ने थाईलैंड को हराकर जीत की हैट्रिक लगायी. जापान ने तीसरे दिन के दूसरे मुकाबले में थाईलैंड को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से हराया. मुकाबले का पहला क्वार्टर गोल रहित रहा. लेकिन दूसरे क्वार्टर में जापान ने गोल मारकर 1-0 की बढ़त बनाई. मुकाबले के 29वें मिनट में तोरियामा माय ने फील्ड गोल दागा.

मुकाबले के दूसरे हॉफ में जापान ने आक्रामक खेल खेलते हुए एक के बाद एक पेनाल्टी कॉर्नर जीता. 34वें मिनट में जापान की कप्तान नगाई यूरी ने गोल दागा. वहीं मैच के 35 वें मिनट में काना उराता ने फील्ड गोल कर लीड को 3-0 किया. मुकाबले के 50 वें मिनट में जापान के लिए चौथा गोल आया. चिको फुजिबायशी ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तपडील किया. मुकाबले की शुरुआत में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, एडीजी अनुराग गुप्ता, शैलेंद्र सिन्हा डीआईजी और हॉकी के पदाधिकारी मौजूद थे.

हॉकी चैंपियनशिप की मैस्कॉट जूही को देखने बेतला पहुंच रहे लोग

रांची। झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रांची के मरांग गोमके गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में प्रतियोगिता चल रही है. 5 नवंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का मैस्कॉट पलामू स्थित बेतला नेशनल पार्क में लोगों का मनोरंजन करनेवाली जूही नाम की हथिनी को बनाया गया है. जूही की सच्ची कहानी जानने के बाद लोगों खासकर पर्यटकों में इसे देखने का क्रेज बढ़ गया है. लोग बेतला नेशनल पार्क पहुंच कर उसके साथ सेल्फी ले रहे हैं. हॉकी को चाहने वालों में भी मैस्कॉट का भी क्रेज बढ़ गया है. राजधानी समेत पूरे झारखंड में इस हॉकी टूर्नामेंट के साथ मैस्कॉट जूही भी काफी फेमस हो गया है.

बच्चे से लेकर बड़े तक जूही के साथ खिंचवा रहे तस्वीर

रांची के मोरहाबादी में स्टेडियम के बाहर और भीतर बच्चे से लेकर बड़ों तक मैस्कॉट जूही के साथ तस्वीर खिंचवा रहे हैं. पलामू स्थित बेतला नेशनल पार्क की उम्रदराज हथिनी जूही की कहानी प्रेरणादायी है, जो इस सुंदर राष्ट्रीय उद्यान का पर्याय बन गयी है. हजारों पर्यटकों को अपनी पीठ पर बैठा कर सैर कराने के अलावा जूही ने दशकों तक जंगल में मानव जाति के रक्षक के रूप में भी काम किया. इसके लिए पुरस्कार भी प्राप्त किया है. यह हमारे समाज के लोगों के साथ ही वन्य जीवन के बारे में दुनिया भर के हॉकी सितारों के बीच जागरूकता पैदा करने का एक शानदार तरीका है.

अंतिम एकादश से बाहर हो सकते हैं श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा विश्व कप मैच में मुश्किल परिस्थितियों में शानदार बल्लेबाजी करने वाले सूर्यकुमार यादव टीम में हरफनमौला हार्दिक पंड्या की वापसी के बाद अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं. पिछले कुछ मैचों में बल्ले से अच्छा नहीं कर पा रहे श्रेयस यादव को अंतिम एकादश से बाहर होना पड़ सकता है. सूर्यकुमार के कौशल और मजबूत मानसिकता पर किसी को संदेह नहीं है लेकिन टी-20 प्रारूप ने अपनी धाकड़ बल्लेबाजी से धाक जमाने वाले इस बल्लेबाज ने लंबे समय तक एकदिवसीय में निराश किया है. इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम जब मुश्किल परिस्थिति में थी तब मुंबई के इस बल्लेबाज ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ धैर्य से बल्लेबाजी कर अपने बदले हुए रुख का परिचय दिया. उन्होंने बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में 47 गेंद में 49 रन की पारी खेल अंतिम एकादश में अपनी जगह मजबूत की. सूर्यकुमार की इस पारी ने श्रेयस के लिए खतरे की घंटी बजा दी है. हार्दिक टखने की चोट से उबर कर विश्व कप के आखिरी कुछ मैचों में वापसी कर सकते हैं.

निशानेबाज अनीश ने जीता कांस्य पदक, ओलंपिक कोटा पक्का

भाषा।नई दिल्ली

एशियाई चैंपियनशिप

- अनीश ने भारत को 12वां ओलंपिक कोटा दिलाया
- शूटआउट में जापान के दाई योशिओका से हारे अनीश

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अनीश भानवाला ने सोमवार को कोरिया के चांगवान में चल रही एशियाई चैंपियनशिप की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को निशानेबाजी में 12वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया. अनीश भानवाला शूटआउट में जापान के दाई योशिओका से हार गये जिन्होंने रजत पदक जीता. करनाल के 21 साल के निशानेबाज ने फाइनल में 28 निशाने लगाये.

स्थानीय प्रबल दावेदार निशानेबाज ली गुनहियोक ने पांच शॉट की आठ रैपिड फायर सीरीज में 34 अंक से स्वर्ण पदक जीता. अनीश भानवाला ने क्वालीफिकेशन चरण में 588 अंक के स्कोर से तीसरे स्थान से फाइनल में पहुंचकर पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल कर लिया था.

चीन के तीन निशानेबाजों ने छह निशानेबाजों के फाइनल में प्रवेश किया था जिसमें भानवाला ने विश्व चैंपियन लि युएहोंग के बाद तीसरा क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया. यह भानवाला को 2024 ओलंपिक के लिये दो कोटे में से एक दिलाने के लिए काफी था क्योंकि चीन इस स्पर्धा में अपने दो पेरिस ओलंपिक कोटे पहले ही हासिल कर चुका है.

गोवा में आयोजित राष्ट्रीय खेल में हॉकी प्रतियोगिता शुरू

झारखंड ने जीत के साथ की शुरुआत

राष्ट्रीय खेल

- झारखंड ने मेजबान गोवा को 4-0 से हराया
- अलका, निशा, अलबेला व दीप्ति ने एक-एक गोल दागे

संवाददाता।रांची

गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेल 2023 में सोमवार को हॉकी प्रतियोगिता की शुरुआत हुई. झारखंड की महिला हॉकी टीम ने अपने पहले मैच में मेजबान गोवा को 4-0 से हराया. झारखंड टीम की ओर से अलबेला रानी टोप्पो, अलका रंग, निशा मिंज और दीप्ति टोप्पो ने एक -एक गोल दागा. वहीं गोवा की गोल करने में नाकाम रही. झारखंड टीम की पहली जीत पर हॉकी झारखंड, खेल विभाग और झारखंड ओलंपिक संघ के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई दी है साथ ही उम्मीद जताया कि झारखंड की टीम प्रतियोगिता में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम करे.

गुजरात के अंबाजी मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की पूजा

अंबाजी। सोमवार से गुजरात का दो दिवसीय दौरा कर रहे प्रधानमंत्री मोदी गुजरात में बनासकांठा जिले के अंबाजी शहर में प्रसिद्ध अंबा देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की. अंबाजी मंदिर में पूजा करने के बाद मोदी एक सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए मेहसाणा की खेरालु तालुक के दभोदा गांव के लिए रवाना हो गए. नरेंद्र मोदी जिन 16 विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे वे मेहसाणा, अहमदाबाद, बनासकांठा, साबरकांठा, महिसागर, गांधीनगर और पाटण जिलों में हैं.

आओ जानें

परमाणु रिएक्टरों की संख्या और बिजली क्षमता

यूएसए	93 (95,835 मेगावाट)	स्विट्जरलैंड	4 (2,973 मेगावाट)
फ्रांस	56 (61,370 मेगावाट)	अर्जेंटीना	3 (1,641 मेगावाट)
चीन	55 (53,181 मेगावाट)	यूएई	3 (4,011 मेगावाट)
रूस	37 (27,727 मेगावाट)	बेलारूस	2 (2,220 मेगावाट)
द. कोरिया	25 (24,489 मेगावाट)	ब्राज़ील	2 (1,884 मेगावाट)
कनाडा	19 (13,624 मेगावाट)	बुल्गारिया	2 (2,006 मेगावाट)
भारत	19 (6,290 मेगावाट)	मेक्सिको	2 (1,552 मेगावाट)
यूक्रेन	15 (13,107 मेगावाट)	रोमानिया	2 (1,300 मेगावाट)
जापान	12 (11,046 मेगावाट)	द.अफ्रीका	2 (1,854 मेगावाट)
यूके	9 (5,883 मेगावाट)	आर्मेनिया	1 (416 मेगावाट)
स्पेन	7 (7,123मेगावाट)	ईरान	1 (915 मेगावाट)
चेकिया	6 (3,934 मेगावाट)	नीदरलैंड	1 (482 मेगावाट)
पाकिस्तान	6 (3,262 मेगावाट)	स्लोवेनिया	1 (688 मेगावाट)
स्वीडन	6 (6,937 मेगावाट)	जर्मनी	0
बेल्जियम	5 (3,928 मेगावाट)	इटली	0
फिनलैंड	5 (4,394 मेगावाट)	लिथुआनिया	0
स्लोवाकिया	5 (2,308 मेगावाट)	कजाकिस्तान	0
हंगरी	4 (1,916 मेगावाट)		

ब्रीफ खबरें

राजस्थान में विस चुनाव की अधिसूचना जारी

जयपुर। राजस्थान की मुख्य सचिव उषा शर्मा ने राज्य विधानसभा आम चुनाव-2023 के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी और इसी के साथ नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई. मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर राज्यपाल कलराज मिश्र की अनुमति से नयी विधानसभा गठन के लिए चुनाव कराने हेतु मुख्य सचिव ने अधिसूचना जारी की है और चुनाव कार्यक्रम की अधिसूचना भी जारी कर दी है.

पाक सीमा के पास से हेरोइन व कारतूस बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक खेत से करीब तीन किलोग्राम हेरोइन और चार कारतूस बरामद किए गए हैं. बीएसएफ के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. बीएसएफ के जवानों ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर रविवार रात को कलश हवेलियां गांव के बाहरी इलाके में एक तलाशी अभियान चलाया. अभियान के दौरान उन्हें एक पैकेज में आधी जली अवस्था में 2.992 किलोग्राम वजनी प्रतिबंधित वस्तुओं के तीन छोटे पैकेट मिले.

जम्मू-कश्मीर में एक आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया. एक अधिकारी ने सोमवार को जानकारी दी. उन्होंने सोमवार को बताया कि केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में घुसपैठ की कोशिश रविवार रात को विफल कर दी गई. सोमवार सुबह इलाके की तलाशी के दौरान एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया. अधिकारियों के मुताबिक, इलाके में तलाश अभियान जारी है.

कुख्यात अपराधी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

लखनऊ। गाजियाबाद में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में एक कुख्यात अपराधी मारा गया जिस पर लूट के एक मामले में 25,000 रुपये का नकद इनाम घोषित था. पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी. एक ऑटो रिक्शा में जा रही कंप्यूटर साइंस की प्रथम वर्ष की छात्रा कीर्ति सिंह (19) से उसका फोन छीनने के प्रयास में बदमाशों ने उसे शुक्रवार को रिक्शा से बाहर खींच लिया था, जिससे वह घायल हो गई थी.

इजराइली सेना उत्तरी गाजा पट्टी के और अंदरूनी इलाकों तक पहुंची

अस्पतालों के पास किए हवाई हमले

भाषा। खान यूनिस (गाजा पट्टी)

इजराइली सेना और उसके बख्तरबंद वाहन सोमवार को उत्तरी गाजा पट्टी के और अंदरुनी इलाकों तक पहुंच गए जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र और चिकित्सा कर्मियों ने आगाह किया कि अस्पतालों के नजदीक हवाई हमले किए जा रहे हैं जहां हजारों घायलों के साथ ही हजारों फिलिस्तीनी नागरिकों ने शरण ली हुई है. जमीनी आक्रमण में यह तेजी तब आयी है जब एक दिन पहले खाद्य सामग्री, दवा और अन्य सामान लेकर 33 ट्रकों ने मिस्र से गाजा में प्रवेश किया. इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से मानवीय सहायता की यह सबसे बड़ी खेप है. राहत कर्मियों ने सोमवार को कहा कि यह सहायता गाजा में आवश्यकता से बहुत कम है.

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि जान गंवाने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या 8,000 के पार चली गयी है जिनमें से ज्यादातर महिलाएं और नाबालिग हैं. ऐसा प्रतीत होता है कि इजराइली सैनिक उत्तरी गाजा में अंदरुनी इलाकों तक घुस गए हैं. सेना द्वारा सोमवार को जारी वीडियो में बख्तरबंद वाहनों को इमारतों के बीच से गुजरते हुए और सैनिकों को एक मकान के भीतर कमान संभालते हुए देखा गया. अभी सटीक स्थान के बारे में नहीं पता चला है लेकिन शनिवार को सेना द्वारा जारी फुटेज में सैनिकों को गाजा की उत्तरी सीमा की बाड़बंदी के समीप सुनसान रेतीले स्थानों से गुजरते हुए देखा गया. सेना ने सोमवार को कहा कि उसके सैनिकों ने रात भर में इमारतों और सुरंगों के भीतर से हमला करने वाले कई आतंकवादियों को मार गिराया और हवाई हमलों में एक इमारत को ध्वस्त कर दिया गया जिसका इस्तेमाल हमास कर रहा था.

सोमवार को गाजा शहर पर इजरायली बमबारी के बाद अपने घर छोड़ कर जाते फिलिस्तीनी.

युद्ध जारी

- खाद्य सामग्री, दवा लेकर 33 ट्रक गाजा पहुंचा
- सुरंगों के भीतर से हमला करने वाले हमास के कई आतंकी ढेर

आत्म-रक्षा में चलाई गोली

यरूशलम। वेस्ट बैंक के नबलुस शहर में एक यहूदी निवासी ने एक फिलिस्तीनी व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी. मृतक के इसके साथ ही तीन सप्ताह पहले इजराइल में हमास के खूनखराबे के बाद से अब तक यहूदी निवासियों द्वारा मारे गए फिलिस्तीनियों की संख्या सात हो गई है. यहूदी निवासियों के नेता योसी डगान ने शनिवार को फेसबुक पर एक वीडियो साझा कर कहा कि गोली चलाने वाले शख्स के साथ परिवार के सदस्य भी थे और कई हमास समर्थकों द्वारा पथराव किए जाने के बाद आत्म-रक्षा में उसने गोली चलाई.

फिलिस्तीनी आतंकवादी इजराइल में कर रहे हैं रॉकेट हमले

इजराइली सेना ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में उसने आतंकवादियों के 600 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया है जिसमें हथियार डिपो और टैंक रोधी मिसाइल लॉन्चिंग स्थल भी शामिल हैं. इन खबरों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है. हमास की सैन्य शाखा ने बताया कि उसके आतंकवादियों की उत्तरपश्चिमी गाजा पट्टी में घुसने वाले इजराइली सैनिकों से झड़प हुई. फिलिस्तीनी आतंकवादी तेल अवीव समेत इजराइल में अभी रॉकेट हमले कर रहे हैं.

अस्पतालों पर बढ़ता जा रहा है खतरा

उत्तरी गाजा में खचाखच भरे अस्पतालों पर खतरा बढ़ता जा रहा है. संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को कहा कि हाल के दिनों में गाजा शहर के शिफा और अल-कुद्स अस्पतालों और उत्तरी गाजा में इंडोनेशियाई अस्पताल के समीप हवाई हमले किए गए. संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय संबंधी कार्यालय ने बताया कि उत्तर गाजा में संचालित 10 अस्पतालों को हाल के दिनों में जगह खाली करने का आदेश मिला है. हजारों मरीजों और कर्मियों के साथ करीब 1,17,000 विस्थापित लोग इन अस्पतालों में रह रहे हैं.

हमास ने अस्पताल के नीचे बनाया गुप्त कमांड पोस्ट

इजराइल ने हमास पर अस्पताल के नीचे एक गुप्त कमांड पोस्ट बनाने का आरोप लगाया है लेकिन इसके समर्थन में ज्यादा सबूत उपलब्ध नहीं कराए हैं. हमास इन आरोपों से इनकार करता है. इजराइल ने खान यूनिस में रविवार को दो मंजिला मकान पर हवाई हमला किया जिसमें एक ही परिवार के 10 सदस्यों समेत कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी. इजराइली सेना ने सोमवार को तड़के कहा कि उसके विमान ने सीरिया की ओर से रॉकेट दागे जाने के बाद वहां सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया.

राहत सहायता गोदामों पर टूट पड़े लोग

इजराइल की तरफ से बमबारी के बीच गाजा के अधिकतर हिस्सों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं अचानक बंद होने के दो दिन बाद, भीड़भाड़ वाले इस क्षेत्र में रविवार को संचार सेवाएं धीरे-धीरे बहाल हो गईं. फिलिस्तीन के शरणार्थियों को मानवीय सहायता पहुंचाने के काम में लगी संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने शनिवार को कहा कि हजारों लोग 'आटा' और रोजमर्रा की जरूरत की अन्य वस्तुएं लेने के लिए गाजा में राहत सहायता गोदामों पर टूट पड़े.

संरा के प्रस्ताव पर भारत की अनुपस्थिति का कड़ा विरोध करती है कांग्रेस : सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी इजराइल-हमास संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र के हालिया प्रस्ताव पर मतदान के दौरान भारत के अनुपस्थित रहने का कड़ा विरोध करती है. उन्होंने अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' में लिखे एक लेख में कहा कि उनकी पार्टी का लंबे समय से यह रुख रहा है कि इजराइल के साथ सह-अस्तित्व में एक संप्रभु, स्वतंत्र और सुरक्षित फिलिस्तीन राष्ट्र के लिए सीधी बातचीत हो. मानवता अब इम्तिहान के दौर से गुजर रही है. इजराइल पर क्रूर हमलों से हम सामूहिक रूप से दुखी हुए थे. अब हम सभी इजराइल की असंगत और समान रूप से क्रूर प्रतिक्रिया से दुखी हो गए हैं.

अमेरिका पर भूराजनीतिक तनाव बढ़ाने का लगा आरोप

भाषा। बीजिंग

रूस के रक्षा मंत्री सर्गेइ शोइगु ने सोमवार को कहा कि अमेरिका अपना आधिपत्य बनाए रखने के लिए भूराजनीतिक तनावों को हवा दे रहा है. साथ ही उन्होंने प्रमुख देशों के बीच टकराव के खतरे को लेकर आगाह किया. बीजिंग में रक्षा मंच शियांगशन फोरम को संबोधित करते हुए शोइगु ने यह भी कहा कि अमेरिका और उसके एशिया-प्रशांत सहयोगी क्षेत्र में स्थिरता को कमजोर कर रहे हैं. यह सैन्य कूटनीति पर केंद्रित चीन का सबसे बड़ा वार्षिक कार्यक्रम है.

शोइगु ने कहा कि अपना भूराजनीतिक और रणनीतिक प्रभुत्व बरकरार रखने के लिए अमेरिका अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्थिरता के आधार को जानबूझकर कमजोर कर रहा है. उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के 'पूर्व की ओर विस्तार' से रूस को धमका रहे हैं. उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों का उद्देश्य रूस के साथ संघर्ष बढ़ाना और प्रमुख देशों के टकराव के जोखिम को बढ़ाना है. इसके गंभीर परिणाम सामने आएंगे. यूक्रेन में रूस के युद्ध के बारे में शोइगु ने कहा कि अगर स्थिति उचित रहती है तो मॉस्को बातचीत करने के लिए तैयार है.

सरकार के रेल सुरक्षा संबंधी सारे दावे हवा हो गए : खड़गे

भाषा। नई दिल्ली

खास बातें

- विजयनगरम जिले की घटना से बेहद दुखी हुआ
- खड़गे ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में हुए रेल हादसे में कई लोगों की मौत पर सोमवार को दुख जताया. उन्होंने दावा किया कि बालासोर ट्रेन हादसे के बाद सरकार ने सुरक्षा के जो दावे किए थे, वे हवा हो गए हैं. खड़गे ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो उत्साह नयी रेल गाड़ियों को हरी झंडी दिखाने और प्रचार करने में दिखाया जा रहा है, वह यात्रियों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने में भी दिखाया जाना चाहिए. कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर पोस्ट किया कि आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में ट्रेन के पटरी से उतरने की घटना के बारे में जानकर बेहद दुख हुआ. इसमें बहुमूल्य जिंदगियां चली गईं और कई लोग घायल हो गए. खड़गे ने कहा कि शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं. हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं. मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से हर संभव मदद करने का अनुरोध करता हूं. उन्होंने दावा किया कि ऐसा लगता है कि बालासोर ट्रेन हादसे के बाद केंद्र सरकार के सुरक्षा के सारे दावे हवा हो गए हैं.

कतर में भारतीयों को मृत्युदंड पर नौसेना प्रमुख ने कहा-

नौसैन्य कर्मियों के राहत के लिए किए जा रहे हैं भरपूर प्रयास

भाषा। पणजी

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार उन आठ पूर्व नौसैन्य कर्मियों के लिए राहत सुनिश्चित करने को लेकर हर संभव प्रयास कर रही है, जिन्हें कतर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई है. निजी सुरक्षा कंपनी अल दहरा के साथ काम करने वाले आठ पूर्व भारतीय नौसैन्य कर्मियों को 26 अक्टूबर को मौत की सजा सुनाई गई थी. इस फैसले को भारत ने बेहद हैरानी भरा बताया था और मामले में सभी कानूनी विकल्प तलाशने की बात कही थी. हालांकि न तो कतर के अधिकारियों ने, न ही नई दिल्ली ने उनके खिलाफ आरोपों को सार्वजनिक किया. भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित गोवा समुद्री सम्मेलन (जीएमसी) के मौके पर पत्रकारों से बातचीत में एडमिरल कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है कि हमें अपने कर्मियों के लिए राहत मिले.

केरल धमाकों में अब तक 3 की मरने की पुष्टि

कोच्चि। केरल के कलमस्सेरी में ईसाई समुदाय के एक सम्मेलन केंद्र में रविवार को, तीन दिवसीय प्रार्थना सभा के समापन के अवसर पर सुबह हुए धमाकों में मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है, जबकि चार घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है. राज्य के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. अधिकारी के मुताबिक, एर्नाकुलम जिले के मलयट्टूर की रहने वाली लिबिना नाम की 12 वर्षीय बच्ची ने कलमस्सेरी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार देर रात दम तोड़ दिया. केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि जिन चार घायलों की हालत गंभीर है.

पीएम ने खेरालु में किया 5950 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

'मोदी है तो मुमकिन है' के लगे नारे

भाषा। महेसाणा (गुजरात)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि स्थिर सरकार देने वाली जनता की शक्ति के कारण ही देश में तेजी से विकास हो रहा है और दुनिया भर में इसकी प्रशंसा हो रही है. गुजरात के महेसाणा जिले के खेरालु में 5,950 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि जब वह संकल्प लेते हैं, तो उसे पूरा करते हैं.

मोदी ने कहा कि गुजरात ने अनुभव किया है कि कैसे लंबे समय तक स्थिर सरकार बने रहने से एक के बाद एक फैसले लेने में मदद मिली है, जिससे राज्य को फायदा हुआ है. इससे पहले खेरालु में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए. इस मौके पर लोगों ने 'देखो-देखो कौन आया, गरीबों का मसीहा आया' और मोदी है तो मुमकिन है' जैसे नारे लगाए. मोदी ने कहा कि लोग अच्छी तरह जानते हैं कि विकास की बड़ी परियोजनाओं, साहसिक फैसले लेने और गुजरात के तेज विकास के पीछे पिछले कई वर्षों में रखी गई मजबूत नींव है. उन्होंने कहा कि और आप अपने नरेन्द्र भाई को जानते हैं, आप मुझे प्रधानमंत्री के बजाय अपने नरेन्द्र भाई के रूप में देखते हैं.

अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपी 17 अधिकारियों के घर छापेमारी

बेंगलुरु। कर्नाटक में लोकायुक्त अधिकारियों ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपी 17 सरकारी अधिकारियों के 70 से अधिक ठिकानों पर सोमवार को छापेमारी की. लोकायुक्त सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि छापेमारी के दौरान भारी नकदी, सोना, अचल संपत्ति, महंगे वाहन, जमीन में निवेश और महंगे गैजेट आदि का पता चला. लोकायुक्त के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लोकायुक्त पुलिस के कई दलों ने क्षेत्राधिकार पुलिस की सहायता से तड़के छापेमारी की.

पुनर्जन्म

प्रागैतिहासिक काल से ही मृत्यु के बाद के जीवन से मानव हमेशा आकर्षित रहा है

प्राचीन मेसोपोटामिया में जीवन का एक स्वीकृत हिस्सा थे 'भूत'

- मृत्यु के बाद के जीवन और दूसरी दुनिया के प्रति आकर्षण कोई नई बात नहीं है

भाषा। सिडनी

जैसे-जैसे हैलोवीन करीब आता है, हम भूतों, राक्षसों और पिशाचों के बारे में सोचना शुरू कर देते हैं. लेकिन मृत्यु के बाद के जीवन और दूसरी दुनिया के प्रति आकर्षण कोई नई बात नहीं है. दुनिया भर की भूत की कहानियां साबित करती हैं कि यह प्रागैतिहासिक काल से मानव अनुभव का हिस्सा रहा है. 5,000 साल पहले लेखन के आविष्कार से पहले भी, मनुष्यों को उन सामानों के साथ दफनाया जाता था जो उनके बाद के जीवन में उपयोगी हो सकते थे, जैसे पीने के बर्तन या हथियार. यद्यपि प्रागैतिहासिक कब्र के सामान के अर्थ के बारे में कुछ बहस है, मेसोपोटामिया के भूत विशेषज्ञ इरविंग फिंकेल दृढ़ता से तर्क देते हैं कि वे एक विश्वास को प्रतिबिंबित करते हैं कि मृत व्यक्ति का कुछ हिस्सा अगले जीवन में बना रहेगा और वहां कब्र के सामान का उपयोग किया जा सकता था.

लोकप्रिय संस्कृति में मेसोपोटामिया के राक्षस : मेसोपोटामिया, एक ऐतिहासिक क्षेत्र जो मोटे तौर पर आधुनिक इराक के क्षेत्र में स्थित है, दुनिया के कुछ महान साम्राज्यों का घर था. प्राचीन मेसोपोटामिया के भूत और राक्षस शायद आज डरावनी फिल्मों में अपनी उपस्थिति के कारण सबसे ज्यादा जाने जाते हैं.मगर, इनमें अलौकिक प्राणियों का प्रभाव काफी हद तक द्वेषपूर्ण है. प्राचीन मेसोपोटामिया में जीवित और मृत लोगों के बीच संबंध जटिल था और कभी-कभी, यह पारस्परिक रूप से लाभकारी भी था.

'भूत' जीवन का एक स्वीकृत हिस्सा

प्राचीन मेसोपोटामिया में भूत जीवन का एक स्वीकृत हिस्सा थे. ऐसा माना जाता था कि मृत्यु उन संबंधों को धीरे-धीरे कमजोर करती है जो मृत व्यक्ति को उसके जीवित रहते भूमि से बांधते हैं, ऐसा अचानक, या एकदम नहीं होता है. कुछ क्षेत्रों में यह अवधारणा कायम है.

पहला 'भूत'

मेसोपोटामिया के मिथक में, मानवता का निर्माण पहले भूत के साथ एक विद्रोही देवता की मृत्यु के माध्यम से हुआ था. भूतों की उत्पत्ति को मेसोपोटामिया के अत्राहासिस के मिथक में समझाया गया है, जो एक बेबीलोनियाई बाढ़ कथा है जो अक्सर नूह के जहाज की कहानी के समान होती है.

मिलनसार 'भूत'

लिखित स्रोत कई प्रकार के मेसोपोटामिया के भूतों और उन्हें प्रबंधित करने के कई अलग-अलग तरीकों को दर्शाते हैं. दुखद परिस्थितियों में मरने से एक दुखी भूत पैदा हो सकता है. किसी व्यक्ति को भूत की उपस्थिति से मुक्त करने के लिए जादुई मंत्रों का उपयोग किया जाता था. जबकि भूत जीवित लोगों को नुकसान पहुंचाने में सक्षम माना जाता था, वे सहायक भी हो सकते थे.

नेक्रोमैंसर भूतों को बुला सकते थे? : नेक्रोमैंसर भूतों को बुला सकते थे और उनसे बात कर सकते थे. पेशेवर नेक्रोमैंसर भूत-प्रेत से संबंधित कई कार्य कर सकते हैं, जैसे जीवित लोगों के प्रश्नों का उत्तर देना या काला जादू करना. हैलोवीन पर, भूत-प्रेत और अलौकिक प्राणियों से डरना स्वाभाविक है. लेकिन प्राचीन दुनिया में उनकी उत्पत्ति की खोज उन्हें कम भयावह और शायद अधिक मानवीय बना सकती है.

मोदी-हसीना सीमा पार रेल परियोजना की करेंगे शुरुआत

भाषा। अगरतला

खास बातें

- भारतीय रेल ने अपने बजट से 153.84 करोड़ किए आवंटित
- 15 किमी का रेल संपर्क सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देगा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना बुधवार को एक प्रमुख, सीमा पार रेलवे परियोजना की संयुक्त रूप से शुरुआत करेंगे. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि दोनों पड़ोसी देशों के प्रधानमंत्री सुबह 11 बजे एक ऑनलाइन कार्यक्रम में अगरतला-अखौरा क्रॉस बॉर्डर रेल संपर्क परियोजना की शुरुआत करेंगे. अधिकारियों ने बताया कि 15 किलोमीटर लंबा रेल संपर्क (भारत में 5 किलोमीटर और बांग्लादेश में 10 किलोमीटर) सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देगा और ढाका के रास्ते अगरतला से कोलकाता आने-जाने में लगने वाला समय भी घटाएगा. इस परियोजना में एक प्रमुख पुल और तीन छोटे पुल शामिल हैं. एक अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में ट्रेन को अगरतला से कोलकाता पहुंचने में करीब 31 घंटे का समय लगता है, जो 10 घंटे कम हो जाएगा. उन्होंने बताया कि परियोजना के काम में तेजी लाने के लिए भारतीय रेल ने अपने बजट से 153.84 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं.

सत्ता का सेमीफाइनल

छिंदवाड़ा : 'कमल' को नाथ कर 'कमल' खिलाने की है चुनौती

छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश का सीमांत जिला है. उसकी सीमाएं महाराष्ट्र से लगी हैं. प्रशासनिक तकाजों को छोड़ दें, तो उसका वास्ता महाराष्ट्र से ज्यादा है. लोगबाग चिकित्सा, शिक्षा, खरीद-फरोख्त के लिए प्रायः नागपुर का रुख करते हैं. कह सकते हैं कि छिंदवाड़ा की रंगत में मराठी छींट है या कि छिंदवाड़ा के लुक में विदर्भ का टच है. बहरहाल, बीती सदी के आठवें दशक के अंत

डॉ. सुधीर सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

तक छिंदवाड़ा अधिक ख्यात व ज्ञात नगर न था. उसे ख्याति मिली सन 79 में पहले पहल कमलनाथ के छिंदवाड़ा आने से. कमलनाथ यानि इंदिरा गांधी के तीसरे बेटे. कमलनाथ यानि संजय गांधी के सखा. कमलनाथ यानि चतुर और चपल राजनेता, जिनके जेहन में योजनाओं के ब्लूप्रिंट फड़फड़ाते रहते हैं.

आज राजनीति में छिंदवाड़ा की पहचान कमलनाथ से है. कमलनाथ के उपक्रमों से छिंदवाड़ा इस महादेश के राजनीतिक मानचित्र में चटकीले रंगों में उभर आया है. कमलनाथ से उसे प्रतिष्ठा मिली है. कार्पोरेट-संसार के लिए छिंदवाड़ा अब अजनबी नहीं. मेरा सन 80 से

नियमित छिंदवाड़ा आना- जाना है. कस्बाई छिंदवाड़ा आज महानगर प्रतीत होता है. वहां लकदक सड़कें हैं, शोरूम हैं, अलीशान होटल हैं. कमलनाथ ने छिंदवाड़ा को समय की रफ्तार से जोड़ा है. आधुनिकता के इस दौर में वहां आस्था के प्रतीक हनुमान जी की विशाल प्रतिमा है, जिसकी स्थापना का श्रेय कमलनाथ को जाता है.

पटवा के हाथों अप्रत्याशित पराजय के इकलौते अपवाद को छोड़ दें, तो नाथ-परिवार छिंदवाड़ा की पहली पसंद रहा है. चुनाव सन्निकट हैं तो प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह क्रम कायम रहेगा? क्या कमलनाथ के ''अपने छिंदवाड़ा'' में कमलनाथ के ''मेरे अपने'' जीत का परचम लहरायेंगे? या फिर छिंदवाड़ा की सीटों पर कमल खिलेगा, जिसके लिए शिवराज-विष्णुदत्त से लेकर मोशा तक बेताब हैं? नेपथ्य में कवायद अरसे से जारी है. कमल मार्का पार्टी न जाने कब से व्यूह-रचना कर रही है? गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के संस्थापक मनमोहन सिंह बट्टी की बिटिया मोनिका बट्टी को पार्टी में लाकर आदिवासी बहुल अमरवाड़ा से प्रत्याशी बनाना भाजपा की सुविचारित रणनीति का हिस्सा है. यह वही सीट है, जहां से कभी प्रेमनारायण खकुर जीता करते थे और चरणदास महंत और नर्मदा प्रसाद प्रजापति के साथ ''त्रिफला'' के तौर पर चर्चित हुए थे.

आसन्न चुनाव में भाजपा की कोशिश अमरवाड़ा को नर्व सेंटर बनाने की रहेगी, ताकि इर्द-गिर्द की सीटों पर आदिवासियों का भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकरण हो सके. दिक्कत यह है कि अमरवाड़ा में स्थानीय भाजपा कार्यकर्त्ता मोनिका का घोर विरोध कर रहे हैं. यही हाल पांदुर्णा और परासिया का है. पांदुर्णा को ताबड़तोड़ जिला बनाने का दांव इस हद तक शायद ही कारगर हो कि पांदुर्णा के मतदाता कमल निशान पर समवेत ठप्पा लगा दें. जामई की बात करें तो वहां भी प्याली में तूफान उठा हुआ है. युवा नेता आशीष ठाकुर रूठे हुए हैं. उनकी मनुहार में नेतृत्व विफल रहा है. रुष्ट भाजपा नेताओं में परासिया के पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया भी हैं. बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी भी नाराज नेताओं को मनाने छिंदवाड़ा में डेरा डाल चुके हैं, लेकिन उनकी युक्तियां असफल रहीं. फलतः भाजपा के माथे पर शिकन बरकरार है.

पड़ोसी सीट सौंसर में भाजपा ने नाना मोहोड़ को प्रत्याशी घोषित किया है. सौंसर के लोग भाजपा से इस नाते नाराज हैं कि वह सौंसर पर कम, पांदुर्णा पर अधिक मेहरबान हैं. सौंसर को जिला बनाने के लिए सैकड़ों ज्ञापन दिए जा चुके हैं, मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात. पांदुर्णावासी प्रसन्न हैं, लेकिन बाहरी प्रकाश धुर्वे को प्रत्याशी बनाना घाटे का सौदा हो सकता है. भाजपा ने छिंदवाड़ा से विवेक बंटी साहू को टिकट थमाया है. इससे ऊपरी तौर पर तो सन्नाटा है, लेकिन भीतर ही भीतर आग सुलग रही है. पूर्व मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह और उनके समर्थकों को बंटी की उम्मीदवारी रास नहीं आ रही है. चौधरी परिवार का रसूख बंटी की संभावनाओं को सहज ही पलीता लगा सकता है. अमरवाड़ा में नौ सौ से अधिक कार्यकर्ताओं के भाजपा से सामूहिक इस्तीफे ने यूँ भी खतरे की घंटी बजा रखी है. मोनिका बट्टी पर भाजपा का दांव बूमरैंग हो सकता है. उन्हें सनातन विरोधी के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है. छिंदवाड़ा में कमलनाथ की यजमानी मे कथा भी हुई और प्रसाद भी बंटा. सन 2018 में जिले की सातों सीटें कांग्रेस ने जीती थी. चुनाव में चेहरे मायने रखते हैं, मगर आज की कहें तो भाजपा के लिए डगर आसान नहीं है.

मिजोरम : क्या चौथी बार सीएम बनेंगे जोरामथंगा ?

मनोज कुमार सिंह/ आइजोल

मिजोरम छोटा राज्य है. 40 विधायकों का सदन. लोकसभा और राज्यसभा की एक-एक सीट. कांग्रेस के लंबे वर्चस्व के बाद सत्ता मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के हाथों में. प्रदेश की आबादी 15 लाख से भी कम. लगभग 85 फीसद जनसंख्या ईसाई. शेष जनसंख्या में आबादी के मान से बौद्ध और हिंदू लगभग बराबर-बराबर. स्वाभाविक है कि सत्ता में ईसाइयों का प्रभुत्व !

एमएनएफ के जोरामथंगा संप्रति मिजोरम के मुख्यमंत्री हैं. बतौर मुख्यमंत्री उनका यह तीसरा मुख्यमंत्रित्व काल है. इसके पूर्व वह दिसंबर 1998 से दिसंबर 2008 तक मुख्यमंत्री रहे. 2008 के अंत में सत्ता उनके हाथों से फिसल गयी थी और पूरे एक दशक प्रदेश की बागडोर कांग्रेस के ललथनहवला के हाथों में रही. मिजोरम रक्तपात, हिंसा और अराजकता के लंबे लोमहर्षक दौर से गुजरा है. कभी असम के अंतर्गत रहे मिजोरम को लुशाई हिल्स के नाम से जाना जाता था. 1972 में यह केंद्र-शासित राज्य बना. 60 के दशक में मिजो नेशनल फ्रंट ने सिर उठाया. लालडेंगा के नेतृत्व में पृथकतावादी आंदोलन चला. पाकिस्तान और बांग्लादेश का शह और समर्थन रहा. जोरामथंगा लालडेंगा के सात साल सचिव रहे और 1990 में उनकी मृत्युपर्यंत सर्वाधिक विश्वासपात्र. 1979 में उन्हें सेना ने बंदी बना लिया. 30 जून 1986 को भारत सरकार से फ्रंट का समझौता हुआ और 1987 में मिजोरम को पूर्ण राज्य का दर्जा मिला. 11 मार्च 1966 को मिजोरम को पृथक राष्ट्र घोषित करने वाला फ्रंट लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शरीक हुआ. कभी भागकर बांग्लादेश में शरणागत रहे फ्रंट के सदस्य विधिवत भारतीय नागरिक बने. 1998 में मिजोरम पीपुल्स कांफ्रेंस से गठजोड़ हुआ. इस गठजोड़ को 33 सीटें मिलीं. जोराम पहली बार सीएम बने और उन्होंने 2003 में भी यह करिश्मा दोहराया, लेकिन 2008 में सत्ता जाती रही. फ्रंट को सिर्फ तीन सीटें मिलीं. यहां तक कि जोरामथंगा भी अपनी परंपरागत चम्फाई (उत्तर) सीट से चुनाव हार गये.

अब तक छह बार चुनाव जीत चुके 79 वर्षीय जोरामथंगा चौथी बार सत्ता में आने को बेताब हैं, लेकिन इस बार राह काफी कठिन है. पड़ोसी राज्य मणिपुर की घटनाओं का असर भी है. मणिपुर से बड़ी संख्या में शरणार्थी मिजोरम आये हैं. इन शरणार्थियों से मिजोरम का भावनात्मक रिश्ता है. पिछले पांच माह के अंतराल में 12 हजार से अधिक कूकियों ने मिजोरम में शरण ली है. कूकी, हजार, चिन और कूकी-चिन समुदायों के मिजोजनों से जातीय रिश्ते हैं. वृहत्तर जो समुदाय में समाहित ये जातीय समूह परंपरा और संस्कृति के जरिये परस्पर संबद्ध हैं. जो-जनों के लिए मणिपुर की जातीय हिंसा भावनात्मक मुद्दा है और चिंता का विषय भी. मिजोरम में कांग्रेस चुनावी रिंग में लौट आई है. राहुल के लगातार दौरों और रैलियों ने कांग्रेस में उत्साह का संचार किया है. फ्रंट के भाजपा को केंद्र में समर्थन पर राहुल ने यह कहकर आड़े हाथों लिया है कि भाजपा आपके धर्म, परंपरा और संस्कृति पर हमला कर रही है और आप भाजपा का साथ दे रहे हैं. भाजपा और आरएसएस एक धर्म, एक भाषा, एक संस्कृति की पक्षधर हैं, जबकि हम अनेक धर्मों, अनेक भाषाओं और अनेक संस्कृतियों के हिमायती हैं. राहुल गांधी मिजोरम के दौरों और प्रेस वार्ताओं में भाजपा, एमएनएफ और जेडपीएम को वोट नहीं देने की अपील कर रहे हैं. अपने दौरों के हवाले से राहुल ने कहा कि मणिपुर में इस कदर वर्तुल विभाजन है कि मैतेई कूकी बस्तियो में और कूकी मैतेई बस्तियों में नहीं जा रहे हैं. यह घृणा की राजनीति का प्रतिफल है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मणिपुर से अधिक इजरायल मायने रखता है, जबकि देश का मुखिया होने के नाते उनका प्राथमिक कर्तव्य था कि वह मणिपुर आते.

बातें असर कर रही हैं. घटनाक्रम उत्प्रेरक की भूमिका निभा रहे हैं. मिजो समुदाय संवेदनशील माना जाता है. बड़ी संख्या में युवक बेरोजगार हैं और नशे की लत बढ़ी है. राहुल के आक्रामक अभियान से एमएनएफ सांसत में है. 7 नवंबर को मतदान होगा. अपने फैसले से छोटा-सा मिजोरम देश को ''बड़ा'' संदेश दे सकता है.

छत्तीसगढ़ : कांग्रेस का नया गेम 'केजी से पीजी तक मुफ्त'

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने इस बार सरकार बनने के बाद सरकारी संस्थाओं में केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराने की घोषणा की है. वैसे भी, इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है और अब इस घोषणा के बाद राज्य की राजनीति में एक नए गेम की शुरुआत मानी जा रही है. लेकिन विशेषज्ञ सरकार पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ से लेकर शिक्षा की गुणवत्ता तक और इससे लोगों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर तमाम तरह की चिंताएं व संभावनाएं व्यक्त कर रहे हैं.

कांकेर की रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हम आपके लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं, जिसे हम 'केजी से पीजी' कहते हैं. यानि केजी (किंडरगार्टन) से पीजी (पोस्टग्रेजुएशन) तक सरकारी संस्थानों में छात्रों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाएगी. उन्हें एक पैसा भी नहीं देना होगा. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे एक सोशल मीडिया पोस्ट में साझा किया, जिसमें कहा गया कि इस गारंटी से छत्तीसगढ़ में शिक्षा में एक नई क्रांति होगी. इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईटीआई और डिप्लोमा जैसे पाठ्यक्रम पूरी तरह मुफ्त होंगे. इन सब के लिए किसी भी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा. इसके बाद, कांग्रेस प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि किसी भी पाठ्यक्रम के लिए ट्यूशन शुल्क नहीं लिया जाएगा. इसमें छात्रों व उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति के आधार पर कोई अंतर नहीं किया जाएगा.

पूर्व मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि इस वादे में कुछ भी नया नहीं है. अब राहुल गांधी को कौन बताए कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा पहले से ही दी जा रही है. राहुल गांधी ने कौन सी नई बात कही है? अगर कांग्रेस और राहुल गांधी में साहस है तो घोषणा करें कि निजी स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों की फीस माफ कर दी जाएगी.

छत्तीसगढ़ में स्कूल और कॉलेज शिक्षा के लिए बड़े पैमाने पर काम करने वाले शिक्षाविद् बीएन शर्मा का कहना है कि स्कूली शिक्षा में कोई बदलाव नहीं होने वाला, जब तक कि इसका स्पष्ट रोडमैप नहीं बनाया जाता. इस समय भी तो प्रोफेशनल व अन्य सरकारी कॉलेजों में महिला छात्रों को कोई शुल्क नहीं देना पड़ता है. नर्सिंग में आदिवासी बालिकाओं की फीस का भुगतान शासन द्वारा किया जाता है. क्या परिवर्तन हो रहा है? दरअसल, सरकारी मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज बहुत कम हैं और निजी कॉलेजों की संख्या कहीं अधिक है. राज्य के मुख्य सचिव रहे बीकेएस रे का कहना है कि इस तरह के वादे सराहनीय हैं, लेकिन यह वित्तीय रूप से सरकारी खजाने पर अत्यधिक बोझ डालने वाला है और इसका शिक्षा की गुणवत्ता पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है. जो शिक्षक पढ़ा रहे हैं, उन्हें प्रशिक्षित करने की जरूरत है. इसे और अधिक सुलभ बनाने का मतलब यह नहीं है कि आप गुणवत्ता से समझौता करेंगे.

शिक्षा के क्षेत्र से सीधे जुड़े हुए लोगों का मानना है कि अगर इस वादे को लागू किया गया, तो कॉलेज स्तर से आगे काफी अंतर आएगा. उदाहरण के लिए, दुर्ग जिले का एक निजी कॉलेज, छत्तीसगढ़ कल्याण शिक्षा महाविद्यालय (सीकेएसएम), बैचलर ऑफ एजुकेशन के लिए 31,500 रुपये और डिप्लोमा इन एजुकेशन के लिए 20,500 रुपये का शुल्क लेता है. ये यहां पढ़ाए जाने वाले एकमात्र दो पाठ्यक्रम हैं और सरकारी कॉलेजों में इन्हीं दो पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित शुल्क (सरकार द्वारा निर्धारित) क्रमशः 8,000 से 10,000 रुपये और 5,000 रुपये है. सीकेएसएम के प्रिंसिपल ईश्वर सिंह बरगाह को उम्मीद है कि अगर फीस शून्य कर दी गई, तो अधिकतर छात्र सरकारी कॉलेजों की ओर रुख करेंगे.

कॅरियर-काउंसिलिंग

नैनो टेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर बना सकते हैं बेहतर भविष्य

एजुकेशन रिपोर्टर। रजनीश प्रसाद

नैनोस्केल पर विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी का अध्ययन है नैनोटेक्नोलॉजी, जिसे नैनोमीटर में मापा जाता है. नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी अत्यंत छोटी वस्तुओं का अध्ययन और अनुप्रयोग हैं और उन्हें अन्य विषयों के बीच रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में लागू किया जा सकता है. नैनोटेक्नोलॉजी अद्भुत गुणों के साथ नए नैनोस्केल उपकरणों के निर्माण का प्रस्ताव करती है, जैसे कि हल्का, छोटा और कम खर्चीला होने के साथ-साथ अधिक सटीक होना. नैनोस्केल में कम की गई सामग्री मैक्रोस्केल पर नहीं देखी गई सुविधाओं को प्रदर्शित कर सकती है, जिसे कुछ नया बनाने के उपयोग में लाया जाता है.

लाभ

- टिकाऊ
- लाइटवेट
- मजबूत
- सस्ता
- अधिक कुशल
- उपकरण आकार में बहुत छोटे होते हैं
- छोटी बैटरी का उपयोग करता है

इन क्षेत्रों में होता है नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

- नैनोमटेरियल्स का मानव शरीर के भीतर और बाहर दोनों जगह उपयोग होता है.
- जीव विज्ञान के साथ नैनो सामग्री के संयोजन के परिणामस्वरूप, नैदानिक गैजेट, विश्लेषणात्मक उपकरण, दवा वितरण वाहन और भौतिक चिकित्सा अनुप्रयोगों को विकसित किया गया है.
- इस तकनीक ने विशिष्ट कोशिकाओं तक दवाओं के वितरण को सक्षम किया है, जिसके परिणामस्वरूप दक्षता में वृद्धि हुई है और कम दुष्प्रभाव हुए हैं.
- नैनोमटेरियल्स ने कोशिकाओं को कृत्रिम रूप से निर्मित करने की अनुमति देकर क्षतिग्रस्त ऊतकों को ठीक करने की संभावना को भी खोल दिया है.
- यह विशिष्ट रसायनों, संरचनाओं या बैक्टीरिया का पता लगा सकता है और नाम दे सकता है, इसलिए यह तकनीक एक महत्वपूर्ण निदान उपकरण बन गई है.

इलेक्ट्रॉनिक घटकों में नैनो तकनीक के उपयोग

- नैनोस्केल कंप्यूटर पहले से ही उपयोग में हैं.
- नैनोटेक्नोलॉजी के कारण विद्युत घटकों की क्षमता में काफी वृद्धि हुई है.
- एकीकृत परिपथों में ट्रांजिस्टर आकार में सिकुड़ते जा रहे हैं.
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बिजली के उपयोग, वजन और मोटाई सभी को कम किया जा रहा है.
- इस आविष्कार में मौजूदा सौर पैनलों की दक्षता बढ़ाने की क्षमता है.
- यह सौर पैनल उत्पादन को अधिक लागत प्रभावी और कुशल भी बना सकता है.

क्यों करें नैनो टेक्नोलॉजी पढ़ाई

- नैनोटेक्नोलॉजी साइंस और टेक्नोलॉजी के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है जो दुनिया भर में बढ़ते कॅरियर के अवसरों की पूर्ति करता है.
- यह एक एक्साइटिंग एक्सपीरियंस बनाने के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, जीव विज्ञान और गणित में अपने कौशल में महारत हासिल करने के लिए एक मल्टीडिसीप्लिनरी एरिया है.
- विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमुख विश्वविद्यालय और कॉलेज अंतरराष्ट्रीय छात्रों को नैनो टेक्नोलॉजी कोर्सेज के अध्ययन के लिए अवसर प्रदान कर रहे हैं.
- नैनो टेक्नोलॉजी का कंप्यूटर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक रेवोलुशन पर सामाजिक प्रभाव है.
- कई स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने और बीमारियों के लिए संभावित उपचार खोजने में मदद करने के लिए विकासशील देशों द्वारा नैनोमेडिसिन का उपयोग किया जाता है.
- इसका उपयोग विभिन्न प्रकार की शुद्धि और औद्योगिक प्रक्रियाओं में भी किया जा रहा है.
- पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों में नैनोसाइंस के एप्लीकेशन के साथ, वैज्ञानिक पर्यावरण पर पॉइजनिंग के बोझ को कम करने के लिए किफायती, स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत बनाने के लिए नैनो तकनीक का उपयोग कर रहे हैं.

12वीं के बाद कोर्सेज

- बीएससी इन नौनो साइंस
- बीएससी इन केमेस्ट्री विथ नैनोटेक्नोलॉजी
- बीएससी(ऑनर्स) इन नैनोटेक्नोलॉजी
- बैचलर इन केमेस्ट्री विथ ग्रीन नैनोटेक्नोलॉजी
- बीएससी इन नैनो सिस्टम इंजीनियरिंग

कोर्सेज

- बीटेक नैनोटेक्नोलॉजी
- बीई नैनोटेक्नोलॉजी
- एमटेक नैनोटेक्नोलॉजी
- एमई नैनोटेक्नोलॉजी
- एमटेक फंक्शनल मैटेरियल एंड नैनो टेक्नोलॉजी 6 .एमटेक नैनोटेक्नोलॉजी सेल्फ फाइनेंस

खाद्य उद्योग

- नैनो टेक्नोलॉजी में बेहतर बनावट और स्वाद के साथ सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले भोजन का उत्पादन करने की क्षमता है.
- ईकोलाई की उपस्थिति का पता एक संदूषण सेंसर का उपयोग करके लगाया जा सकता है जो प्रकाश की एक फ्लैश का उपयोग करता है.
- दालचीनी या अजवायन के तेल के साथ-साथ जस्ता, कैल्शियम और अन्य नैनोकणों से युक्त रोगाणुरोधी पैकेजिंग बैक्टीरिया को नष्ट कर सकती है.
- नैनोएनकैप्सुलेशन द्वारा विटामिन, एंटीऑक्सिडेंट, स्वास्थ्यवर्धक ओमेगा -3 फैटी एसिड और अन्य पोषक तत्वों में सुधार किया जा सकता है.
- झींगा मछली के खोल या जैविक मक्का से निर्मित रोगाणुरोधी पैकेजिंग संभव है और यह बायोडिग्रेडेबल है.
- नैनोबारकोड का उपयोग महामारी को ट्रैक करने और विशिष्ट उत्पादों को टैग करने के लिए किया जाता है.

सर्टिफिकेट कोर्सेज

- नैनोटेक्नोलॉजी : मेकर्स कोर्स बाई ड्यूक यूनिवर्सिटी
- नैनो टेक्नोलॉजी एंड नैनो सेंसर, पार्ट वन बाई इजराइल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
- अंडरस्टैंडिंग आइंस्टीन स्पेशल थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी बाई स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी
- डिजाइन ऑफ बल्क नैनोस्ट्रक्चर मेटल मटेरियल बाई पॉलीटेक
- नैनोटेक्नोलॉजी एंड नैनोसेंसर पार्ट टू बाई टेकनियन

कॅरियर स्कोप

- इलेक्ट्रॉनिक/सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री
- टेक्सटाइल इंडस्ट्री
- ऑटो एंड एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज
- बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री
- मेडिकल फील्ड एंड फार्मास्यूटिकल्स
- फूड साइंस इंडस्ट्री (क्वालिटी कंट्रोल एंड पैकेजिंग)
- फॉरेंसिक इंडस्ट्री
- रिसर्च इंडस्ट्री

नैनो टेक्नोलॉजी का पर्यावरण संरक्षण में उपयोग

नैनोटेक्नोलॉजी में पर्यावरण के अनुकूल उपयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला है. इसमें मौजूदा प्रदूषण की समस्या से निपटने में मदद करने की क्षमता है. यह प्रदूषकों का शीघ्रता से पता लगाकर पानी को शुद्ध करके स्वच्छ व सस्ते पेयजल की आपूर्ति कर सकता है. नैनोटेक्नोलॉजी में पारंपरिक तरीकों की तुलना में कम लागत पर रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से भूजल से औद्योगिक जल प्रदूषकों को खत्म करने की क्षमता है, जिन्हें उपचार के लिए भूजल पंपिंग की आवश्यकता होती है. नैनोटेक्नोलॉजी सेंसर और समाधान में हवा और मिट्टी में खतरनाक रासायनिक या जैविक पदार्थों का पता लगाने, पहचानने, फिल्टर करने और बेअसर करने की क्षमता होती है.

- **यातायात**

नैनो टेक्नोलॉजी लाइटर, स्मार्ट, अधिक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल ऑटोमोबाइल, विमान और जहाजों के विकास में सहायता करती है. यह परिवहन के बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए कई तरह के तरीकों को भी अनुमति देता है, जैसे कि राजमार्ग और अन्य बुनियादी ढांचे के घटकों के लचीलेपन और जीवनकाल को सुनिश्चित करना. नैनोस्केल सेंसर और गैजेट्स का उपयोग कम लागत पर पुलों, ट्रेनों, सुरंगों और अन्य संरचनाओं की स्थिति और प्रदर्शन की निगरानी के लिए भी किया जा सकता है. वे वाहनों की घटनाओं और ट्रैफिक जाम से बचने के साथ-साथ लेन की स्थिति को बनाए रखने में मदद करने के लिए परिवहन बुनियादी ढांचे में सुधार कर सकते हैं.

- **अंतरिक्ष**

कार्बन नैनोट्यूब-आधारित सामग्री संरचनात्मक ताकत को बनाए रखने या सुधारने के दौरान अंतरिक्ष यान को वजन कम करने में मदद कर सकती है. नैनो टेक्नोलॉजी का उपयोग उन तारों के उत्पादन के लिए भी किया जा सकता है जिनकी अंतरिक्ष लिफ्ट को आवश्यकता होती है. अंतरिक्ष लिफ्ट बड़ी मात्रा में वस्तुओं को कक्षा में पहुंचाने की लागत में कटौती कर सकते हैं. जीवन समर्थन प्रणाली कितनी अच्छी तरह काम कर रही है यह देखने के लिए अंतरिक्ष यान में रसायनों को ट्रैक करने के लिए नैनोसेंसर का उपयोग किया जा सकता है.

- **कृषि**

हर्बीसाइड्स, रासायनिक उर्वरक, और जीन सभी को नैनोकैप्सूल की बदौलत पौधे के वांछित क्षेत्र में प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है. यह प्रदूषकों को कम करते हुए पौधों को आवश्यक सामग्री का एक स्थिर और मध्यम वितरण सुनिश्चित करता है. पानी, उर्वरक और रसायनों जैसे प्राकृतिक संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने वाले नैनोसेंसर और वितरण प्रणालियों के लिए सटीक खेती संभव हो सकती है. नैनोसेंसर का उपयोग करके पौधे के वायरस और मिट्टी के पोषक तत्वों के स्तर का भी पता लगाया जा सकता है. नैनो-बारकोड और नैनो-प्रसंस्करण का उपयोग करके कृषि उपज की गुणवत्ता की संभावित रूप से निगरानी की जा सकती है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।)